६१४२

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,
JAMMU

No. ९८६५ क

Title तालाध्यायः (संगीतमहोदधिस्थः)

Author गोस्वामी काकारामः

Extent २३० पत्र Age

Subject काव्य-शास्त्र (संगीत)

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मालाध्याय द्वीतीय

नं. २३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता० ॐश्रीगणेशायनमः ॐश्रीहनुमतेनमः अथ ताला ध्याय लिख्यते ॥ मूल
ध्या मंगला चरण कवित्त देख्योयहमहांजोगीगिरिजानयाहिजोगीयाकेचरित्त
१ नजोगीवरनतिंहारेहै अंगलपटायेभोगीकहैयहकैसोभोगीवरनविभूततन
मैविभूतभारीहै कनकनजाकेकहूंतनककनकनितखोतहैथनकथनथर
थामथारीहै जाकेहरिवल्लभसअंबरहै अंबरअउंबरकारनमुंडमालनिभिषा
रीहै ॥ बचन कइहां श्रीशंकरजीको मंगला चरणहै शिवजी कैसेहै म
हां जोगीहै ओर पार्वतीजीको अंगीकार कीयेहै सो गिरजा इनके लाय
क नही जोगी होइ इस्त्रीकों राखतेहैं यह आदि श्रुतिहै याहीते इनके च
१
© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रिझनकों वरनन करतेहैं चरित्र कहतेहैं सो हार गइहै वालोंने जिन
के चरित्र कहे नहीं जाते औरजो इनकों भोगी कहीये तो कहो य
हि भोगी कैसेहै याके अंगको तों भोगी जोहै सर्प सो लपटाइ रहे
हैं यातैं भोगी कैसे कहीये फेर कैसेहै घरमें जिनके विभूति नहींहै
औतनमें जिनके विभूतिहै यह आदिभूतिहै विभूत संपतामों छार फेर कै
सेहै कनक जिनके तनक थोरेभी नहीं और निति प्रति कनकहीं खातेहै
यह अद्भुतहै कनक सरन और धतूर और कनकहीं याके धनहै ताकों
धारतेहै और अधारीहै धारन वारे नहींहै भक्तनकों धन देतेहैं अह विषे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२

जिनके धन नहींहे यहि आदि श्रुति फेर कैसेहै जिनके अंबर आकाशही वस्त्र
है और मुंडमालाके अडंबरकों कब नाइबेके आरंभकों करतेहैं ओभिखारी
है याके आडंबर होइ सो दिगंबरिओं भिखारी कैसे होई यहि अद्भुत ऐसे
शिवजीहै ॥ अथ ताल प्रशंशा लछन लिख्यते । दोहरा तड़रजेंत्राकिमंते तौर्यत्रिकम तेभ कों
सू॰ ता भिकोंअंकुशतालवखान निजोनाधिकपरमालछनिजातेकरतिप्रमान ।

टीका गीति वाद्य नृत्य इनको नाम तूर यंत्रके सोई भयो मति वारो हाथी
ताको यह ताल अंकुशहै जिसते न्यून अधिक प्रमाणको प्रमाण करतें
हैं यह कात्यायनजीने कह्योहे अन्यच्च मूल दोहरा जानेबीनातंतकोस्फ

२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तिजा तिनके भेदि बहुरि होइ तालगप सो प्रकति लहै बिन षेदि टीका जो प्रुरुष वी

ना बजाईबेके तंतको जानै औ स्रुतिनको जेहैं जातें तिनके भेदको जानै औ

तालगप होइ सो प्रुरुष बिना षेदिहीं प्रकतिकों पावतिहै ऐसे विज्ञाने स्वरनै

कहयोहै दोहरा काल क्रिया अरु मानई येक वार जब होहि ताकों ताल क

हैं सबै जो जानति या गोहि टीका काल सबै औ क्रिया रचना अरु मानका

विश्रामा ईजहां ईकही बार होई ताकों ताल कहतहै सोई आगे दोहामे क

हतहै काल छनादिक जानीई क्रिया तालको जोग आनकहै विश्रामको स

बसंगीत विदु लोग टीका छणाते आदि लेके काल जानीए याको निरनै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

आगे कहेंगे औ तालको जोहै जोग मिलापा का रचना सो क्रिया औ क्रिआते रूप
रंतजो विश्राम ताको मान कहतहै यह मत संगीतार्णवमें कह्योहै अथ शिव
किंकरनके मतिसों तालकों लछन काल जोहै लघ्वादिक सो क्रिया करिके मि
ल्यो होई औ गीति आदिकके धारन वारो होइ जामे गीति वाद्य नृत्या विश्रामकों
पावै सो ताल कहीये अथ हरि भंदिके मतिसों तालकों लछन क्रिया करिके संज्ञ
गति जोहै काल फेर कैसो दस प्राणों करिके मिल्यो होइरु ताको ताल कहतिहै
अथ विनोदके मतिसों तालकों लछन मूल दोहरा करज्ञगके संजोगमें औरवि
योगहमाह काल प्राण दससों मिल्यो ताल कहें कवि नाहि टीका दोई हायके

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

संयोगमें औ वियोगमें जोरि काल कैसोद प्राणसों मिल्यो होईकं ताको काल

कहति है अथ सारोकंथारिके मतिसों तालको लछण कालको ताल कहति

है काल कैसो होई जो द्रुतादिकों करिके मिल्यो होई औ गीति वाद्य नृत्य ई

नको मान करे ताका विश्राम करता होई सो ताल कहीये अथ ताल शब्दकी

निरुपंती लिख्येते तल नाम प्रतिस्टाको जामें गीति वाद्य नृत्य ईप्रति स

ष्टति होई सो ताल कहीये अथ राधा गोविंद संगीति सारके मतिसों तालकों

निरने लिख्येते स्लोक नानामार्गयीरत्यो यथा यतीनां साति कल नियकं ते

दे छं एं शिवंनोमि चित्र ब्रित मेयं पदं अथ ताला ध्यायिको वचनका लिख्य

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४

प्रथम गांन प्रगट भयो सोतो ब्रह्म माया विना ब्रह्म पहिचान्यो जात नही याते ता
ल रूप माया प्रगट करी ता कहीये ताके वाले शिवजी ल कहीये लाल स्व
रूप पार्वतीजी नरिवेकी लालसा जो किये चाहे तो तालमे प्रभुको गांन करो
या लालसाते नरि जाय अरु दोऊ हाथकी ताल लागी तब शब्द भयो सो शब्द
ब्रह्म रूपहै प्रगट होय करिके सबनके कानमें जाने रूप धर्यो अरु अलह्याहै
याते निर्गुण सो सरूप धरिके सगुन भयो ताते ताल लिये राग गांन करीये तो
निरगुण ब्रह्म सगुण रूप धर्योहै यासों याकों काल कहतहै तो माया अरु
ब्रह्मसों चार वस्त पाईये धर्म अर्थ काम मोक्ष गीत नृत्य नाट्य वाद्य ए सम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तालकी जातिके अनुसारमें लेके करीये वाहिर निकसे ऐसो न करीये स्वर
अक्षर थावर जंगम ए सभ तालकी गतिमेंहैं जातें ताल विना गान नही गान
विना ताल नही यातें ताल मुख्यहै सो यह ताल मायाहै जैसें मायाके अनेक
भेदहै ऐसें तालहूंके अनेक भेदहैं जैसें ब्रह्म अनेक रूपहै ऐसें रागको स्व
रतो एक रूपहै अरु राग अनेक प्रकारकेहैं ऐसें ब्रह्म चैतन्य तो एक रूपहै
अरु स्थावर जंगममें अलक्ष्य व्याप रह्योहै ऐसोही राग श्रवण मात्रहै अरु
देखनेमें नही आवेहै यातें ब्रह्म रूपहै तैसे गानको स्वरतो एक रूप हीहै
अरु ताल माया रूपहै राग ब्रह्म रूपहै जहांतांई दोऊ हायनको जो अंतर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५

5

रहै तहां तांई आकाश कहीये अरु दोऊ हाथ मिलके शब्द उत्पति होई सो
काल कहीई अकाल कहा जो तो भीना मिल्यो ल भीना मिल्यो तहां तांई
अकालहै अरु जब इनको संजोग होइके शब्द भयो तब वाको ताल कहीये
सोवही कालहै यही जानीये अथ तालके दश प्राननके नाम लिख्यते मूल
दोहरा दश प्राननके नाम अब कहौं गनाई बनाई काल रुमारग पुन क्रिया
अंगर ग्रहया भई पुनः दोहरा जाति कलाल यजति बहुरि दशमोहै प्रस्तार इ
नके लक्षण अब कहौं करिके ग्रंथ विचार टीका प्रथम प्राण काल दूजो
प्राण मारग २ तीसरा प्राण क्रिया ३ चौथा प्राण अंग ४ पांचमा प्राण ग्रह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

५ छठेमा प्राण जाति ६ सातमा प्राण कला ७ अठमा प्राण लय ८ नव
मा प्राण यति ९ दशमा प्राण प्रस्तारहै १० मूल दोहरा लाण रूपादिक का
लजो सोई कहीये प्रान यहै ताल नाम हेलहै करि गीता दिक गान टीका
लाण रूपादिक जो कालहै सोई प्राण कही यतिहै औ गीता दिकके गान
करनमें यती ताल नामको पावतिहै अरथ यहि ईसी कालको ताल कह
तहै मूल दोहरा अनुडुतिते आरंभ करि ताल कालको जानि ताल लयो
नहि जानतहै काल लना दिक आनि टीका अनुडुतिते याको आरंभ करीये
ऐसे कालको ताल जानीये औ लिण्ण दिक जो कालहै सो ताल लीये

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
६

नही जातिहै अनुद्रुति कालको ताल लीयो जातिहै इत्यादि कालको ताल ली
यो नही जाति याते तालको आरंभ अनुद्रुतितेहै इत्या आदिते नही मूल दोह
ए शंकर कहै नकारको गिरजा कहै लकार शिव शक्तिहि संजोगते होत
ताल विस्तार टीका नकारको शिवजी कहितहै औ लकारको पार्वतीजी क
हतहैं याते शिव अरु शक्तिके संयोगते तालको विस्तार होतहै याहीते ताल
शिव शक्ति स्वरूपहै औ बडो पवित्रहै जसके औ भक्तिके औ मुक्तिके देन
वारोहै दश प्राणनको जाको शरीरहै ऐसे तालको जो जाणै सो तत्व वेता
जानीये अरु संगीति विनोदमे ऐसे लिख्योहै जो गीति नृत्य वाद्य पती जो

6

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नालते बिना व्यर्थहै अरु आकाशते जो जल गिरयोहै तातें बिंद भयोहै बिंदते
नाल उपजोहै अरु नकार नाभिते लकार मोहिनते उपजोहै फेर नकार शिव रू
पहै लकार शक्ति रूपहै ऐसे शिव शक्तिके सहित जो नालहै तिसको मेरी न
मस्कारहै अथ नालके दश प्राणनके लक्षण लिख्यते ॥ तहां क्षणते लेके
ब्रह्मके दिन तोई जो काल तांको लक्षण लिख्यते मूल चोपई एक कमल
दलवेधै जोलो क्षण परिमाण कहैं सभ तोलो आठ क्षणनको एक लव होई
आठ लवनि एक कासटा जोई आठ कासटा एक निमेष आठ निमेष निकला
विशेष मूल दोहरा कला जुगलसो होतहै चतभांग पुन एक त्रुटि ताहीको

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७
7

कहतहै चितमैं करि सब टेक चौपई चतुर्भाग देसौं अनुमाना द्वैअनुको द्रुत कहै
सजाना द्वैद्रुतको उन लघु है होत द्वै लघुको गुरु कहैऽ दोत कहै तीन लघुप्लुत
निरधार जे जानतहै काल विचार टीका जा कालमैं कमलको एक पत्र बडी शि
ताबीसों काटा करिके बेधीये सो काल क्षण कहीये वे आठ क्षण होय तब ए
क लव होइ और आठ लवके एक काष्ठा होई आठ काष्ठानको एक निमे
ष होई अरु आठ निमेषनकी एक कला होई दो एकलाको एक चतुर भाग हो
ई ओहीको त्रुटि कहितहै और दोई चतुरभागको एक अर्ध बिंदु होई वाको अ
णु कहतहै और वाहीको मणु द्रुत कहतहै याहीते तालको आरंभ होतहै दो

७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ई आथे बिंदुको एक बिंद होयहै वाको द्रुत कहतहै अरु दोई बिंदुनको एक ल
घु होईहै दोय लघुको एक गुरु होयहै तीन लघुको एक प्लुत होईहै आगे भी
कालको निर्णय कहितहै सोलहि क्षुतनको एक पल होतहै साठि पलकी ए
क घडी होतहै साठ घडीको एक दिन होतहै अरु तीस दिनको एक महीना
होतहै बारो महीनाको एक बरस होतहै अरु पुराणकी रीतिसों त्रिताली लाख
बीस हजार ४३२००० बरसकी एक जुग चोकडी होतहै हजार चोकडीको
ब्रह्माके एक दिन होतहै तासों कल्प कहतहै अरु तो ब्रह्म दिनको एक ब्र
ह्म मास होतहै अरु बारह ब्रह्म मासको एक ब्रह्म वर्ष होई सो १०० ब्रह्म.

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
८

वर्ष ब्रह्माजीकी आरबलाहै वाको ब्रह्म कल्प कहतहै इति काल लक्षण सहर्ग्यो

इति प्रथम प्राण सम्पूर्णम ॥ अथ मार्ग प्रमाण दूसरो ताको लक्षण लिख्यते

मूल दोहरा ताण मारगहै जे कहे तिनको करत बषान दक्षिण वारतिक चित्र ध्रु

वि औ विचित्र तर जान पुनः दोहरा छुटो चित्रतमहै कह्यो ईनकी कला गनाई

है दक्षिणमे वक्र कला अर्थ कला पुन लाई टीका शास्त्रमें छुह मारिग कहेहै प

हिलो दंक्षण १ दूसरो वार्तिक २ तीसरो चित्र ३ चौथो ध्रुव ४ पांचमा विचित्र तर

५ अरु छठवो चित्रतम ६ तहां दक्षिण मार्गमें आठ कलाहै तिनके नाम लि

ख्यते प्रथम ध्रुवका १ दूसरी सर्पिणी २ तीसरी क्रिशणा ३ चोथी पदमनी ४

८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पांचवी विशराजिता ५ छटई विलसिता ६ सातवी पताका ७ आठमी पतिता

८ अथ वार्तिकमों चित्र ओध्रुव मारगकी कला लिख्यते मूल दोहरा है पहली है

पाछली कला वारतकि माहि आदि अंतकी चित्रमें ध्रुवमें पहली आहि टीका

अब दुसरो मारग वार्तिकनामैं चारि कलाहै ध्रुविका १ दूसरी सर्पिणी २ तीस

री पताका ३ चोथी पतिता अथ तीसरो मार्ग चित्रनामैं दोई कलाहै प्रथम

ध्रुविका १ दूसरी पतिता अब चोथो मारग ध्रुवनामे ध्रुविका नाम एक कलाहै

अथ चित्रतराओ चित्रतममैं कला लिख्यते मूल दोहरा कला होई द्रुतमानसों

चित्र तरहूमे आई बहुर चित्रतममैं कला करज मानके भाई टीका पांचवो मार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९

ग चित्र तर तामें आधी कलाहै ताको प्रमाण एक श्रुतहै छठवो मार्ग चित्रतम तामें
पाऊ कलाहै ताको प्रमाण कर जनघ समानहै सो अणहै ई छह मारग चूडामलके
मतिसों कहेहैं अथ मण दर्पणके मतिसों छह मार्ग लिख्यते प्रथम दक्षिण १
दूसरो वार्तिक २ तीसरो चित्र ३ चौथो चित्रतर ४ पांचमो चित्रतम ५ छैमो
अतिचित्रतम ६ तिनको लक्षण कहतहै तहां दक्षिण मारगमें आधो अण
कलाहै याको प्रमाण चतुर्भागहै अथ दूसरो मार्ग वार्तिक तामें श्रुदि कलाहै या
को प्रमाण आधो चतुर्भागहै अथ तीसरो मार्ग चित्रतामें अणु श्रुदि कलाहै ताको
प्रमाण श्रुटिको अर्धहै अथ चोथो मार्ग चित्र तर तामें त्र्यण कलाहै सो अ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तत्त्वदिको अर्थहै अथ पांचवों मार्ग चित्रतम तामें अनुचर्षण कलाहै सो चर्ष
णको अर्थहै अथ छठेमो मार्ग अति चित्रतम तामें स्वर कलाहै याको प्रमाण अ
नु चर्षणको अर्थहै अथ रत्नाकरके मतिसों तालनमें चार मार्ग कहेहै एक
ध्रुव १ दूसरो चित्र २ तीसरा वार्तिक ३ चौथा दक्षिण ४ तहां ध्रुवमें तो ए
क मात्रा कला होए औ चित्रमें दोई मात्रा कला होई वार्तिकमें चार मात्र क
ला होई और दक्षिणमें आठ मात्रा कला होई ई चार मार्ग संगीत रत्नाकरके
मतिसों कहेहै इति द्वितीय प्राण सम्पूर्णम् ॥ अथ तालको तीसरो प्राण
क्रिया ताको लक्षण लिखेते मूल दोहरा क्रिया होई द्वैभांतिकी तिनके ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९

कहहति ज्ञनाढ्य पहिले निशब्दा कहै ज्ञन शब्दा ज्ञगदांङ्ग टीका तालकी क्रियाके दो

ई प्रकारहैं प्रथम निःशब्द दूसरी ससब्दा २ तहां जामैं सबद नहोई सो निःशब्द

कहीये और जामे शब्द होई सो शब्द कहीये मूल दोहरा निःशब्दा विधि चारिकी लो

गे कहहति संदेश आवापक निष्क्राम पुनि विक्षेपक परवेश टीका तहां प्रथम स

वक्रिया चार प्रकारकीहै प्रथम आवापक १ दूसरी निष्क्राम २ तीसरी विक्षेपकं

३ चौथे प्रवेशक ४ ऐसे चार प्रकारकीहै अथ सशब्दाके चार भेदं लिखेते मू

ल दोहरा ध्रुव अरु संपाताल पुनि सन्निपात निरमान्न पान कला इनसो कहै

जे अति चतर सुजान टीका अरु स शब्दा चार प्रकारकीहै प्रथम ध्रुव १ दूस

९

10

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रो संघा २ तीसरो ताल ३ चोथो सन्निपात ४ इनको पात कला कहतहैं अथ

निःशङ्कके आवाप आदि चारिभेद तिनको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा

करपरसेते आंगुली द्वैरेकनिसद आदि आवा पक तासो कहे गन जन सबै अ

नादि टीका जहां ऊंचो सूधो हाथ करि अंगुरीनको संकोचीये सो अवाप जा

नीये अरु लौकिकमें वाई उरतिसखो हाथको चला वनो आवापहै इति आवा

प १ अथ निह क्रिअंकिको लक्षन लिख्यते मूल दोहरा करतल करिनी

चैबहुर अंगुरी देई पसारि निहक्रिअक तासों कहैं लक्षन चितहि विचारि

टीका अंगुरीनको करितल जो हाथ ताके नीचे करिके फेर पसारि देइ सो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
ध्या
११

निरक्षिप्रंकहै कोई कहतहै हाथके नीचेकी उर अंगुरीनको चलावनो सो निरक
अंकहीये इति निरकअः ॥ अथ विक्षेपकामो प्रवेशकको लक्षण लिख्यते
मूल दोहरा अंगुर निछोहै दाहिने सो विक्षेपक होइ आदितरजनी अधहिको मुरे
प्रवेशक सोइ टीका सयो हाथ करिदाहिनी पासेकी उर अंगुरीनको प्रसारनो ताहि
विक्षेपक कहतहै अरु लौकिकमें दाहिनो उर हाथको चलायवो विक्षेपहै इति
विक्षेप ३ हाथके नीचेकी उरको जो अंगुरीनको संकोरवो सो प्रवेशकहै अरु
लौकिकमें नीचेको हाथको चलावनो प्रवेशकहै इति प्रवेशक अथ सशाह्वा
क्रियाके ध्रुव आदि चारि भेदनके लक्षण लिख्यते मूल दोहरा करउचे नी

११

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चो पै चुटकी शब्द उचारै ताहीको ध्रुव कहत हैं गुनिजन याही भांई अथ दोहरा

दाहिन करकै तालसो सम्पा कहै सुजान बांई करके तालकों कहै ताल परिमान

अथ दोहरा दोऊ करकै तालको सन्निपात है नाम ईजत शब्द भेदमें कहै कहै

महांरस धाम जहां तालदे ऊचे हाथसों चुटकी बजाइकै हाथको ऊचेते नीचे उ

रनो सो ध्रुव कहीये अरु दाहिने हाथसो ताल दीजीये ताको नाम संपा है अ

रु बांई हाथके तालसों ताल कहत है अरु दोऊ हाथके तालसों सन्निपात क

हत हैं इन चारो भेदनको पात कला कहत हैं इति तृतीय क्रिय प्राण संपूर्णं

अथ तालको चौथो प्राण अंगताको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा सात

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२

अंगहै तालमें अब सत तिनके नाम अनद्रुत द्रुति राम द्रुति लघु बड़रोल विराम
दोहरा गुरु अरु स्रुत मिला अंग एकहै ताल विंड लोप अब एनकी उत्पति करे
अनुद्रुत बानहि होए टीका तहां तालके सात अंगहैं अणुद्रुत १ द्रुत २ विराम
द्रुत ३ लघु ४ लवराम ५ गुरु ६ स्रुत ७ एही सात अंगहैं अब इनकी उ
त्पती कहतहै प्रिथम अणुद्रुतकी उत्पती पवनतेहै मूल दोहरा द्रुतहै उप
ज्यो नीरसों जल समीर दविराम लघुपावक तेहै भयो जल आगाति लवि राम
दोहरा गुरु उपज्यो आकाशते स्रुत पृथ्वीते जानि अब इनके सत देवता अनुद्रु
त चंद बषान टीका द्रुतिकी जलसों उत्पतिहै औ दवि रामजोहै विरामद्रुति या

१२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

की जल ग्रुरु पौनके मिलापते उत्पतिहै लघुकी ग्रग्निते उत्पतिहै लविरामकी
ग्रग्नि ग्ररु जलके मिलापते उत्पतिहै गुरकी ग्रकासते उत्पतिहै स्रुतकी पृथिवी
ते उत्पतिहै ग्रब इनके देवता कहतिहै ग्रनुद्रुतिको चंद्रमा देवताहै स्रुल दोह
रा द्रुतको शाक्रर शंभहै स्कन्द देव दविराम देवी लघुकी देवता लविरामहि
गुरु नाम दोहरा शिव गौरी गुरु देवता स्रुतके तीनो देव जे पनकोहै उंचरति
तिनके कहो ज्ञभेद टीका द्रुतिको देवता शिवहै दविरामको देवता स्कन्द क
हीये स प्रकारि नकहै लघुकी देवता भवानीहै लविरामको देवता गुरु क्रिया
ह्रस्पतिहै गुरके देवता शिव ग्रो पार्वतीजीहै स्रुतके देवता ब्रह्मा विषाउ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२

महेशहै अब इनको जे पंछी बोलितहै तिनको जितावतिहै मूल दोहरा अनुद्रुतको
तितर कहै द्रुतको चटक गनाई बक बोलै दविरामको लघुको चातक नाई दोहरा
कोकिल लविरामहि कहै वाईस गुरु कहि देई निज स्वर कोउच्चारि करि कर झुटि
स्रुत कहेई टीका अणु द्रुतको तिंतरकी बोली सोउचार जानीये चटकि जोहै वि
री तोकी बोलीसो द्रुतिकोउचार जानीये बगुलाकी बोलीसो द्रुत विरामकोउचार
जानीये नीलकंठके बोलीसों लघुकोउचार जानीये कोकिलकी बोलीसों लविराम
कोउचार जानीये कागकी बोलीसों गुरकोउचार जानीये कंकत्रिकी बोलीसों स्रुतको
उचार जानीये अथ सातो अंगनकी संज्ञा लिख्यते मूल दोहरा अनि इनकी संज्ञा

१२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अबहि कहत गुणी जन लोई अर्ध चंद्र अनुद्रुत कराजि अर्ध बिंद पुनि होई पुन दो

हरा अर्ध द्रुत निहारे अणु बहुरि अंकुश धनु पुनि जान ईतने अणुके नामई पंडि

त कहत बखान टीका अर्ध चंद्र १ अणुद्रुत २ कराजि ३ अर्ध बिंद ४ अर्ध द्रुत

५ अणु ६ अंकुश ७ धनुव ८ पआद अणुके नामहै अथ तालको दूसरो

अंग द्रुत ताके नाम लिखते मूल दोहरा शून्य व व्यंजन कूप पुनि वलय हु बि

ति गनाय बिंद अर्ध मात्रिक सरवि कहि द्रुत नाम बनाय टीका शून्य १ व

कहीये आकाश २ व्यंजन ३ कूप ४ वलय ५ सबिति ६ बिंद ७ अर्ध मात्रि

क ८ रवि ९ पनव द्रुतके नामहै कोई द्रुत ओड़नर इनके समेत ग्यारह कर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
१४

तहै अब तालको तीसरो अंग दविराम ताके नाम लिख्यते द्रुतविराम १ लविराम
२ और जितने द्रुतके नामहै तिनमें विराम पद लगे तब दविरामके नाम होतहै
जेसें द्रुत विराम नाममें द्रुत पदसों विराम पद लग्योहै सो यहि दविरामको नाम
भयो ऐसेही शरबदोरि द्रुतके नावनमें जानीये अथ तालको चोथो अंग लघु ता
के नाम लिख्यते मूल दोहरा रखमे रुसर दंड पुन ओरल मात्रका नाम सरल
रुव्याप कबहू रहे लघुकहीये अभिराम टीका रहेस १ मेरु २ सर ३ दंड ४
ला ५ मात्रिक ६ सरला ७ व्यापक ८ लघु ९ और जितने बाणके नामहे
तितनेही लघुके नाम जानीये अब तालको पंचवों अंग लवराम ताके नाम लि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

खिते प्रथम लघुविराम १ दूसरो लव राम २ और लघुके जितने नामहै तिनमें

विराम पद लगाएकै लविरामके नाम जानीये जैसे लघु विरामया नाममें लघु

पदसों विराम पद लगाएके लविरामके नामहै अथ तालको छठमा अंग गुरु

ताके नाम लिखते मूल दोहरा मन गुरु नाम द्विमात्र गुरु दीरघ कंकन थंब

नूपुर हारग भुज भुन केयूरोताटंक टीका विमात्र १ गुर २ दीर्घ ३ कंकन ४

थंब ५ नूपुर ६ हार ७ ग ८ भुज्या केयूर ९ ताटंक १० ई दश नाम गु

रुके जानीये कहूं गोपकल ग्यारवें नामभीहै और गुर भुजके नाम जितने

होई तितनेही गुरके नाम जानीये अथ तालको सातवों अंगप्लुत ताके ना

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
ध्या
१५

म लिखिते मूल दोहरा सामज्ज श्रिंगी दीपत पुनि लत विमात्र अरु अंग सों पुनि नार

शिवान पस्तुतिके नाम सधंग टीका सामज १ श्रिंगी २ दीपति ३ लत ४ विमा

त्र ५ अंग ६ सोमज ७ नार शवान ८ पस्तुतके नाम जानीये कही पलसु अरु

शामोदि भव पभी नाम कहेहैं अथ सातो अंगनके ध्यान लिखिते मूल दोहरा ॥

अति सत्म करि ध्यातिमें अनुद्रुतिको करिजोग सत्म ध्यानह द्रुत कहै श्वन लघु

संयोग टीका तहां प्रिथम अनुद्रुतको अति सत्म ध्यान जानीये लघुको श्वन

ध्यान जानीये सत्मके अरु श्वनके बीचि दविरामको उंध सत्म ध्यान जानीये

दोहरा ध्यातहि करि विलेप पुन करै सगरुको रूप करियातहि करश्रम करै १५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सो स्तन जाति अनूप टीका एक शरको शरन याति करके फेर विक्षेप करै क्रिया

नीचे करदे होई हाथिको झूलो दीजीये सो दूसरो शरनहै ऐसे दोई शरन याति

शरकेहै औ लघु शरन एक शरके शरन दोई इन दोऊनके बीचमैं लविरामको डेढ

शरन याति जानीये औ स्तनको शरन याति करि वांई हाथके उरि पास दाहने हा

थको फिरावनो यहि दूसरो शरनहै और पीछे नीचे करते होई दाहने हाथको जो

झूलोहै सो तीसरो शरनहै ऐसे तीन शरन स्तनकेहै अथ बजाइवेमैं सातो अंग

नके अंतर लिखेते मूल दोहरा अंतर अनुडुत यातमैं सार्थ अंगुल होई इनमैं

तीनहू दंडमैं ईखहू अंगुल ते जोई टीका दोऊ हाथनको बाजो बजाईये ताको

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१६

अरु हाथको जो अंतर ताको प्रमाण अनुद्रुतमैं डेढ अंगुलको अंतर जानीये अरु द्रु
तमैं तीन अंगुलको अंतर जानीये लघुके बजाईवेमैं छह अंगुलको अंतर जानी
ये तीन अंगुलके अरु छह अंगुलके बीच दविरामतामैं साढे चार अंगुलको अंत
र जानीये मूल दोहरा गुरुमैं द्वादश होतहे लुतमैं वसुदश जाने लघु अक्षर पंचक
कहे एक मात्रिक आन टीका गुरके बजाईवेमैं बारह अंगुलको अंतर जानीये
लुतके बजाइवेमैं अठारहि अंगुलको अंतर जानीये इति अंतर संपूर्णम् ॥
अथ लघुको गुरको मात्राको लक्षन लिख्यते जा कालमैं पांच लघु अक्षरको
उचार होई सो काल एक मात्रा जानीये मूल दोहरा एक मात्रिका लघुकहे

१६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

6

गुरुहि मात्रिका दोइ हुतके मात्रा तीनहैं कहै गुनी जन लोइ टीका याही एक
मात्रा सो लघु जानीये अरु ऐसी दोई मात्रानसों गुरु जानीये ऐसे तीन मात्रा
सों प्लुत जानीये मूल दोहरा अर्ध मात्रिका द्रुत कहै ता अर्धहि अनुएक
ताल शास्त्र विधि जो कहै करिकै बहुत विवेक टीका आधी मात्राको द्रुत
जानीये अरु पाउ मात्राको एक अणु जानीये पूर्ण मात्राको दविराम जानीये
अरु डेढ मात्राको लविराम जानीये जब दविरामको चिंह करनो होइ तब
द्रुतके ऊपर एक रेखा दीजीये अरु जब लविरामको चिंह करनो होइ तब
लघुके ऊपर एक मात्रा दीजीये ये दविराम लविरामके चिंह लिखिहैं ऐसे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता सातो अंगनको काल प्रमाण विचारीये अरु लविराम दविरामहूंको विचार कीजीये
ध्या अब सातो अंगनके चिंन्ह लिख्यते अनुद्रुतको चिंन्ह ँ अर्ध चंद्राकार द्रुतको चिंन्ह गो
१० लविंद ० दविरामको चिंन्ह ॖ लघुको चिंन्ह लविरामको चिंन्ह ᐡ गुरुको चिंन्ह
17 ऽ प्लुतको चिंन्ह ३ अब सातो अंगनके शब्द लिख्यते ति यदि अणु को शब्द ता
लके बरतिवेकी चचिकारमें अथवा आछिरोटीमें कहीयतिहै अणुकोति यदि नाम
है ते यदि शब्द द्रुतको तालके बरतिवेकी चचिकारमे अथवा आछिरोटीमे कहीये
तेपदि द्रुतको नामहै तिते यदि शब्द विरामद्रुतको तालके बरतिवेकी चचिका
रमे अथवा आछिरोटीमें कहीये तिते यदि द्रुत विरामको नामहै याको जाति पा २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

व ञाति श्रणिहै याते डेढ स्वरहै येई यहि शब्द लघुको तालके वरतिवेमे
अथवा अछिरोटीमे कहीये येई यहि लघुको नामहै याकी शर्ण मात्राहै तिं
येई यहि शब्द लघु विरामको तालके बरवेकी चविकारमैं अथवा अछिरोटी
मैं कहीयतिहै तिं येई यहि लघु विरामको नामहै याकी सवा मात्राहै कोई
याकी डेढ मात्रा कहतिहै येईतिननति यहि शब्द गुरुको तालके वरतिवे
की चविकारमैं अथवा अछिरोटीमैं कहीयतिहै येईतितिनति यहि गुरुको
नामहै याको चयति शर्ण करि दाहिनी तरफि हाथ चलावनो येईतितित
तियेईयेई यहि शब्द प्लुतको तालके वरतिवेकी चविकारमैं अथवा अछि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता रोटीमें कही यतिहै थेईततितततथेईथेई यहिस्तनको नामहै याको शर्ण जाति क
ध्या रिके गोल हाथ फेरि करिके दाहनी तरफि आडो हाथ चलावनो अथ तालके
१८ सात अंग देवता उत्पति जनावरनकी बोली मात्रा जाति अंतिर सहिनानी
माह इनको जंत्र लिख्यते ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सातिअंग केनाम	देवता	उत्पति	जनावरकी बोली	मात्रा	ज्याति	अंतर	सहिनानी	शब्द
अनुद्रुत १	चंद्रमा	पवनते	तितरकी	चोथाई	अति सूक्ष्म	डेढ अंगुलको	८	ति
द्रुत २	शिव	जलते	चटिककी	अर्ध	सूक्ष्म	तीन अंगुलको	θ	ते
द्रविराम ३	सब्अकार तक	पवन अरु जलते	बगुलाकी	पोणी	डेढ सूक्ष्म	साडे चार अंगुलको	ტ	तिंते
लघु ४	भवानी	अग्निते	नीलकंठकी	एक १	पूर्ण	छह अंगुलको	।	थेई
लघुविराम ५	बृहस्पति	जल अरु अग्निते	कोईलकी	डेढ ।।	डेढ पूर्ण	नव अंगुलको ९	ʋ	तिंथेई
गुरु ६	गौरीशंकर	आकाशते	कागकी	दोई २	पूर्णज्यातिकरके डेढहाथकोटेढा चलावेदाहनीओर	बारहि अंगुलको १२	ऽ	थेई तित तत
प्लुत ७	ब्रह्मा विष्णु महेश	पृथिवी	मुरगेकी	तीन ३	पूर्णज्यातकरबाहकोगोलफेरदाहनीतरफटेढा चलावे	अठारह अंगुलको १८	ड	थेईतितितत थेईथेई

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता इति तालको चोथा प्राण संपूर्णम् अथ तालको ग्रह पांचमा प्राण ताको लक्षण
ध्या लिख्यते मूल दोहरा कहै चारि ग्रह तालमैं तिनको देउ गनाइ सम अतीतरु अना
१९ गतो चौथे विखम जनाइ टीका तालको जो प्रारंभ ताको ग्रह कहतहै सो ग्रह
चारि प्रकारकोहै प्रथम शम १ दूसरा अतीत २ तीसरा अनागत ३ चोथा विष
म ४ अथ चार ग्रहको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा गीत तालदोउ जबै एक
कालमैं होहि ताको शम शम पान सब पंडित कहैस योहि दोहरा प्रथमहि
वचना गीतको पाछै तालहि आन ग्रह अतीत तासो कहै अरु अब पान बखा
न दोहरा पहिलै ताल प्रवृत्ति पुनि होई गीत विस्तार आनागत कहीये वंहे उ १९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परि पान निरधार दोहरा आदि अंतको नेम नहि होई विषम ग्रह होई ईनके ल
छन यो कहै सबै गुनी जनलोइ टीका जहां ताल अर गीतको एक कालमें प्रारंभ
होई सो सम ग्रह जानीये याको नाम सम पाणिक कहतहे अरु जहां गीतको प्रा
रंभ पहले होई अरु तालको प्रारंभ पीछे होई सो अतीत ग्रह जानीये याको अव
पाणि कहतहै जहां पहले तो तालको प्रारंभ होई अरु गीतको पीछे प्रारं भ
होई सो अनागत ग्रह जानीये याको उपरि प्राणि कहतहे अरु जहां गीत अरु
तालके आदि अंतको नेम नही होई उच्चटिवेमे पहले ताल देलवो पीछे गीत
गावो अथवा तालके साथ पहलेही गीत गावो कछु यामें अटकाव नही यह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२०

विषम ग्रहमेंहै कछु यामे दोइ तरहको अटकाव नही सो विषम ग्रह जानीये अैसे चा
रि ग्रहनके लक्षण कहेहै इति तालको पांचवो प्राण ग्रह संपूर्णम् ॥ अब तालको
छैमा जाति प्राण ताको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा पांच जाति तल प्रिथम हीहै
चतुरंस्र सनाम त्रि अंस्र खंड अरु अंस्र पुनि संकीर्ण अभिराम दोहरा चार बरन को
तालजो सो चतुरंस्र बषान तीन बरनको त्रिअंस्र कहि खंड पांचको नाम दोहरा
मिश्र कहै गुन वर्णको संकीरण नव होइ जात पांचए तालकी कहै गुनी जन लोइ
टीका तहां तालको स्वरूप सो जाति कहीये सो पांच प्रकारकीहै प्रिथम चतुरंस्र
१ दूसरी त्रिअंस्र २ तीसरी खंड ३ चौथी मिश्र ४ पांचवी संकीर्ण ५ अैसे पांच प्र

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कारकी कहीहै तहां चतुरंस्र जो तालहै सो चारि वर्णकोहै अरु त्रिअंस्रजो ता
लहै सो तीन वर्णकोहै खंड जातिको तालहै सो पांच वर्णकोहै अरु मिश्र जातिको
तालहै सो सात वर्णकोहै अरु संकीर्ण जातिको तालहै सो नौ वर्णकोहै इन
जातिनके वर्ण कहे तैसेही मात्रा जानीये क्रमसों द्रुती जानीये प्रयोगके अनुसा
र मूल दोहरा चतुरंस्रहि द्विज कहतहै त्रि अंस्रहि छत्रीय मान वैशहि खंड कहै
बहुरि शूद्र मिश्र तूं जान चौपई शंकर संकीर्ण भनि होई योंही कहै ताल विद
लोई टीका तहां चतुरंस्रतो ब्राह्मणहै अरु त्रि अंस्र छत्रीहै अरु खंड वैश्यहै अ
रु मिश्र शूद्र जातिहै संकीर्ण तालजेहैं ते संकीर्ण जाति जानीये इति छठवो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
ध्या
२१

जाति भाग मेरराग ॥ अथ कला तालको सातवो अग ताको लक्षण मूल दोहरा
आठ कला सबहीं कहौं ध्रुवको प्रथम विचार सर्पिनि क्रिष्या पद्मिनी विसराजिता
निर्धार दोहरा छठए विक्षिपता कही बहुरि पताका मानि पतिताऊहै आठवी अब
लक्षिन यो जानि टीका सोवैकला मात्राहै ते आठ प्रकार कीहै प्रथम ध्रुविका १ दूस
री सर्पिणी २ तीसरी क्रिष्या ३ चोथी पद्मिनी ४ पांचवी विशराजिता ५ छठवी वि
क्षिपता ६ सातवी पताका ७ आठवी पतिता ८ अब इनके लक्षण कहतहै
मूल दोहरा शब्द सहित ध्रुवका कही शरप नवांई जाई क्रिष्या दक्षिन अरेहै
पद्मिन अधकै भाई दोहरा विश राजिता बाहरि चलै विक्षिपता फिरि आई ऊर्ध ग

२१

2

नज्ञ पताककी पतिता करहि गिराई टीका तहां शङ्क करिके सहित जो मा
त्रा सो ध्रुविका जानीये अर जामें बांई अर हाथको चलावनो होइ सो सर्पिणी
कहीये जाको दाहिनी अर पात होई सो कृष्णा जानीये अर जाको नीचे करतो सं
चार होई सो पद्मिनी जानिये और जाको बाहरि दाहनी अरको संचार होई सो
विशरजिता जानीये जामें हाथ पसारि अंगुरीनको संकोचीये सो विक्षिपता
मात्रा जानीये अर जामें ऊपरकों हाथकों चलावनो होई सो पताका जानीये
जामे हाथको नीचेको चलाईये सो पतिता जानीये चौपई लघु प्रयोगमे ध्रु
वका होत ध्रुवका पतिता गुरु अंत होत ध्रुवका सर्पिन कृष्णा मानि स्ततमे पई

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२२

तीनो ठानि टीका नहीं लघु मात्रामें तो ध्रुविका जानीये अर गुरमै ध्रुविका अरु पति
ता जानीये अर लुतमें ध्रुविका सर्पिणी कृष्णा पजानीये तीन पनको शद्ब ज्ञत क्रिया
मै प्रयोगहै जिसबदि क्रियामै प्रयोग नहीं इति कला तालको सातवों प्राण संपू
र्णम् ॥ अथ तालको नाम आठवो प्राण ताको लक्षण लिख्यते चोपई क्रिया भई
विश्राम जु होई ताको लयहि कहै सभकोई लयहै तीन भांतिके कहे द्रुत अरु मध्य
विलंबित लहे इन तीनहुको कहों प्रमान बेर आंबरो बिल समान टीका क्रिया
कहीये तालको शद्ब अथवा निह शद्ब क्रिया तालके ऊपरांत जो विश्रामहै सो ल
य जानीये सो लय तीन प्रकारकोहै प्रथम द्रुत १ दूसरो मध्य २ तीसरो विलंबित

२२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

२ जहां बहुत सिताबी सो लयको विश्राम होई सो द्रुत जानीये तातें दूनो विश्रा
म होय सो मध्य लय जानीये अर मध्यसो जाको दूनो विश्राम होई सो विलंबित
लय जानीये अथ द्रुत मध्य विलंबितको प्रमाण लिखते बेरके बरोबर तो द्रुत
लय जानीये अर आंवरेके बरोबर मध्य लय जानीये बिंलकी बरोबर विलंबित ल
य जानीये ए शीघ्र मंद मंद तब जानीये ऐसे इनको तालनमें विचार जानीये
इति तालको लय नामा आठवो प्राण संपूर्णम् ॥ अथ तालको जाति नामन
वो प्राण ताको लक्षण लिखते मूल दोहरा लय यथितिके नियमको कहै
सभे जाति नाम कहें समा स्रोतो गता और मृदंगा वाम दोहरा पिपीलका पंच

ता एक है गोपुच्छा या भाई इनके लक्षण जो कहै पंद्रह भेद बनाई टीका तालके ल
ध्या यके जो नियम ताको जति कहत हैं सो जति पांच प्रकारकी है तहां प्रथम तो
२३ समान १ दूसरी स्रोतागता २ तीसरी मृदंग ३ चौथी पिपीलका ४ पांचवी
23
गोपुच्छ ५ अथ प्रथम समाको लक्षण लिखिते चौपई तीनो द्रुत पहिलेही
होहि बहुर तीन मध्य मया गोहि बहुर विलंबित तीनो ठानि भेद समाके कहो
बखानि जा यतिमैं आदिमैं मध्यमैं अर अंतमै द्रुत लय हीहोई अथवा तीनो ठोर
मध्य लय होई अथवा विलंबितही तीनो ठोर लय होई ३ तीन प्रकार समाके क
हे याते तीन प्रकारकी समा है इति समा ।। अथ स्रोतागताको लक्षण लिखे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ते चौपई चिर मध्यम द्रुत पहले जानो द्रुति चिर मध्यम बद्दरो हानो मध्यम

द्रुति चिर बद्दरो आवे ये स्रोतो गति भेद कहावे टीका चिर नाम विलंबित

लयकोहै स्रोतोगता तीन प्रकारकीहै जहां आदि मध्य अंतमें विलंबित म

ध्य द्रुत पलयहोई सो प्रिथम स्रोतो गताको भेद जानीये जहां तीनो ठिका

ने द्रुत चिर मध्यम लय होई सो भेद स्रोतो गताको तीसरो जानीये इति स्रो

तो गता ॥ अथ म्रदंगको तीन भेद लिख्यते चौपई द्रुति चिर द्रुति याविध

छनसाज द्रुति मध्यम द्रुति रहे विराज मध्यम चिर मध्यम द्रुत कहीये भे

द म्रदंगहि केई मलहीये टीका जहां आदि मध्य अंतमें द्रुत चिर द्रुत यल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

य होई सो म्रिदंगको प्रथम भेद जानीये अरु जहां आदि मध्य अंतमैं द्रुत मध्य द्रुत ल
य होई सो म्रदंगको दूसरो भेद जानीये जहां आदि मध्य अंतमैं मध्यम विर मध्यम
होई सो म्रदंगको तीसरो भेद जानीये अब पिपीलिका नाम चोथी पतिताको भेद
तीन लिखते चोपई विर द्रुत विर वद्दरो अवरेषि द्रुत अरु मध्यम द्रुति पुनि लेषि
विर मध्यम विर पाति विशेषि जो पिपीलिका भेदन लेषि टीका जहां आदि म
ध्य अंतमैं विर द्रुत विर प्लय होई सो पिपीलिकाको प्रथम भेद जानीये अरु
जहां आदि मध्य अंतमैं मध्यम द्रुत मध्यम प्होय सो पिपीलिकाको दूसरो
भेद जानीये जहां आदि मध्य अंतमैं विर मध्यम विर योहोया सो पिपीलि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

काको तीसरो भेद जानीये अथ गोपिंछा नाम पांचईजति ताके भेद लिखते
चौपई द्रुत मध्यम चिरकी करिपांति बद्दरो मध्यम चिर द्रुति भांति द्रुत चिरम
ध्यम प्रुनि निरधारि गो पुंछाके भेद विचारि टीका जहां आदि मध्य अंतमें द्रु
त मध्यम चिर प्लय होई सो गो पुछाको प्रथम भेद जानीये १ जहां आदि
मध्य अंतमै द्रुत मध्यम चिर प्लय होई सो गोपिछाको दूसरो भेद जानीये
२ इति जति नामनवो प्राण संपूर्णम् ॥ अथ तालको दसवो प्राण प्र
स्तार ताको लछरा लिखते चौपई अंगनकों क्रमतें लिख मीत यर प्र
स्तार जानि निहचीत टीका अनुद्रुता दिकनको पंकितरीति सो लिखिये

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
२५
25

सो प्रस्तार जानीये सो प्रस्तार जानीये सो प्रस्तार संख्या नसटउं द्रिसट ग्रए आदि
सातो अंगनके षंड प्रस्तार राखिवेको सातो मेरुनकी रचना उनमे अेक भरिवे
को प्रकार देसी तालनके आगे निरूपन करेगे अथ प्रिथम मारगी तालनको
लक्षण कहीयतहै तहां प्रथम ताल भेद कथनं मूल दोहरा एक जो मारगि
तालहै दूजो देसी होइ संधरु सालग पुन कहे संकीर्ण कविलोई टीका एता
लनके नामहे सो आगे सरब कहेगे अथ मारग तालकी उतपति लिखते
मूल दोहरा पंच ताल मारग कहे तिनको कहे वनाई प्रथम चचत पुट क
हो चाच पुटोया भाई दोहरा बहुर षट पिता पुत्रहै उद घटो पुन होई संपके

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सदा पुनि कहै प्रवर्त्त लछन जोइ टीका तिनमैं मुख्य पांच तालहै प्रथम चं
चत पुट १ दूसरो चाच पुट २ तीसरो षट पिता पुत्र ३ चोथो संपके सदाक ४
पांचवो उदघट ५ तहां प्रथम चिचत पुट तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने
भरत मुनिके आगे तांडव नृत्यमे मारग तालमैं मुख्य चिचत पुट नाम ताल
बरन्यो सो याको स्वरूप चौं क्रटौहै याकी जाति ब्राह्मणहै तीन याके भेद
है तहां प्रथम यथाक्षर सो तो एक कला जानीये १ दूसरो द्विकल जानीये
२ तीसरो चतुर कल जानीये अथ चंचत पुटको स्वरूप लिख्यते मूल दोहरा
चंचति पुटमैं गुरु जुगल अरु लघु लुत विस्तार शिव मुख भयो जानते उप

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२९

जो यह निर्धार दोहरा स्वेत वर्ण याको कहै आठ कलाके भाई यही भांत मन मैं समझ गुनी करत चित चाई टीका जाके बरतिवेमैं आदितो गुरु दोई होई अर लत एक दोई होई सो यह ताल शिवजीके सद्योजात नाम मुख मै सुरवैते उत्पति भयो स्वेत जाको वर्णहै आठ जाकी मात्राहै ऐसो जो ताल ताहि चंचत पुट जानीये चंचत पुट ताल चौतालो ४ जंत्र ।

ईनमेंप्रमल	ईनमेंप्रस्तारताल मात्रा	ईनमेसमस्या	ईनमेंचचकार
प्रथम तालकी परमल जहि क ऽ	सहनाली गुरु ताल मात्रा ऽ १ । ८	प्रथम गुरु अक्षरकी सहनाली तापीछे जो अंकहै सो ताल जानीये ताल पीछे दोई से कहै सो मात्रा दोईहै मात्रा दूसरेकी नीचे बिंदीहै सो ताल देके हाथके नीचे करिवेको फालोहै ॥	चचकार थेई तित तत ।

26

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दूसरी ताल के परमल तक थरिक	सहनाली शुरु ताल मात्रा ऽ२।ऽ	प्रथम शुरु अक्षरकी सहनाली ता पीछे जो अंकहै सो ताल जानीये ता पीछे दोई लीकहै सो मात्रा दोईहै दूसरी मात्राके नीचे बिंदीहै सो ताल देके हाथको नीचेकरवेको फालाहै ।	चचकार थेईतित तत २
तीसरि ताल के परमल जक	सहनाली लघु ताल मात्रा ।१।	प्रथम लघु अक्षर सहनाली ता पीछे अंकहै सोतो ताल जानीये ताल पीछे एक लीकहै सो एक मात्रा जानीये	चचकार थेई ३
चोथी ताल के परमल तक्कथारि कतद केके	सहनाली प्लुत ताल मात्रा ③४।।ऽ	प्रथम प्लुत अक्षरकी सहनाली ता पीछे अंकहै सो ताल जानीये ताल पीछे तीन लीकहै सो मात्रा तीन जानीये तीसरी मात्राके नीचे बिंदीहै सोकालहै अरकुंडालो गोलहै सो दाहिणे हाथको बाये हाथकी परिक्रमा एक कीजे पीछे फालो हाथको फाला ऊपरही मानहै	चचकार थेईतित ततत थेईथेई ४

अर परमल इनहीके अक्षर मिलायके जाति परन बढाय लेतहै या समफने

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२२

के लीये यहि अन्तर लीयेहै परमल वा चचकार ताल देतीबार वा नृत्य करती बा
र पगनमै वा मुषतेभी वा पखावजमै यह अन्तर कुचटीये इति यथा लर चंचत
पुट ताल उत्पति लक्षण संपूर्णम् अथ चाच पुट तालकी उत्पाति लिखते मूल
दोहरा पहलै गुरु लघु जुगल पुनि बहुरो गुरहै होत वामदेव मुषते भयो चाच
पुटहिंकुं दोत टीका चौपई पीत वर्ण जानो यह ताल षट मात्रासों लगै रसाल
टीका शिवजीने अपनें वामदेव नाम मुखसों बरतिके चाच पुट नाम ताल उ
त्पन्न कीयो अथ चाच पुटको स्वरूप लिखते या चाच पुट तालमें प्रथम गुर
होय अर दोई लघु होय चोथो गुर होय यह याको प्रमाणहै अर वामदेव ना

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

म मुखते जाकी उत्पत्तिहै पीरो जाको रंगहै छह जाकी मात्राहै अर याताल को स्वरूपति छूटोहै याकी जाति छत्री तीन याके भेदहै तहां प्रथम यथाक्षर सो तो एक कला जानीये १ दूसरो द्विकल जानीये २ तीसरो चतुष्कल जानीये ४ ऐसो जो ताल ताहि चाचट पुट जानीये ।

अथ चतपुताल चोतालेके ४ जंत्र			
ईनमे परमल	ईनमे अक्षर ताल मात्रा	ईनमे समस्या	ईनमें चचकार
प्रथम ताल के परमल ततथा तत ततथा	सहनाली गुरु ताल मात्रा	प्रथम दीर्घकी सहनाली ताके आग अंकहै सो तालहै तापीछे दोय लीकहै सो मात्राहै दोय अर दूसरी मात्रा के नीचे बिंदीहै सो ताल देकै दाहिणा हाथको चोकरि फालो देणो	चचकार थेई तित तत १

28

दूसरी ताल के परमल ऊकर	सहनाली लघु ताल मात्रा ।२।	प्रथम लघुकी सहनाएगी ता पीछे दूसरे अंकहै सो तालहै ता पीछे लीक है सो एक मात्राहै ।	चचकार थेई २
तीसरी ताल के परमल तकत कथो	सहनाली लघु ताल मात्रा ।३।	प्रथम लघुकी सहनाएगी ता पीछे अंकहै सो तालहै पीछे लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३
चोथे ताल की परमल धिताको किलजग नके किधण	सहनाली गुरु ताल मात्रा ऽ४।ऽ	प्रथम गुरुकी सहनाएगी पीछे अंकहै सो ताल पीछे दोई लीकहै सो दोय मात्राहै दूसरी मात्राके नीचे विंदीहै सो दाहिणा हाथसों ताल देके हाथको नीचोकरै तो फालोहै फाला ऊपरही मानहै	चचकार थेई तित तत ४

ग्रर परमल इनहींके ग्रदर मिलायके जति परन बढाय लेतहै या शम फनेके लीये यह ग्रदर लीयेहै परमल वा चचकार तालदेती बार वा । नृत्य करती बार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पगनमें वा मुखतेभी वा पखावजमें यह प्रकार उचरीये इति यथा स्वर वाच
षट तालकी उत्पति लक्षण संपूर्णम् ॥ अथ षट पिता पुत्रकी उत्पति लि
खते मूल दोहरा बड्र खट पिता पुत्रमें प्लुत लघु गुरु जग जानि लघु प्लुत
बड्रो होतहै एक वर्ण यह मान चौपई मुख ईशान हिते यह भयो द्वादश
कला ठाढुहै भयो टीका शिवजीनै अपने ईशान नाम मुखसें वरतिके षट
पिता पुत्र नाम ताल उत्पंन कीयो कोई अघोर सो कहतहै अथ षट पिता पु
त्रको स्वरूप लिखते जामें एक प्लुत होई अरु ईक लघु होई दोई गुरु होई
एक लघु होई अरु एक प्लुत होई यहि जाको प्रमाणहै ओर ईशान अथवा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता ध्या २९

अघोर नाम शिवसों जाकी उत्पतिहै ताल जाको अंगहै अर चारहि जाकी मात्राहै
या तालको स्वरूपति कूटोहै याकी जाति छत्रीहै तीन याके भेदहै तहां प्रथ
म यथाक्षर सोतो एक कला जानीये १ दूसरो द्विकल जानीये २ तीसरो च
तुष्कल जानीये ४ ऐसो जो ताल ताहि खट पिता पुत्र जानीये इति खट पि
ता पुत्र ० खट पिता पुत्रको जंत्रः ताल खट तालो ६

ईनमे परमल	ईनमे अक्षर ताल मात्रा	ईनमे समस्या	ईनमे चचकार
प्रथमताल के परमल कुकुतक कुकतकक	सहनाली लुततताल मात्रा	प्रथम की सहनाणी ताके आगे अंगहै सो तालहै ता पीछे लीकहै सो मात्रा तीनहै तीसरी विंदी मात्राके हाथको फालो गमेल कुंडालो है सो परिकर मात्राहै वांये हाथकी दाहिणी सों कर फालोहै फाला ऊपर मान	चचकार थेईतिन ततथेई थेई १

29

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दूसरी तालके परमलधुंध डिक	सहनाणी लघु ताल मात्रा । २ ।	प्रथम लघुकी सहनाणी ता पीछे अंकहै सो ताल ताल पीछे लीकहै सो मात्राहै	चचकार थेई २
तीसरी ताल की परमल कुमधडिकं	सहनाणी गुरु ताल मात्रा	प्रथम दीर्घकी सहनाणी ता पीछे अंकहै सो ताल ता पीछे लीकहै सो मात्रा दूसरी लीकहै बिंदीहै सो दाहिणी हाथसो वाये पर फालो देणो नीचेको	चचकार थेईतित तत ३
चोथीताल के परमल ततंतधुं	सहनाणी गुरु तालमात्रा	प्रथम गुरुकी सहनाणी ता पीछे अंकहै सो ताल ता पीछे लीकहै सो मात्रा दूसरी लेकके बिंदीहै सो तालदेके हाथको नीचेकर फालो देनो	चचकार थेईतित तत ४
पांचमी ताल के परमल ताधुं	सहनाणी लघु ताल मात्रा । ५ ।	प्रथम लघुकी सहनाणी ता पीछे अंकहै सो ताल ताल पीछे अंकहै सो मात्राहै	चचकार थेई ५
छेमी तालके परमल कुंगि टकिजकिटि किटिकहै	सहनाणी लुत ताल मात्रा	प्रथम लुतकी सहनाणी ता पीछे अंकहै सो ताल ताल पीछे लीकहै सो मात्राहै गोल कंडालोहै सो दाहिणे हाथसें वांयेंकी परिक्रमा करनी बिंदीहै सो हाथको नीचेको फालोहै फाला ऊपरही मान	चचकार थेईतितत तथेईथेई ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
३

30

अर पर मल इन ही के अक्षर मिलायके जाति परन बढाय लेतहै या सम
झनेके लीये यह अक्षर लीयेहै पर मल वा चचकार ताल देती बार वा
नृत्य करती बार पगनमैं वा मुखतेभी वा पखा वजमै ये अक्षर उचरटी
ये इति श्रीयथाक्षर खट पिता पुत्र तालकी उत्पत्ति लक्षण संपूर्णम् ॥

अथ संपके सटीक तालकी उत्पत्ति लिख्यते चौपई संपक्के [illegible] को
रूप करत जहों अब अतहि अनूप पहले लगत बड्डों गुरु राम बड्डरि लगत
करीये अभिराम मुख अघोरते जानङ याको द्वादश कला लगतिहै ताको

३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

टीका शिवजीने तांडव नृत्यमें अपने अघोर नाम मुखसों मारग ताल वरनिके वा को संपके सटाक नाम कीनो कोई ईशान सोंभी कहतहैं अथ संपके स टाकको स्वरूप लिख्यते या संपके सटाक तालमें प्रथम लुतहै फेर नाम क हीये तीन गुरहै एक लुतहै औ अघोर नाम मुखसों अथवा ईशान मुखसों उ त्पन्न भयोहै लाल जाको रंगहै अर बारह जाकी मात्रहै अरु या तालको स्वरू पति कूदोहै याकी जाति दात्रीहै तीन याके भेदहै तहां प्रथम यथाक्षर सो तो एक कल जानीये १ दूसरो द्विकल जानीये २ तीसरो चतुरश कल जानी ये ४ ऐसो जो ताल ताहि संपके सटाक जानीये इति संपके सटाक संपूर्णम्

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
३१
31

संपके सटाकको जंत्रः पंचतालो ताल ५

ईनमे परमल	ईनमे अक्षर ताल मात्रा	ईनमे समस्या	ईनमे चचकार
प्रथमताल केपरम ना नाथाकिरा किनामजग जगदगड्कन कथिरिटके	निशानी प्लुत ताल मात्रा	प्रथम प्लुतकी निशानी ता पीछे अंकहै सो तालहै ता पीछे लीकहै सोही मात्राहै गोल कुंडलो हाथकी परिक्रम बिंदीहै सो हाथको नीचैको फालोहै फाल पैही मानहै	चचकार थेई तित तत थेई थेई १
दूसरी ताल के परम ल ततथरि तथो ड्डक्क रिंटिटि	निशानी गुर ताल मात्रा	प्रथम दीर्घकी निशानी पीछे दूसरो अंकहै सो तालहै ताल पीछे लीकहै सो मात्रा दूसरी मात्राके नीचे बिंदीहै सो हाथको नीचेको फालोहै	चचकार थेई तित तत २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी ताल के परमल किटिधुम धुफ़नकन मङ्क	निशानी गुरताल मात्रा	प्रथम दीर्घकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै ता ल पीछे लीकहै सो मात्रा दूसरी लीक नीचे बिंदीहै सो हाथको नीचेको फालोहै	चचकार थेई तित तत ३
चौथी ताल के परमल तधुफेफन फन फन थररी	निशानी गुर ताल मात्रा	प्रथम दीर्घकी निशानी ता आगे अंकहै सो तालहै ताल पीछै लीकहै सो मात्राहै दूसरी लीक नीचे बिंदीहै सो हाथको नीचेको फालोहै	चचकार थेई तित तत ४
पांचमीताल केपरमल सि पिलंगङ्कगिडि गिडिफेफंफ जहिहिकिटिन ककिथ	निशानी लुत ताल मात्रा	प्रथम लुतकी निशानी ता आगे अंकहै सो तालहै तालपी छे लीकहै सो मात्रा मात्रा नीचे बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कंडालोहै सो परक्रमाहै नीचेको हाथको फालोहै फाला ऊपरही मान	चचकार थेई तित तत थेई थेई ५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
३२

अर परमल इनहीकों अक्षर मिलायके जति परन बढाय लेतहैं या समझनेके ली
ये यह अक्षर लिषेहैं परमल वा चचकार ताल देती वार वा नृत्य करती वार पग
नमें वा मुषतेभी वा पषावजमें यह अक्षर उचरीये इति यथाक्षर संपके सही
क तालकी उत्पति लक्षण संपूर्णम् ॥ अथ उदघट तालकी उत्पति लिष्य
ते चौपई तीन गुरनि उदघट बनाई तत्त पुरषहिते भयो जनाई षट् मात्रासों अ
तिही राजे याको सुन जन जिय सुष साजे टीका शिवजीनें तांडव नृत्यमें अ
पने तत्त पुरष नाम मुषसें मारग ताल वरतिके वाको उदघट नाम कीनो अ
थ उदघट तालको सरूप लिष्यते या उदघट तालमें तीन गुरु अक्षर होय

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ ततउरघ नाम शुद्धसो जाकी उत्पति होई अरु बहुत जाके वर्ण हैं छे जाकी मात्रा हैं अरु या तालको स्वरूप लिख्यो है याकी जाति छत्री है तीन याके भेद हैं तहां प्रथम यथाक्षर सो तो एक कला जानीये १ दूसरो द्विकल जानीये २ तीसरो चतुष्कल जानीये ऐसो जो ताल ताहि उदघट जानीये इति उदघट ताल संपूर्णम ॥

उदघट तालको यंत्र ताल तितालो ३			
इनमें पर मल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	इनमें समस्या	इनमें चचकार

ता
ध्या
३३

33

प्रथम तालके परमल थोंकि टकितक्कन गनगनक्कक	निशानी गुरु ताल मात्रा	प्रथम तो गुरुकी निशानी ता पीछे अंकहै सो तालहै ता पीछे दोइ लीकहै सो मात्रा दूसरी मात्राके नीचे विंदी है सो हाथको नीचो फालोहै	चचकार थेइतित तत १
दूसरी तालके परमल जकन ककक्कज गक्क	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥	प्रथम तो गुरुकी निशानी ता पीछे अंकहै सो तालहै ता पीछे दोइ लीकहै सो मात्रा दूसरी मात्राके नीचे बिंदीहै सो हाथको नीचो फालोहै	चचकार थेइतितत त २
तीसरी तालके परमल जक कनथरिक फनकेफे	निशानी गुरु ताल मात्रा	प्रथम तो गुरुकी निशानी ता पीछे अंकहै सो तालहै ता पीछे दोइ लीकहै सो मात्रा दूसरी मात्राके नीचे बिंदीहै सो हाथको नीचे फालोहै गोलकंडलोहै सोहा थपै दाहिणे हाथकी वांई पै परिक्रमा करि हाथको नीचे फालो कीजीये फाला उपरही मान	चचकार थेइ तित तत ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अरपमल इन हीके अक्षर मिलायकै जति परन बढाय लेतहै या समझनेके लीये यह अक्षर लिखेहैं परमल वा चचकार ताल देती बार वा नृत्य करती वार पगनमैं वा सुखतेभी वा पखवजमैं यह अक्षर उघटीये इति यथाक्षर उदहांट तालकी उपति लक्षण संपूर्णम ॥ अथ मारगी तालनके चारो मारगमे बरताव लक्षण लिख्यते ध्रुव १ चित्र २ वारतिक ३ दक्षिण ४ इन चारो मारगमे जा तालकी जितनी मात्रा होइ सो मात्रा क्रमसो प्रथम ध्रुव मारगमै एक बेर १ दूसरे चित्र मारगमैं दोइ वेर २ तीसरी वारतिक मारगमैं चार वेर ३ चोथे दक्षण मारगमैं अठ बेर ४ बरतीये तैसे चंचत पुटकी आद कलाहै दोय गुरु अक्षरकी चार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना कला एक लघु अक्षरकी एक कला एक लुत अक्षरकी तीन कला ऐसे इन आठ

ध्या कलानके आठ पाटाक्षर रचि एक वेर उचार करे सो ध्रुव मारग जानीये अथ उदा

३४ हरण लिख्यते नकि किण कुकु जग जग टउणडफे फेंतरिकु टकु किडि कि

डि ढिंढिं नथदिधि ननथों इति ध्रुव मारग चंचत पुटको लक्षण संपूर्णम् ॥

जहां ईन आठो कलानको पाटाक्षर हूनो करिके बरतीये सो चित्र मारग जानी

ये अथ उदाहरण लिख्यते नग रुगनकु कंटरिकु नकथरि थरि कुकु नकथ

रि थोंगिणि फेजग जग धिमि थरि नन थरि नन थरि थरि थरि धिमि थरि नक

धिम धिमि धिमि थरि धिमि धिमि थधि गणथों इति चित्र मारग चंचत पुट

३५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

संपूर्णम् जहां तालकी कलाके पादान्तर चोगुणे करिके बरतीये सो वार्ति
क मारग जानीये अथ उदाहरण लिख्यते था धिमि धिमिथा धिमिथा थलां
ग तग तग थलांग किकि टिकि क्रुट टिक तत थल तहं ताहं धिमिता किट
धधि किनथों फग नग तगथों तगथों तगथों किट धिमि किरट तग धिमि
तथ धिमि धिमि तथं तंथ थोगण थों थों नक धधि गणथों इति वार्तिक
ह मारग चंचत्पुट संपूर्णम् ॥ अथ दक्षिण मार्ग चंचत्पुट लिख्यते
जहां तालकी कलाके पादान्तर आठ गुणे करि बरतीये सो दक्षिण मारग
जानीये अथ उदाहरण लिख्यते किट किण किड दग थों किड दग किड द

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
३५
35

ग किड दगथों तग नग जग नग जग जग तगथों कुकुघरि घरि किट दोंधिमि
धिमि धिम नन धिमि नन घरि घरि घरि घरिथों नाधिमि धिकतां ननकि धिकि
धिधिना धिनांधि धिना धिधि नधिथों थथे नथथें नन धिमि नदिदां दांनदि दि
नदां दाधधि गणथों किट किण किड दगथों किड्र दग किडदग किड दगथों
तग नग जग नग जग नगथों कुकु घरि घरि किट दांधिमि धिमि धिमि नन
धिमि नन घरि घरि घरि घरिथों नांधिमि धिकितां नन धिकि धिधिना धिनाधि
धिना धिधि नधिथों नाथें नथथें नथधिमि नदिदां दांनादि नदिदां दांधधि ग
लथों इति दाक्षिण मारग चंचत पुट संपूर्णम् ॥ इति चतुर विधि मारग चंच

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

त गुरु संशर्णम् ॥ ऐसेहीं चाच पुट षट पिता पुत्र संपके सदाक उदघट

इन तालनमें गुरु लघु स्नुत अक्षरनकी जितनी कला होय तिन पादा क्षर

रचि अनुक्रमसों एक दोइ चार आठ बार बरतिके चारो मारग कीजीये ॥

इति मारगी तालनको ध्रुव १ चित्र २ वारतिक ३ दक्षिण ४ मारग लक्ष

ण संशर्णम् ॥ अथ संगीत पारिजातके मतिसों पांचो मारगी तालनके

द्विकल चतुशकल भेद लिख्यते जहां तालनकी कला हुणी बरति दोई

तालके प्रमाण एक ताल कीजीये सो द्विकल जानीये तहां प्रथम चंचत

पुटको उदाहरण लिख्यते द्विकल चंचत्पुटकी सोलह मात्राहे सो सोलह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
३८

पाटाक्षर रचि ईक दोई चारि आदि बार बरति चारो मारग साधीये अथ द्विकल चंचत
पुटके पाटाक्षर लिख्यते नग नग तक कुंदरिकु नकथरि थरिकुकु तकथरि थों
गिण फेंजगजग धिमिथरि ततथरि थरिथरि धिमि थरि नक धिमि थरि धिमि धिमि
थधि गणथों इति द्विकल चंचत पुट ताल संपूर्णम् ॥

द्विकल चंचत पुट ताल		
इनमें पाटाक्षर इनहीं को नाम परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	इनमें समस्या
नग नग तक कुंदरि कु नक थरि थरि कुकु	निशानी गुरु २	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल तकधरिथों गीणकैं जग जग धिमि धरि	निशानी गुरु	ऽऽ २	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल ततधरि धरि धरि धिमि धरि नम धिम	निशानी लघु	२ ३	लघुकी निशानी अंकहै सो मात्रा
धिमि धिमि धरि धिमि धिमि धधि गणथों	निशानी लुत	२ ४	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल

अथ चतुश कल चंचत पुटको लक्षण लिख्यते जहां पांचो मारग तालनकी कला चोगनी करि चारो तालनके प्रमाण एक ताल कीजीये सो चतुशकल जानीये तहां चतुश कल चंचत पुटके पाटाक्षर लिख्यते थाधिकि ततधिमि धिमिथां धलांग धलांग नग नग धलांग किटदिक झंटरीकि ततधल ताहता

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
३२

हं धिमिता किटधधि किणधों उगनग नगधों नगधों नगधों किट धिमि कि
रकिट नग धिमि नधों धिमि धिमि तंधा तंधा तंधा धोगिण धोंधों ननधधि
गणधों इति चतश्र कल चंचत पुट ताल संपूर्णम् ॥

अथ चतश्र कल चंचत पुट ताल यंत्र:		
इनमें पाटाक्षर इनको नाम परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	इनमें समस्या
परमल० धांधिमि ततधिमि धिमिथ धिमिथं यलांग यलांग तग तग यलांग	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ।	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

३२

परमल किटिटिकि कुंदरी कितनतधल ताहं ताहं धिमतां किट धधि किलथों नग नग	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल
परमल नगथों नगथों किट धिमि कि टिटि नग धिमि तंथा धिमि धिमि [illegible]	निशानी लघु ४ ।।।। ३	लघुकी निशानी अंक है सो ताल
परमल तंथा तंथा तंथा थोंगिता थोंथों नक धधि गणथों	निशानी स्रुत ४ ४	स्रुतकी निशानी अंक है सो ताल

या चतुरश कल चंचत पुटकी बत्तीस मात्रा है सो बत्तीस पाठाक्षर रचिके एक दोय चार आठ वेर बरतिं यारो मारग साधीये इति चतुरश कल चंचत पुट ता

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता लको भेद संपूर्णं ॥ ऐसेही चाचपुट आदि चारो तालके भेद जंत्रसों समझीये अथ
ध्या आठ कल चंचत पुटको लक्षण लिख्यते जहां तालकी कला आठ गुनी करि आठ
३८ तालके अनुमान एक ताल बरतीये सो अठ कल जानीये अथ अष्टाट कल चंचत
38
पुटके पाठाक्षर लिख्यते किटकिटा किड दगथों किड दग किडदग किड दग
थों नग नग जग नग नग जग नगथों ऊकु थरि थरिकिट दां धिमि
धिमि धिमि ततधिम तत थरि थरि थरि थरिथों तां धिमि धिकितां ततधि
कि धिधिता धिता धित धित तां धिमि तधिथों थाथे तथथे तथ धिमि तदिदां
दांतदि दितदां दांथधि गणथों किड किण किड दगथों किडदग किडदग

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

किड दगथों नग नग जग नग नग मग तगथों कुक्रुघरि घरि किट दाधि
मि धिमि धिमि नत धिमि नत घरि घरि घरि घरिथों तोधिमि धिकिता तत
धिकि धिधिता धिताधि तधिता ताधिधि तधिथों घाथें ननथें तत धिमि
नदिद दोंतदि दितदां दादधि गणथों ॥

अथ अशट कल तालको जंत्र		
इनमे पादाक्षर तिनको नाम परमल	इनमें अक्षरताल मात्रा	इनमे समस्या
परमल० किट किण किडदगथों किडदग किडदग कि डदगथों नग नग जग नग नग जग नगथों कुक्रुघरि घरि किट दाधिमि धिमि धिमि नत धिमि ननघरि घरि घरि घरियों	निशानी गुरु ८ SSSSSSSS १	गुरकी निशानी अंककरै सो ताल

ता
ध्या
३९

परमल घरिधों ताधिमि धिकिता ततधिकि धिधि ता धिताधि तधिता ताधिमि तधिधों धाथे तथथे तथधिम तदद दातद दितदा दाधधि गदधो	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ २	गुरुकी नि शानी अंक है सो ताल
किटकिट्ट किडगदधों किड्दग किड्दग किड्दगधों तग नग जग तग नग मग तगधों कुकुधरि धरिकि ट दाधिमि धिमि धिमि ततधिमि ततधरि धरि धरि धरि धों परमल तीजा	निशानी लघु ८ ३	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल ताधिमि धिकिता ततधिकि धिधिता धिताधि तधिता ताधिधि तधिधों धाथे ततथे ततधिमि तदिदा दातदि दितदां दा दधि गणधों	निशानी सुत ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ ४	सुतकी नि शानी अंकहै सो ताल

३९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ द्विकल चाच पुटको भेद लिख्यते या द्विकल चाच पुटकी बारह मात्राहै सो बारह मात्रा रचि एक दोई चार आठ वार क्रमसों वरतिय चारो मारग साधीये

अथ द्विकल चाच पुटको जंत्र लिख्यते		
इनमें पादाक्षर तिनको नाम परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	इनमें समस्या
परमल थेइ तित तत २ दोयवार कहीये	निशानी गुरु २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ २ दोइवार कहीये	निशानी लघु २	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ २ दोइवार कहीये	निशानी लघु २ ।।२	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ तिततत २ दोयवार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५०

इति द्विकल चाच पुट तालको भेद संपूर्णम् ॥ अथ चतुश कल चाच पुटको लक्षण लिख्यते या चतुश कल चाच पुटकी चौवीस मात्राहै चौवीस पादा त्र रचियक दोय चार आठ वेर वरति चारो मारग साधीये अथ चतुशक ल चाच पुटको जंत्र लिख्यते ॥

इनमै परमल थेइ तित्तत ४ चारवारकहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १	गुरकी निशानी अंकहै सोताल
परमल थेई ४ चारि वार कहीये	निशानी लघु ४ ।।।। २	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेइ ४ चारिवार कहीये	निशानी लघु ४ ।।।। ४	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ तिततत ४ चारिवार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

इति चतुश कल चाच पुटको लक्षन संपूर्णम् ॥ अथ अष्ट कल चाच पुटको लक्षण लिख्यते चाच पुटके अष्ट कला १ षोडश कल २ दु दोय भेदहोतहै या अष्ट कल चाच पुटकी अडतालीस कलाहै सो अडतालीस पाठान्तर रचि एक दोई चार आठ वेर वरति चारो मारग साधीये

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४१

अथ अष्ट कल्ल चाच पुट को जंत्र लिख्यते		
परमल घेर तिततत ८ आठ वार कहीये	निशानी गुरु ८ SSSSSSSS	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल घेर ८ आठ वार कहीये	निशानी लघु ८ IIIIIIII २	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल घेर आठ वार कहीये	निशानी लघु ८ IIIIIIII ३	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल घेर ततततत ८ आठ वार कहीये	निशानी गुरु ८ SSSSSSSS ४	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इति अष्टकल चाच पुट लक्षण संपूर्णम् ॥ अथ सोलह कल चाचपुटको लक्ष
ण लिख्यते या सोलह कल चाच पुटकी छयानबे कलाहै सो छियानबे पाद
तर रचि एक दोय चार आठ वार बरतिके चारो मारग साधीये इति षोडश
कला चाच पुट संपूर्णम् ॥ अथ षट पिता पुत्र आदि मारगि तालनके द्विक
ल चतुश कला अष्ट कल भेद जंत्र लिख्यते अथ द्विकल षट पिता पुत्रको
जंत्र लिख्यते ॥

परमल थेइतितत थेइथेइ २ दोय वार कहीये	निशानी लुत २ ऽऽ।	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४२

परमल थेइ २ दोय वार कहीये	निशानी लघु २	लघुकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेइ तिततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ तिततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ४	गुरकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेइ २ दोय वार कही ये	निशानी लघु २ ।। ५	लघुकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेइ तिततत थेइ थेइ २ दोय वार कहीये	निशानी लुत २ डेडे ६	लुतकी निशानी अंक है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इति द्विकल षट पिता पुत्रको लक्षण संपूर्णम्॥ अथ चतुष्कल षट पुत्र पिताको लक्ष
ण लिखते ॥

परमल थेइ तितततत थेइ थेइ ४ वारवार करीये	निशानी सुत ४	सुतकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ ४ वार वार करी ये	निशानी लघु ४ ।।।। २	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ तितततत ४ वार वार करीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ३	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ तितततत ४ वार वार करीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ४	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ ४ वार वार क हीये	निशानी लघु	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ तितततत ४ वारिवार करीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ६	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४३

इति चतुश्र कल घट पिता पुत्र लक्षण संपूर्णम् ॥ अथ अष्ट कल घट पिता पुत्रको लक्षण लिख्यते ॥

परमल थेई ततततत थेइ थेइ ८ आठ वार कहीये	निशानी स्रुत ८ ꣸꣸꣸꣸꣸꣸꣸꣸ १	स्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ ८ आठ वार कहीये	निशानी लघु ८ ।।।।।।।। २	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ ततततत ८ आठ वार कहीये	निशानी गुरु ८ SSSSSSSS ३	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेइ तिततत ८ आठवार कहीये	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ ४	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेइ ८ आठ वार कहीये	निशानी लघु ८	लघुकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेइ तिततत थेइ थेइ ८ आठ वार कहीये	निशानी द्रुत ८ ऺऺऺऺऺऺऺऺ ८	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल

द्विकल चतुश कल अष्टकल षट पिता पुत्र जितनी कला होय तितनो पाठा

दार रवि एक दोय चार वेर आठ वार बराति चारो मारग साधीये इति अष्टकल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
ध्या
४४

षट पिता पुत्रको लक्षण संपूर्णम् ॥ अथ हिकल संपके सटाकको जंत्र लिख्यते ।

परमल थेई तिततत थेई थेई २ दोय वार कहीये	निशानी लुत २ ऽऽ १	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत थेई थेई २ दोय वार कहीये	निशानी लुत २ ऽऽ ५	लुतकी निशानी अंक है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इति द्विकल संपके सटाकको जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ चतुष्कल संपके सटाकको जंत्र लिख्यते

परमलु थेई तिततत थेई थेई ४ चार वार कहीये	निशानी प्लुत ४ ऽ३ ऽ३ १	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल
परमलु थेई तिततत ४ चार वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमलु थेई तिततत ४ चार वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमलु थेई तिततत ४ चार वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमलु थेई तिततत थेई थेई ४ चार वार कहीये	निशानी प्लुत ४ ऽ३ ऽ३ ५	प्लुतकी निशानी अंक है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४५

इति चतुष्कल संपके सटाकको जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ अष्टकल संपके सटाकको जंत्र लिख्यते

परमल थेई तितनन थेई थेई ८ आठ वार कहीये	निशानी लुत ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ १	लुतकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तितनन ८ आठ वार कहीये	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ २	गुरकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तितनन ८ आठ वार कहीये	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ ३	गुरकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तितनन ८ आठ वार कहीये	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ ४	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तितनन थेई थेई ८ आठ वार कहीये	निशानी लुत ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ ५	लुतकी निशानी अंक है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जहां द्विकल चंचत पुट सकल ग्रुष्टक कल संपके सटाकके कला प्र

स्तार पाटा द्वार रचि एक दोय चार ग्राठ वार ब्रतिके चारो मारग साथी

ये इति ग्रसट कल संपके सटाकको जंत्र भेद संपूर्णम् ॥ ग्रथ द्विक

ल उद घटको लक्षण लिख्यते ॥

परमल थेई तितनत २ दोई वार कहीए	निशानी गुरु २ ऽऽ २	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत २ दोई वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ २	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत २ दोई वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ २	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता॰
ध्या
४८

अथ चतुश कल उद घटिको जंत्र लिख्यते ।

परमल घेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १	गुरकी निशानी अंककै है सो ताल
परमल घेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २	गुरकी निशानी अंककै है सो ताल
परमल घेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ३	गुरकी निशानी अंककै है सो ताल

इति चतुश कल उद घटिको जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ अष्ट कल उद घटिको जंत्र लिख्यते

परमल घेई तिततत ८ आठ वार कहीये	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽ १	गुरकी निशानी अंककै है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमलु थेई तिततत ८ आठ बार कहीये	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽऽ २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमलु थेई तिततत ८ आठ बार कहीये	निशानी गुरु ८ ऽऽऽऽऽऽऽऽऽ ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

इह द्विकल चतुश कल अष्ट कल उदघटकी कलानके प्रमान पाठाक्षर र
चि एक दोय चार आठ बेर बरतिके चारो मारग साधीये इति अष्ट कल उद
घटिको जंत्र संपूर्णम् ॥ इहां पांचो मारगी तालनमें सब ठौर ध्रुव चित्र
वारतक दक्षण इन चारो मारगमै एक कल द्विकल चतुशकल अष्टकल ए
चारो भेद क्रमसों जानीये ऐसेही द्विकल चतुशकल अष्ट कल भेदनको

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४७

हूने चोगने अवगुणो प्रमानसो चारो मारग कीजीये ऐसे अपने बुंथसों शास्त्रके प्रमाणसों समझीके मारग तालनके अनेक भेद जानीये इति संगीत पारिजातके मतिसों मारगी ताल संपूर्णम् ॥ अथ सारंग देव महाराज रिषिके मतसों चंचत पुट आदि पांचो मारगी तालनके द्विकलादि भेदके ध्रुव आदि चार मारग वरतिवे को लक्षण लिख्यते ॥

परमल थेई तिततत १ एकवार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ सं १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत १ एकवार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु १ । ता २	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत थेई थेई १ एक वार कहीये	निशानी प्लुत १ ऽ स ४	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स १	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ ता २	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु १ । स	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत थेई थेई १ एक वार कहीये	निशानी प्लुत १ ऽ ता ४	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४८

48

परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ ता १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु १ । ता ३	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत थेई थेई १ एक वार कहीये	निशानी प्लुत १ ऽ स ४	प्लुतकी निशानी अंकहै सोताल

यहां यथाक्षर चंचत्पुटमें गुर ल घु प्लुत अक्षरनके संमता ये चार अक्ष
र अनुक्रमसों जानीये अथवा सतासता जानीये अथवा तासताल जानीये

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तहां सकारतो संपातकी संज्ञाहै तकार ताल पातकी संज्ञाहै अरु बिंद सहि
त सकार संन्निपात जानीये अर सता सता ईन चारों अक्षरनसों चंचत पुट
के गुर लघु प्लुत काहू काहू गीतमें वरतीये इहां सकारको संपापातहै तका
रको ताल पातहै सो काहू काहू गीतमें तास तास इन अक्षरनसो चंचत पुट
तालके अक्षर वरतीये यहां क्रमसों तकारसों ताल सकारसों संपात संज्ञा
जानीये इति एककल चंचत पुट संपूर्णम् ॥ अथ यथाक्षर चाच पुट लिख्यते ।

परमल थेई तितत्त १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
४९

49

परमल थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु । । ना	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु । । स	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत १ एकवारकहीये	निशानी गुरु । ऽ ना	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु । ऽ ना	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु । । स	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु । ता	लघुकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽता ८	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल

यथाक्षर चाचपुटमें ऐसी रीतसों दोय प्रकारके अक्षर जानीये इहां सकारसों संपात कारसों ताल पातके उचारके क्रमसों जानीये इति यथाक्षर चाचपु ट संपूर्णम् ॥ अथ एक कल षट पिता पुत्र ताल लिख्यते ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५०

थेई तितनत थेई थेई एक वार कहीये १	निशानी लुत १ ऽ स १	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल
थेई १ एक वार कहीये	निशानी लघु १ । ता २	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल
थेई तितनत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
थेई तित नत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ ता ४	गुरकी निशानी अंक है सो ताल
थेई तित नत १ एक वार कहीये	निशानी लघु १ । स ५	लघुकी निशानी अंक है सो ताल
थेई तितनत थेई थेई १ एक वार कहीये	निशानी लुत १ ऽ ता ६	लुतकी निशानी अंक है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इति षट पिता पुत्र एक कल संपूर्णम् ॥ अथ द्विकल मारग तालको प्रकार लिख्यते इहां तालके गुरु लघु अंतर हूनी कीजीये सो द्विकल भेद जानीये अथ द्विकल चंचत पुटको जंत्र लिख्यते ॥

परमल थेई ततततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ निस १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई ततततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ नता २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई ततततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ स प्र ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई ततततत २ दोय वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ नि स ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५१

रहां द्विकलमें एक गुर अक्षरकी एक मात्रा जानीये तहां दोई गुरनमें एक गु
रसों शब्द ज्जत क्रिया कहीये पात एक गुरसों अष्ट क्रिया कहीये कला इन
सों बरतीये निः अक्षरसों निष्क्राम काम शब्द क्रिया अर सकारसों संपा पा
त क्रिया तासो ताल पात क्रिया प्र अक्षरसों प्रवेशक अष्ट क्रिया क्रमसों
जहां आवे तहां तहां बरतीये इति द्विकल चंचत पुट संपूर्णम् ॥
अथ द्विकल चाच पुटको जंत्र लिख्यते ॥

थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ निस १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

थेई तिततत २ दोइवार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ताम २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ निसं ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

इन अक्षरनमें निष्काम अशब्द क्रिया सकार संपापात नकार संपापात नकारसों ताल पात असे जानीये इति द्विकल चाच पुट संपूर्णम ॥ अथ चतुष्कल चंच त पुटको जंत्र लिख्यते ॥

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिबिस १	गुरकी निशानी अंक है सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
५२

परमल थेई तितत्त ४ चारि बार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिबिता २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितत्त ४ चारि बार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आसबिप्र ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितत्त ४ चारि बार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिबिप्र ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

पहलेकीसी न्याई अक्षर समभीये इति चतष्कल चंचत पुट संपूर्णम् ॥

अथ छिकल षट पिता पुत्र तालको जंत्र लिख्यते ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ निस १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ तास २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ निता ३	गुरकी निशानी अं कहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ निस ४	गुरकी निशानी अं कहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ तास ५	गुरकी निशानी अं कहै सो ताल
परमल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ निस ६	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
पत्र

पहलेकीसी न्याई अक्षर समझीये इति द्विकल षट पिता पुत्र तालको भेद संपूर्णम् ॥ अथ चतुश कल चाचपुट तालको जंत्र लिख्यते ॥

परमल थेई तिततत ४ चारिवार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिबिस १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिबिस २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिबिस	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

इति चतुश कल चाच पुटको जंत्र संपूर्णम ॥ या चतुश कल चाच पुटके पहलेकीसी न्याई अक्षर समझीये अथ चतुशकल षट पिताको जंत्र लिख्यते।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई तितनत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिविप्र १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनविस्र २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिविता ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिविस्र ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनाविप्र ५	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितनत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिविस ६	गुरकी निशानी अंकहै निशानी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता पहले कीसी न्याई प्रस्तार समझीये इति चतुशकल घट पिता पुत्र तालको

ध्या जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ एक कल उदघटको जंत्र लिख्यते ॥

५४

54

परमल थेई तितनत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ नि १	इसकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तितनत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स २	इसकी निशानी अंक है सो ताल
परम थेई तितनत १ एक वार कहीये	निशानी ऽ स ३	इसकी निशानी अंक है सो ताल

इति एक कल उदघट जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ एक कल संपके सटा
कको जंत्र लिख्यते ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई तिततत थेई थेई १ एक वार कहीये	निशानी दविराम १ ३ ता १	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ ता ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत १ एक वार कहीये	निशानी गुरु १ ऽ स ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत थेई थेई १ एक वार कहीये	निशानी दविराम १ ३ ता ५	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल

इति एक कल संपके सटाकको जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ द्विकल उद
घट जंत्र लिख्यते ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५५

53

परमल थेई तितततत २ दोई वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽनी: स १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ तास २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तितततत थेई थेई १ एक वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ नि स ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

इति द्विकल उदघटको जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ द्विकल संपके सटाकको जंत्र लिख्यते ॥

परमल थेई तितततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ तास १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल्ल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ना स २	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल
परमल्ल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ नि ना २	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल
परमल्ल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ नि स ४	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल
परमल्ल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ ना म ५	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल
परमल्ल थेई तिततत २ दोइ वार कहीये	निशानी गुरु २ ऽऽ नि सं	गुरकी निशानी ग्रंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता ध्या ५८ पहलेकी सीन्याई अक्षर जानीये इति द्विकल संपके सटाकको जंत्र संपूर्णम्

अथ चतुशकल उदघटको जंत्र लिख्यते ।

56

परमल थेई तिततत ५ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ५ ऽऽऽऽ आनि बिसम १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ५ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ५ ऽऽऽऽ आनि बिसम २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ५ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ५ ऽऽऽऽ आनि बिसम ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

पहलेकीसी न्याई अक्षर जानीये इति चतुशकल उद घटको जंत्र संपू

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ चतशकल संपके सटाकको जंत्र लिख्यते ।

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽआनिव प्र १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽआनिव स २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽआनिविता ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिविस ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽआनिविप्र ५	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५८

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ आनिबिस ६	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

इति संपके सटाक चतुशकल तालको जंत्र संपूर्णम् ॥ अथ चाच पुट तालके प्रथम भेदको जंत्र लिख्यते ।

58

परमल थेई तिततत ४ चारिवार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारिवार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ३	गुरकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ४	गुरकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ५	गुरकी निशानी अंक है सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ६	गुरकी निशानी अंक है सो ताल

इति चाच पुट तालको प्रथम भेद संपूर्णम ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५८
58

अथ चाच पुट षोडश कलको जंत्र लिख्यते ॥

परमलथेई तिततत ४	निशानी गुरु ४	गुरकी निशानी
चारि वार कहीये	ऽऽऽऽ १	अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४	निशानी गुरु ४	गुरकी निशानी
चारि वार कहीये	ऽऽऽऽ २	अंकहै सो ताल
परम थेई तिततत ४	निशानी गुरु ४	गुरकी निशानी
चारि वार कहीये	ऽऽऽऽ ३	अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४	निशानी गुरु ४	गुरकी निशानी
चारि वार कहीये	ऽऽऽऽ ४	अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४	निशानी गुरु ४	गुरकी निशानी
चारि वार कहीये	ऽऽऽऽ ५	अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४	निशानी गुरु ४	गुरकी निशानी
चारि वार कहीये	ऽऽऽऽ ६	अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ७	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ८	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ९	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ११	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १२	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
५९

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ५	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ६	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ७	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ८	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ९	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ ११	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १२	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
६०

परमल थेई तिततत ष चारि वार कहीये	निशानी गुरु ष ऽऽऽऽ १३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ष चारि वार कहीये	निशानी गुरु ष ऽऽऽऽ १४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ष चारि वार कहीये	निशानी गुरु ष ऽऽऽऽ १५	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ष चारि वार कहीये	निशानी गुरु ष ऽऽऽऽ १६	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ष चारि वार कहीये	निशानी गुरु ष ऽऽऽऽ १७	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ष चारि वार कहीये	निशानी गुरु ष ऽऽऽऽ १८	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ १९	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २१	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २२	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २३	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल
परमल थेई तिततत ४ चारि वार कहीये	निशानी गुरु ४ ऽऽऽऽ २४	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता इति चाचपुटको तीसरो भेद संपूर्णम् ॥ इहां मारग तालनमें चचत पुट ता
ध्या लके चारा गुरु आदिक अक्षरमें द्विकल चतुसकल भेद रचीये तब पहले भा
६१ गमें चीचीआंगुलीसों दूसरे भागमें अनामिका आंगुलीसों तीसरे भागमें म
61 ध्यम आंगुलीसों चोथे भागमें तर्जनी आंगुलीसों कलानकी समस्याकीजी
ये अर चाचत पुटके द्विकलादिक भेदके तीनो भागनिमें कनिष्ठका १ अ
नामिका २ तर्जनी ३ इन तीनो अंगुलीनसों कलाकी समस्या कीजीये
इहां मध्यमा अंगुलीनहीं लीजीये अरु षट पिता पुत्रके द्विकलादिक भेदके
छहो भागनिमें कनिष्ठका १ अनामिका मध्यमा तर्जनी २ फेर कनिष्ठका

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

फेर तर्जनी इन अंगुलीनसों कलानकी समस्या छहो भागनिमें क्रमसों की
जीये इहां उदघट ताल संपके सदाक छिकलादि भेदके अर अंतर आदिक भा
गनमे चाचनकी सीन्याई बीचली मध्यमा अंगुली बिन अंगुलीसों उदघटमें अ
रुघट पिता पुत्रकीसीन्याई कनिष्टका १ अनामिका २ मध्यमा ३ तर्जनी ४
फेर कनिष्टका फेर तर्जनी इन अंगुरीनसों संपके सदा तालमें कलानकी
समस्या जानीये अर पातमें अंगुरीनको विचार नहीं कीजीये इति पांचो मारगी
तालनके चारो मारगनमें छिकलादि भेद वर्णन संपूर्णम् ॥ अथ मारगी
तालनके उदघटवेको प्रकार लिख्यते वाद्या ध्यायमें कहे जे प्रमाणतासोंका
सेके ताल बनाइके जो कोऊ पुरुष गंधर्व कहीये स्वरक वाद्य १ आरितादि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
६२

गीत २ षडुजी आदि ताल ३ छह तरेहके ग्राम राग ४ इनको गावे रचे अ
रु संश्रणि संगीत शास्त्रके भेदको गुरु मुखसों विचारिके तासों गायवे वारेको
मनछुके नही औसे बजावे यह गान विद्याको यज्ञको फलहै सो जो स्वथ गा
वे वा बजावे तो सो तानको फल नही होइ तासों स्वथ समझिके स्वथ गावे
इति मारगी तालनके स्वथ उपादिवेको प्रकार संश्रणम् ॥ अथ देसी ता
लनको लक्षण लिख्यते अनुद्रुत आदिक सातो अंगन करिके ध्रुव मारग
सों पंडितनने जे ताल कहेहै उनको देसी ताल कहेहै अथ परि वर्तनको
लक्षण लिख्यते मारग तालकी चौथाई अथवा आठवो भाग आदि देके
जो देसी तालनमे फेरि फेरि बरतीये सो परिवर्तना जानीये अथ मानको

६२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लक्षण लिख्यते जहां तालको विश्राम होइ ऐसो जो काल क्रिया नाम समय
की तोल ताको मान कहेहै इति मान अथ गीतनको लक्षण लिख्यते इशा
स्त्रमें कहे मारग ताल वा देसी ताल जिनमें बरतीये ते देवतानकी अस्तुति रू
प गीत कहीयतहै सो वह गीत चौदहहै तिनके नाम लिख्यते तहां प्रथम
तो मंडुक १ दूसरो अपरांतक २ तीसरो उल्लोप ३ चौथो प्रकरण ४ पांच
वों वेणक ५ छठो रूरु ६ सातवों इंडकोतर ७ ऐसे सात तोई गीतहै अरु
सात और गीतहै तिनके नाम लिख्यते प्रथम छंदिका १ दूसरो आसारि
ता २ तीसरी वर्धमानक ३ चौथो प्रकरण ४ पांचवी रिचा ५ छठी गा
था ६ सातवी साम ७ ऐसे सात पहले और सातये ऐसे ये दोऊ मिलि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता के चोदह गीनहे १४ ऐसे ए चोदह गीत शिव विष्णु आदि देवतानकी उसतितमें प्र
ध्या योग कीजीये धर्म अर्थ काम मोक्ष मिले या लीए ब्रह्मा जीने गीत कहेहे अथ
६३ देसी ताल मूल दोहरा लघु आदिक परमित सचो देसी तालन ग्यान प्रकास ए
तालकी ध्रुव लीए चितको रोचक दान दोहरा पांच वर्न लघु उचरे एक मात्रका हो
र देसीमे घटि बढि कहूं जो बनि आवे सोय टीका तहां देसी ताल लघु गुरु लुत
नकी मात्रा करिके प्रमान कीयोहे तहां पांच लघु अक्षरको उचार जितने काल
मे होय सो काल लघुकी मात्रा जानीये तेसी दोय मात्रा गुरकीहे अर तेसी तीन मा
त्रा लुतकीहे और कहू देसी तालमे न्यून अधिकहू मात्रा कहीहे तहां तालमे
सोहती मात्रा लेलीजीये मूल दोहरा अह नहमो छानिमे कह्या लघु हीको अपि
६३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कार करि प्रमान याते कह्यो याहीको निरधार टीका इन देसी तालनके लेवे
में अरु छोडवेमें लघुको मुख्य जानीये याते द्रुत गुरु स्वत ये मुख्य नही
अरु जहां देसी तालनमें द्रुत आवे तहांभी लघु करिके ध्यान जानीये अ
र लेवो अरु छोडवो अपनी इच्छासों द्रुत दिकनमें जानीये मूल दोहरा
ताल प्राण संगी तको कहे संगीती लोइ इनेंहे पहिले गीतको ताल साधना
होइ टीका ये ताल संगीत रूप सरीरके प्राण कहेहैं तासो सभ जनन क
रिकें गीता आदिकमे ताल विचार मुख्यहैं ईहा सभ तालनकी आदिमें ल
घु जानीये मूल दोहरा बहुत कया विधि तालहे नाम भिन्न एक रूप तिनमे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

भेद बखानीये काल प्रमान अनूप टीका कितनेहूं तालनके रूप समानहै अरु
नाम जुदेहै ताको कारण कहतहै सो सुनो यहां उन तालनके कालके नाम जु
दे जुदेहै अरु रूप एक हीहै परमान भेदते नाम भेदहै जो मान एक होइ तो ना
महूं एक होइ याते जुदे नाममै जुदो मान कारणहै याते भरत मुनिने जुदे मा
नसों जुदे नाम करेहै और कितने ठेक तालनके अंतमे विराम होइ सो उन ता
लनमें संदेह करेहै ककहा वाको स्वरूपहै और कहा विरामहै अरु कौन काल
है अरु कौन क्रियाहै तहां समाधान कहतहै यह ताल अरूपहै यातें या ताल
को स्वरूप नही यह गीत प्रबंधादिकके आधीनहै याते याको काल प्रमान

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नही अर याकी क्रिया कनहींहै यह अक्रिया शिव रूपहै याते यह ताल
शिवजीकी सोन्याई अनादि सिधहै परत गीत न्रत्यमे द्रुत अथवा लघु अंत
मे कीजीयेहै ओर कोऊ देसी ताल जा तालमें वरन्यो होइ ता तालको जो वि
राम ताको अरथवा देसी तालमें बिराम जानीये अरजो जासो उतपन्न भयो
सो वाको अरथ लेतहै अरु गुर लघ्वादिक वर्ण मार्ग तालनते षेचिके देसी
तालनमे राषेहै मूल दोहरा लघु आदिकके खंडको इनमें वड विस्तार षंड
ताल ताते कहै सभै गुनी निरधार टीका ओरजो लघु द्रुतादिक खंड मारग
तालनके खंडनमे राषेहै ताते खंड ताल जानीये ये श्रंग महा गुनि कहत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
६५

है यहां प्रस्तार रीति करिके द्रुत लघु आदिनको रचनासों एक एक तालके अनेक अनेक भेदहै याते अब देसी तालनको भेद कहतहै जहां मारगी ताल चंचत पु ट आदि कहे तिनके लघु गुरु आदिक अंगनसों अथवा लघु गुरु आदिक अंग नके अग १ द्रुत २ दविराम ३ लविराम ४ इनमें जो जहां जैसो चाहीये तैसो तहां रचीये देसी नृत्य अरु देसी रागनके देसी प्रबंधनमे लोकानुरंजनके लीये रचे जे तालते देसी ताल जानीये जैसे मारगी रागनमे अपनी बुधिसो लोकानु रंजनके लीये सो तो स्वरनको ग्राद बांधि करिके मुनीस्वराने देसी राग रचेहै ऐसेही मारगी एला आदिक प्रबंधनसों ग्राद बांधि प्रमाणके देसी प्रबंध होतहै

६५

65

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जैसेही मारग तालनके लघु १ गुरु २ प्लुत ३ इन करि तीनो अंगन को

घाटि बाढि कीयेते अथवा इन लघु आदि अंगनके स्थानमें इनके प्रमाण

सों अणु १ द्रुत २ दविराम ३ लविराम ४ इनके रचिवेसों मारगी तालन

सों नई रचनाके ताल अनेक होतहै तिनमें जितने जितने ताल शास्त्रमें

प्रसिद्ध भरतवा मतंग आदि संगीत आचारिज मुनीश्वरननें बरनेहै ते सब

देसी तालनको अनुक्रमसो न्यारो न्यारो लक्षण कहेहै इनके अनुसारसों

जेत्र जानीये अथ देसी तालकी उत्पति नाम लिख्यते शिवजीनें गीत छंद

प्रबंध आदिक गान रचनाननमें बरतिवेको उन मारग तालनमे सो देसी ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता ख्या ६६

66

उतपन्न कीये तहां प्रथम सातो अंगनके जुदे जुदे तालनके लक्षण लिखते तहां प्र
थम चित्र ताल ताको लक्षण लिखीयेहे चौपई जा तालमे अणु द्रुतको वरति वो
होइ अरु कोऊ अंग नही आवै सो ताल चित्र ताल जानीये या तालमे चार अणु
द्रुतहै इति चित्र ताल ᴗ ᴗ ᴗ ᴗ यामे दोऊ हाथको अंतरि आगुल डेढको रा
खणो सो आगुल डेढ प्रमाण डेरो हाथमें राखिके साधीये ॥

प्रथम चित्र ताल चौतालोहै

प्रथम तालके परमल न	दूसरी तालके परमल धि	तीसरी तालके परमल धे	चौथी तालके परमल न
निशानी अणु द्रुत ताल मात्रा ᴗ १ –	निशानी अणु ताल मात्रा ᴗ २ –	निशानी अणु ताल मात्रा ᴗ ३ –	निशानी अणु ताल मात्रा ᴗ ४ –

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम अनुद्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल ताल आगे आडी लीक है सो चौथाई मात्रा	अनुद्रुतकी निशानी ताकै आगे अंकहै सो ताल तालआगे आडी लीकहै सो चौथाई मात्रा	प्रथम अनुद्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल ताल आगे आडी लीक है सो चौथाई मात्राहै	प्रथम अनुद्रुतकी निशानी ताके आगे अंक है सो ताल तालआगे लीकहै सो मात्रा मात्रा पै विशराम विशराम पैमान है
चचकार	चचकार	चचकार	चचकार
ति	ति	ति	ति

प्रथम तालके परमलु नग	दूसरी तालके परमलु धिग	तीसरे तालके परमलु धिग	चोथी तालके परमलु। नग	पांचवी तालके परमलु। धीं
निशानी अनुद्रुत ताल मात्रा ऽ१—	निशानी अनुद्रुत ताल मात्रा ऽ२—	निशानी अनुद्रुत ताल मात्रा ऽ३—	निशानी अनुद्रुत ताल मात्रा ऽ४—	निशानी अनुद्रुत ताल मात्रा ऽ५—

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
धा
८७

67

प्रथम द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल ताल के आगे लीकहै सो चौथाई मात्राहै	प्रथम अनुद्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे लीकहै सो चौथाई मात्राहै	प्रथम अनुद्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल ताल आगे लीक है सो चौथाई मात्रा जानीये	प्रथम अनुद्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल तालके आगे लीकहै सो चौथाई मात्रा	प्रथम अनुद्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल ताल आगे लीकहै सो मात्रा मात्रापे विश्राम विश्रामपे मान
चचकार ति १	चचकार ति २	चचकार ति ३	चचकार ति ४	चचकार ति ५
० ।	० ।	० ।	० ।	०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ एक ताली तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीनें साती अंगनमें सों दूसरो अंग द्रुत लेके वा सो एक ताली उतपन्न कीनो अथ एक ताली तालको स रूप लिख्यते जा तालमें द्रुतही बरतीये और अंग नहीं आवे सो एक ताली ताल जानीये यामें चार द्रुतहै ० ० ० ० इति एक ताली याहीको कंडुक ताल कहतहै यामें दोऊ हाथको अंतर आंगुल तीनको राखनो सो डोरा हाथमें राखके साधीये डोरा अंगुल तीनको ।।

४	दूसरो कंडुत ताल चोतालोहै		
प्रथम तालके परमल नग थिग	दूसरी तालके पर मल थिग थिग	तीसरी तालके पर मल नग नग	चोथी तालके पर मल थों थों

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

68

निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=
प्रथम द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सोताल ताल आगै आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	प्रथम द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल ताल आगे लीकहै सो आधी मात्राहै	प्रथम द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा है	प्रथम द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे आधी लीकहै सो मात्रा है
चचकार ते १	चचकार ते २	चचकार ते ३	चचकार ते ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ कंडुकारय तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन सातो अंगनसे सो

तीसरो अंग दविराम लेके वासों कंडु कारय ताल उतपन्न कीयो अथ कंडु

कारय तालको लक्षण लिख्यते जा तालमे दविराम बरतीये और अंग नही

आवे सो कंडु कारय ताल जानीये या तालमे छह दविराम बरतहे ॥

ऽ०ऽ०ऽ०ऽ०ऽ०ऽ० इति कंडुकारय २ यामे दोउ हाथनको अंतर अंगुल साढे चा

रिको राखनो सो साडे चार अंगुल प्रमाण राखि डोरो साधीये ॥

इति संकीर्ण तीसरी कंडुकारयो षट तालो ६ जि ३ ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

69

प्रथम तालके परमल	दूसरी तालके परमल	तीसरी तालके परमल	चौथी तालके परमल	पांचवी तालके परमल	छट्टी तालके परमल
तगत	धिगिन	धिगिन	तकक्र	तकक्र	थो
निशानी दविरा म ताल मात्रा	निशानी दवि राम ताल मात्रा	निशानी दवि राम ताल मात्रा	निशानी दवि राम ताल मात्रा	निशानी दवि राम ताल मात्रा	निशानी दवि राम ताल मात्रा
ठ १ ≡	ठ २ ≡	ठ ३ ≡	ठ ४ ≡	ठ ५ ≡	ठ ६ ≡
दविरामकी निशानी ता के आगे अंक है सो तालहै तालके आगे तीन आडी ली कहै सो पोण मात्राहै	प्रथम दवि रामकी निशानी ताके आगे अंक है सो तालहै ता लआगे तीन आडी लीकहै सो पोण मात्रा है	प्रथ दवि राम की निशानी ताके आगे अंक है सो तालहै तालआगे ती न आडी लीक है सो मात्राहै	प्रथम दविराम की निशानी ताके आगे अंक है सो तालहै तालआगे तीन आडी लीकहै सो पोण मात्रा है	प्रथम दविराम की निशानी ताके आगे अंक है सो तालहै ताल आगे ती न आडी लीक है सो पोण मात्राहै	प्रथ दविराम की निशानी ताके आगे अंक है सो तालहै ता लआगे तीन आ डी लीकहै सो पो ण मात्राहै मात्रा परि विश्रामहै विश्रामपैरी मा नहै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चचकार तत	चचकार तत	चचकार तत	चचकार तत	चचकार तत	चचकार तत

अथ आदि तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन सातो अंगनमें सो चोथो अंग लघु लेके वासों आदि ताल उतपन कीनो अथ आदि तालको लक्षण लिख्यते जा ताल में सात लघु आवे और अंग नही आवे सो आदि ताल जानीये याहीको रास ताल कहेहैं या तालमें सात लघुही बरतेहै इति आदि ताल। यामे दोउ हाथको अंत र अंगुल छहकोहै सो अंगुल छह प्रमाण राखि डोरो साधीये।

चोथोरास ताल यह सात तालोहै ७ याको आदि ताल कहेहै।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७०

70

प्रथम तालके परमल ततधिगि	दूसरी तालके परमल धिगितग	तीसरी तालके परमल तगथों	चोथी तालके परमल जगजग	पांचई तालके परमल तगथों	छठी तालके परमल ततधिमि	सातईं ताल के परमल धिमिथों
निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	निशानी लघु ताल मात्रा ।५।	निशानी लघु ताल मात्रा	निशानी लघु ताल मात्रा
प्रथम लघु की निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे लीकहै सो एक मात्राहै	प्रथम लघु की निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे ऊथी लीकहै सो एक मात्रा है	प्रथम लघु की निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल ताल आगे ऊथी लीकहै सो एक मात्रा है	प्रथम लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे ऊथी लीकहै सो एक मात्रा है	प्रथम लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे ऊभी लीकहै सो एक मात्राहै	प्रथम लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे ऊथी लीकहै सो एक मात्रा है	प्रथम लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै सो ताल आगे ऊथी लीक है सो एक मात्रा जानीये

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चचकार थेई १	चचकार थेई २	चचकार थेई ३	चचकार थेई ४	चचका २ थेई ५	चचका २ थेई ६	चचकार थेई ७

अथ लघु शेखर तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन सातो अंगनमें पांचवो अंग लविराम लेके वासो लघु शेखर नाम ताल उत्पन्न कीनो लघुशेखरको लक्षण जा जा तालमें लविरामही बरते और अंग नही आवै सो लघु शेखर नाम ताल जानीये या तालमें आठ लविरामहै ।।।।।।।। इति लघु शेखर ताल या मे दोउ हाथको अंतर अंगुल नवको राखणो सो नौ अंगुलको डोरा हाथमे राखि साधीये ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७२

पंचवोलछु शोवेर आठ तालो है ८

प्रथम ताल के परमल।	दूसरे तालके परमल।	तीसरे ताल के परमल।	चौथी ताल के परमल।	पांचवी ताल के परमल।	छटी ताल के परमल।	सातवी ताल के परमल।	आठवी ताल के परमल।
ततधिमिधिमि	थाधिमिधि मि	तगधिमिधि मि	तगतगजग	तगतगजग	जगतगतग	तगधिमितग	थधिगणथों
निशानी लविराम ताल मात्रा। ।१।=	निशानी लविराम ताल मात्रा ।२।=	निशानी लविराम ताल मात्रा ।३।=	निशानी लविराम ताल मात्रा ।४।=	निशानी लविराम ताल मात्रा ।५।=	निशानी लविराम ताल मात्रा ।६।=	निशानी लविराम ताल मात्रा ।७।=	निशानी लविराम ताल मात्रा ।८।=
प्रथम लविरामकी निशानी ताके आगे अंक है सो ताल है ताल आगे डेढलीकहै सो मात्राजानीये	प्रथम लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे डेढलीक हे सो मात्रा जानीये	प्रथम लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे डेढलीक हे सो मात्रा जानीये	प्रथम लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे डेढलीक हे सो मात्रा जानीये	प्रथमलविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे डेढलीकहै सो मात्रा जानीये	प्रथम लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे डेढलीकहै सो मात्रा जानीये	प्रथम लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे डेढलीक हे सो मात्रा जानीये	प्रथम लविरामकी निशानी ताके आगे अंक है सो ताल है ताल आगे डेढ लीकहै सो मात्राजानीये

© Dharmartha Trust J&K: Digitized by eGangotri

चचकार	चचकार	चचकार	चचकार	चचकार	चचकार	चचकार	चचकार
तथेई १	तथेई २	तथेई ३	तथेई ४	तथेई ५	तथेई ६	तथेई ७	तथेई ८

अथ करुणा तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीनै उन सातो अंगनमै सो छठवो अंग गुरु लेकै वासो करुणा ताल उतपन्न कीनो करुण तालको लक्षण लिख्यते जा तालमै गुरु आवै और अंग नही आवै सो करुणा ताल जानीये या करुणा तालमै आठ गुरु वरतेहै ऽऽऽऽऽऽऽऽऽ इति करुणा ताल ६ यामै दोऊ हाथको अंतर अंगुल बारहको बारह आंगुलकी डोरि हाथमै राखि साधीये ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७२

छठो करुणा ताल अठतालो है

प्रथम ताल के परमल	दूसरी ताल के परमल	तीसरी ताल के परमल	चौथी ताल के परमल	पांचवी ताल के परमल	छठी ताल के परमल	सातवी ताल के परमल	आठवी ताल के परमल
ऊडाथिरि ऊडाथिरि	समगम धिगिथों	थिराथिर [illegible]थरि	किटथरि किटथों	थाधिमि धिमिकिट	ततधिमि धिमिकिट	थथा ततथा	ततथमि मणथों
प्रथम तालके परमल। जग जगधिगिथों	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी हाथ कौ फालो नीचेको ऽ।।०	प्रथम दीर्घकी निशानी आगे अंकहै सो ताल ताल आगे दोई लीकहै सो मात्राहै बिंदीहै सो तालको फालो है					चचकार थेईतितत त १
दूसरी तालके परमल। तग तगधिगिथों	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी हाथको फालो नीचेको ऽ२।।०	प्रथम दीर्घकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे लीकहै सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको फालाहै					चचकार थेईतितत त २
तीसरी तालके परमल। थरि थरिकिटथरि	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी फालो हाथकोनीचेको ऽ३।।०	दीर्घकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै लीकहै सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको नीचेको फालाहै					चचकार थेईतित तत ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चौथी तालके परमल । कि टधिकिटधौं	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी फालो हा थकोनीचेको १४॥०	दीर्घकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै ली कहै सो मात्राहै बिंदीहै सो नीचेको फालोहै	चचकार थेई तिततत ४
पांचवी तालके परमल । धा धिमिधिमिकि ट	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी फालो हा थको १५॥०	दीर्घकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै ली कहै सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको फालोहै नीचेको	चचकार थेई तितत त ५
छटी तालके परमल। धा धिमिधिमिकिट	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी फालो हा थको १६॥०	दीर्घकी निशानी अंकहै सो तालहै लीकहै सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेई तितत त ६
सातवी ताल के परमल। धा धा ततधा	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी हाथको फालो	दीर्घकी निशानी अंकहै सो तालहै लीकहै सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको फालोहै	चचकार थेई तिततत ७
आठवी ताल के परमल । ततथधिगण धौं	निशानी दीर्घ ताल मात्रा बिंदी हाथको फालो १८॥०	दीर्घकी निशानी अंकहै सो तालहै लीक सो मात्राहै बिंदी हाथको फालोहै फाला ऊपर मानैहै	चचकार थेई तिततत ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७३

अथ मंद तालकी उत्पत्ति लिखते शिवजीने उन सातो अंगनमें सो सातवो अं
ग स्रुत लेके पिंड मंद ताल उत्पन्न कीनो अथ पिंड मंद तालको लक्षण लि
खते जो तालमे स्रुतही आवे और अंग नही आवे सो पिंडमंद ताल जानीये
या तालमे छह स्रुतहै ऽऽऽऽऽऽ इति स्रुत ६ याको सन्निपातभी कहे
है यामे दोऊ हाथको अंतर अंगुला मठारहको राखनो अठारह आंगुल
की डोर हाथमे राखि साधीई ॥

सातवों सन्निपात याको पिंड मंद ताल कहे है छंदतालोहै

73

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके परमल तत थिमि थिमि नग थों	निशानी लुत तालमा त्रा गोलकंडालो हाथ की परक्रमा बिंदीसोफा लोफालाऊपरमान डे१।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो तालहै आ गेलीकहै सो मात्राहै गोलकंडालोसोप रिक्रमा बिंदीहै सो हाथकोफालोहै गो लकंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १
दूसरी तालके प रमल तग तग तग तग कुंदरि कुंकुं दथों	निशानी लुत ताल मात्रा गोलकंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो फालो फाला परमान डे२।।।०	लुतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल है ताल आगे तीन लीकहै सो मात्राहै बिं दी हाथको फालोहै फाला परि मान है	चचकार थेईतितत तथेईथेई २
तीसरी तालके प रमल थिमि किट धरि धरि दां दां धरि	निशानी लुत ताल मात्रा गोलकंडालोप रिक्रमा बिंदीहै सोहा थको फालो फाला प रिमान डे३।।।०	लुतकी निशानी आगे अंकहै सो ता ल तीन लीकहै सो मात्रा गोलकंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो फाला परिमान	चचकार थेईतिततत थेईथेर ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७४

74

चौथी तालके परमल तहां ऊकृत दित दि दों	निशानी लृत ताल मात्रा गोल कंडालो परिक्रमा विंदी सो फालो फाला परिमान ३४।।।०	लृतकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा विंदीहै सो हाथको फालो फाला पैमान	चचकार थेईतिततत थेईथेई ४
पांचई तालके परमल तकधिमि तगथों धिमि तग	निशानी लृत ताल मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा विंदी सो फालो फाला पैमान ३५।।।०	प्रथम लृतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल आगे लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा विंदीहै हाथ को फालो फाला परिमान	चचकार थेईतिततत थेईथेई ५
छटी तालके परमल दांदांदांथधिग णथों	निशानी लृत ताल मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा विंदी सो फालो फाला परिमान ३६।।।०	प्रथम लृतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा विंदीहै सो हाथको फालो फाल परिमान	चचकार थेईतिततत थेईथेई ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ शरब तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमें सो विचा
रिके गीत नृत्य वाद्य नाट्यमें वरतिवेको अणु आदिक सातो अंगनसों क
म करिके देशी ताल उत्पन्न कीनो वाको सरब ताल नाम धर्यो अथ सर
ब तालको लक्षण लिख्यते जा तालमें प्रथम एक अणु होय दूसरो द्रुत
होय तीसरो दविराम होय चोथो लघु होय पांचवो लविराम होय छटो
गुरु होय सातवो प्लुत होय या रीतसों सातो अंगनके सात ताल जामें हो
य सो सरब ताल जानीये अथ सरब तालको स्वरूप लिख्यते ।
U ० ० । । ऽ ऽ अथ पाटाक्षर लिख्यते त· जग· तत· कथतो तत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ष्या
७५
75

तकधो नोधोतकधो १ धधिकटतकधो इति पाठाक्षर संपूर्णम् इति सरब ताल उत्पति ॥

सरब ताल सात तालो ७			
इनमे परमल	यामे अक्षर ताल माात्रा	यामे समस्या	यामे चच कार
प्रथम ताल के परमल त	निशानी अणु द्रुत ताल मात्रा	प्रथम अणुद्रुतकी निशानी आगै अंकहै सो ताल आगेलीकहै सो मात्रा	चचकार ति १
दूसरी तालके परमल तत	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा आधी	चचकार ते २
तीसरी ताल केपरमल तत	निशानी दविराम तालमात्रा ०२३=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा पोण	चचकार तत ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चोथी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा |४|	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई ४
पांचवी तालके परमल ततकथों	निशानी लघुविराम ताल मात्रा ७|५|=	लघुविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा ३७	चचकार तथेई ५
छटी तालके परमल ताथों तकथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६||०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथ को फालो	चचकार थेईतिततत ६
सातवी तालके परमल धिधिकटतकथों	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३७|||०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो फाल पैमान	चचकार थेईतिततत थेईथेई ७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
७९

अथ पंचम तालकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमै सो विचारिकै

गीत नृत्य वाद्य नाट्यमै बरतिवेको अण द्रुत लैकै देसी ताल उत्पन्न करि वा

को पंचम नाम कीनो अथ पंचम तालको लक्षण लिख्यते जा तालमै एक अण

होइ अर दोइ द्रुत होइ या छंदसो गीतादिकमै सब उपजावै सो पंचम ताल

जानीये यह ताल तितालोहै अथ पंचम तालको स्वरूप लिख्यते ऽ००

अथ पाटाक्षर न ७ गणा [illegible] थो० ।

पंचम ताल तितालो त्र

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इनमे परमल	यामे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चच कार
प्रथम ताल के परमल न	निशानी अणु द्रुत ताल मात्रा ◡१—	प्रथम अणुद्रुतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार ति १
दूसरी तालके परमल गण	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	प्रथम द्रुतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा आधी	चचकार ते २
तीसरी तालके परमल थों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३≡०	प्रथम द्रुतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा पौण बिंदीहै सो हाथको फालो फाला पैमान	चचकार ते ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७७
77

अथ द्वितीय तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीनै उन मारग तालनमै विचारिकै गीत नृत्य वाद्य नादमै वरतिकै द्रुतकी अवृतिसौ देसी ताल उत्पन्न कीनो याको द्वितीय ताल नामकीयो अथ द्वितीय तालको लक्षण लिख्यते जा तालमै दोईही द्रुत होय और गीत नृत्य आदिकनमै रस उपजावै सो ताल द्विती ताल जानीयै यह ताल द्रुतालो है अथ द्वितीय तालको स्वरूप लिख्यते ०० अथ पाठाक्षर जग० जग० इति द्वितीय ताल संपूर्णम् ।

द्वितीय ताल जेत्र दोय तालो			
इनमै परमल	यामै अक्षर ताल मात्रा	यामै समस्या	यामै चचकार

प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।ऽ।०	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो फालो	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२।।०	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल बिंदीहै सो फालो फालापेमान	चचकार ते २

अथ आदि तालकी उतपति लिखते शिवजीने उन मारग तालनमे विचारिके नृत्य गीत वाद्य नादमें बरतिवेकों द्रुत लघु लेके देसी ताल उतपंनि करि वाको आदि ताल नाम कीनो अथ आदि तालको लक्षण लिखते जा ताल मे प्रिथ दोर द्रुत होइ और एक लघु होइ या रीति जिस तालमै होइ सो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
७८

आदि ताल जानीये यह ताल तितालो है आदि तालको स्वरूप लिख्यते ००।

अथ आदि तालको पाठाक्षर लिख्यते जग० जग० तकथों इति आदि ता

ल संपूर्णम् ३ ॥

78

आदि ताल तितालो ३			
इनमें परमल	यामें अक्षर ताल मात्रा	यामें समस्या	यामें चचकार
प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१ –	अथ द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल है आगे लीक है सो मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२ =	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल है लीक है सो मात्रा	चचकार ते २
तीसरी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ०३ ≡	प्रथम लघुकी निशानी अंक है सो ताल है लीक है सो मात्रा है मात्रा पैमाना है	चचकार थेई ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ चतुर्थ तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे विचारि
के गीत नृत्य वाद्यमे बरतिवेको अणु और द्रुतलेके देसी ताल उतपन्न क
रिवाको चतुर्थ ताल नाम कीनो अथ चतुर्थ तालको लक्षण लिख्यते या
तालमे दोइ अणु होइ और एक द्रुत होइ या छंदसों गीतादिकनमे स्वरउ
पजावे सो चतुर्थ ताल जानीये यह ताल तितालो है अथ चतुर्थ तालको
स्वरूप लिख्यते ᴗ ᴗ ० अथ पाटाक्षर लिख्यते त ८ त ८ थों०
इति चतुर्थ ताल संपूर्णम् ४ ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

७९

चतुर्थ ताल तितालो ३			
इनमै परमल	यामै अन्तर ताल मात्रा	यामै समस्या	यामै चचकार
प्रथम तालके परमल त	निशानी अणुः ताल मात्रा ४१—	प्रथम अणुकी निशानी अंकोहै सो ताल आगे लीकहै सो मात्रा चौथाई	चचकार ति १
दूसरी तालके परमल त	निशानी अणु ताल मात्रा ४२—	प्रथम अणुद्रुतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा चौथाई	चचकार ति २
तीसरी तालके परमल थों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	प्रथम द्रुतकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै लीकहै सो मात्रा जानीये आधी	चचकार ते ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ सम्म तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमैं विचारिकै
गीत नृत्य वाद्य नाट्यमैं बरतिवेकों अणु दविराम लैके देसी ताल उतपंनि क
रि वाको सम्म ताल नाम कीनो अथ सम्म तालको लक्षण लिख्यते जा ता
लमै एक अणु होइ अरु दोइ दविराम होइ या रीतिसो ताल गीतादिकमे सु
ख उपजावै सो सम्म ताल जानीये यह ताल तितालोहै अथ सम्म तालको
स्वरूप लिख्यते ८ ० ० अथ पाटाक्षर लिख्यते त ५ धला०
थों० इति सम्म ताल संपूर्णम् ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८०

80

सप्तम ताल तिताले ३

इनमें परम ल	इनमें अक्षर ताल मात्रा ९	यामें समस्या	यामें चच कार
प्रथम तालके परमल न १	निशानी अण ताल मात्रा ५ १	प्रथम अणद्रुतकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ति १
दूसरी तालके परमल धलां २	निशानी दविराम ताल मात्रा ० २ ३	प्रथम दविरामकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा पोण	चचकार तत २
तीसरे तालके परमल थों ३	निशानी दवि राम ताल मात्रा ० ३ ३	प्रथम दविरामकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा मात्रापे विश्राम विश्राम पेमान	चचकार तत ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ अष्टम तालको उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे विचा
रिके गीत नृत्य वाद्य नाट्य वरतिवेको दविराम अणु लघु लेके देसी ता
ल उत्पन्न करि वाको अष्टम नाम कीनो अथ अष्टम तालको लक्षण लिख्य
ते जा तालमै एक दविराम होई अरु एक अणु होइ और एक लघु होइ या
रीतसों गीता दिकमैं सुख उपजावै सो ताल अष्टम ताल जानीये यह
ताल तिताली है अथ अष्टम तालको सरूप लिख्यते ० ꣹ । अथ
पाटाक्षर लिख्यते धलां ततकथों इति अष्टम ताल संपूर्णम् ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८८

प्रथम ताल तिताली ३

इनमें परमल	यामें अंतर ताल मात्रा	यामें समस्या	यामें चचका २
प्रथम तालके परमल धलां	निशानी दविराम ताल मात्रा ०।३	प्रथम दविरामकी निशानी आगे अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो मात्रा पैाण	चचकार तत १
दूसरी तालके परमल न	निशानी अणुता ल मात्रा ◡२–	प्रथम अणु द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ति २
तीसरी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ता ल मात्रा ।३।	प्रथम लघुकी निशानी अंकहै सो ता ल लीकहै सो मात्रा मात्रापै विश्राम विश्रामपैमान	चचकार थेई ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ निसंक लीला तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग ता
लनमै विचारिके गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे बरतिवेको षट पिता पुत्रकी
जातिसों अर चंचत पुटसों सुत गुरु लघु लैके देसी ताल उत्पन्न करिवा
को निसंक लीला ताल नाम कीनो अथ निसंक लीला तालको लक्ष
ण लिख्यते सुत जुग गुरु जुग अरु लघु एक ऽऽ ऽऽ । यो निसंक
लीलकी टेक जा तालमै दोई सुत होइ और दोई गुर होइ एक लघु हो
इ या रीतिसों गीतादिकमैं सुख उपजावै सो ताल निसंक लील जानी
ये यह ताल पंच तालोहै अथ निसंक लीला तालको स्वरूप लिख्यते

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता ड ३ ऽ ऽ । अथ पाचातार लिखेने थिकतांतांतां थिम ३ धुंकिट घडि गधा ३
ध्या नकिं टकिट ऽ तकिंटकि ऽ थों ।१ इति निसंक लीला ताल संपूर्णम् ॥
८२

८२

निसंक लीला पंचतालो ५

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	यामे चचकार
प्रथम तालकी परमल थिकितातथिम	निशानी लत ताल मात्रा कंडालो विंदी ३ १॥।०	प्रथम लतकी निशानी अंकहै सो ताल अ गेलीकहै सो मात्रा गोल कंडालो परिक्रमा विंदी हाथको फालो	चचकार थेई तितनत थेई थेई १
दुसरी तालके परमल धुंकिटघडिगधा	निशानी लत ताल मात्रा —३२॥।०	प्रथम लतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकंडालो परिक्रमा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेई तितनत थेई थेई २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके परमल तकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३।।०	प्रथम गुरकी निशानी अंकहै सो ताल आगे लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतितत ३
चौथी तालके परमल तकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४।।०	प्रथम गुरकी निशानी आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्राहै विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतितत ४
पंचमी तालके परमल थो	निशानी लघु ताल मात्रा [illegible] ।५	प्रथम लघुकी निशानी अंकहै सो ताल आगे लीकहै सो मात्रा मात्रापै विश्राम विश्रामपै मान	चचकार थेई ५

अथ चंद्र तालकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमें विचारकें गीत नृत्य वाद्य नाटमें वरतिवेको उदघट घट पिता पुत्र चंचत्पुटमें सो गुरु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८३

रुत लघु लेके देसी ताल उतपन्न करि वाको चंद्रकला ताल नाम कीनो अथ
चंद्रकला तालको लछण लिख्यते जामै तीन गुरु होइ और तीन रुत होइ
एक लघु होइ या रीतसों गीतादिकमैं रखे उपजावै सो चंद्रकला ताल नाम
जानीये यह मान तालौहै अथ चंद्रकला तालको स्वरूप लिख्यते
ऽऽऽ ऽऽऽ। त किट किट त किट किट त किट किट धिकतांतांतां धिम
धिकतांतांतां धिम धिकतांतांतां धिम थों ॥ इति चंद्रकला ताल
संपूर्णम् ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चंद्रकला ताल सात तालो ७

यामे परमल	यामे अक्षर मात्रा ताल	यामें समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल तकिटकिट १	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१॥	प्रथम गुरकी निशानी आगे अंक है सो ताल आगे लीक है सो मात्रा	चचकार थेईतिततत १
द्वितीय तालके परमल तकिटकिट २	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥	प्रथम गुरकी निशानी आगे अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा	चचकार थेईतिततत २
तीसरी तालके परमल तकिटकिट ३	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३॥	प्रथम गुरकी निशानी आगे अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा	चचकार थेईतिततत ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८४

84

चोथी तालके पर मल धिकतांतांतां धिम ४	निशानी स्तुत ताल मात्रा ऽ४।।।	प्रथम स्तुतकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ४
पंचमी तालके पर मल धिकतांतांतां धिम ५८	निशानी स्तुत ताल मात्रा ऽ५।।।	प्रथम स्तुतकी निशानी आगे अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ५
छटी तालके पर मल धिकितांतांतां धिम ६	निशानी स्तुत ताल मात्रा ऽ६।।।	प्रथम स्तुतकी निशानी आगे अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा जानीये	चचकार थेईतिततत थेईथेई ६
सातवी तालके परमल थों ७	निशानी लघु ताल मात्रा ।७।	प्रथम लघुकी निशानी आगे अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा मात्रापे विश्राम विश्रामपे मान	चचकार थेई ७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ ब्रह्म तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीनें देसी तालनमें बरतिवेको मार
ग तालनसों द्रुत लघु उद्धार करिवाको ब्रह्म ताल नाम कीनो अथ ब्रह्म ताल
को लक्षण लिख्यते मूल दोहरा॥ बान बलै सर जग बलै व्यापक अरु त्रय रू
प।०।००।०००। व्यापक बड़रो अंत धरि ब्रह्म ताल याहरूप टीका जामें प्र
थम लघु होय दूसरो द्रुत होय अरु तीसरो लघु होय फेर दोय द्रुत होय फेर
एक लघु होय तीन द्रुत होय फेर एक लघु होय ऐसें गीतसों द्रुत लघु मि
लि जावे दस ताल होय सो ब्रह्म ताल जानीये यह दस तालोहै याको प्रब
धनहै वा गीत गान नृत्य नाट्य वाद्यमें बरततहै कोई तीन द्रुतके अस्थान

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८५

85

वारि द्रुत कहतिहै अथ ब्रह्मतालको पाटाक्षर लिख्यते ।०।००।०००। उदाहरण
ततधिमि किट ० धिमिथों तग० तग० धिमितग तग० धिधि० गण० थों ।१
तथरिकि । धिमि० तथरिकि । थरि० थरि० धिमिथरि । झझ० धधि० गण
० थों । २ झटरिकि । झझ १ झंदरिकि । दां० दां० दांधिमि । धिमि० धधि०
गण० थों । ३ फेंफाकि । किण १ फग नग । नग० धिमि० नगधिमि । नग
नगनग० धिधि० गणथीं ० थों । ४ इतिब्रह्मताल ॥

अथ ब्रह्म तालकोजंत्र यह दस तालोहै १०			
इनमै परमल	इनमै अक्षर ताल शर्ता	इनमै समस्या	इनमै चचकार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके परमल ततथिमि तथरि कि कदरि किफोफक	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	प्रथम लघुकी निशानी अंकहै सो मात्रहै ताल आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार थेई १
दूसरी तालके पर मल किटथिमि कुक्क किण	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ताल आगे लीकहै सो मात्राहै आधी	चचकार ते २
तीसरी तालके पर मल । थिमिथों तथरिकि कुदरिकि फगनग	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	प्रथम लघुकी निशानी अंकहै सो ताल है तालआगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार थेई ३
चौथी तालके पर मल तगथरि दां नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	प्रथम द्रुतकी निशानी आगे अंकहै सो तालहै ताल आगे लीकहै सो मात्राहै आधी	चचकार ते ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८९

86

पांचमी तालके परमल नगथरिदाधिमि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	प्रथम द्रुतकी निशानी ताके आगे अंक है सो ताल है ताल आगे लीक है सो मात्रा है आधी	चच्कार ते ५
छटी तालके परमल । धिमितगधि मि थरिदांधित नगधिम	निशानी लघु ताल मात्रा ।६।	प्रथम लघुकी निशानी आगे अंक है सो ताल आगे लीक है सो मात्रा जानीये	चचकार थेई ६
सप्तमी तालके परमल । नग·कुकु धिधि नग तग नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	प्रथम द्रुतकी निशानी ताआगे अंक है सो ताल ताल आगे लीक है सो मात्रा आधी	चचकार ते· ७
आठमी तालके परमल । धिधिधधि धधिधिधि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	प्रथम द्रुतकी निशानी ता आगे अंक है सो ताल अर लीक है सो मात्रा आधी	चचकार ते: ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नवमी तालके परमल गण गण गण गण	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०९=	प्रथम द्रुतकी निशानी ता आगे अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा आधी	चचकार तें० ९
दसमी तालके परमल थों थों थों थों	निशानी लघु ताल मात्रा १।०।	प्रथम लघुकी निशानी ता आगे अंकहै सो तालहैं ता आगे लीकहै सो मात्राहै मात्रापै विश्राम विश्राम पैमान	चचकार थेई १०

अथ रुद्रावान तालकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमैं सो विचारके गीत नृत्य वाद्य तालमैं बरतिवेको द्रुत लघु लेके देसी ताल उत्पन करि वाको रुद्रावान ताल नाम कीनो अथ रुद्रावान तालको लछण लिख्यते छंद व्यंजन सर बिंदक जग थान ०।००। रुद्रावानको यहै प्रमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८७

न जामे एक द्रुत होय एक लघु होय फेर द्रुत होय फेर एक लघु होय या रीतिसो गीतादिकमे रसव उपजावै सो ताल रङ्गा जानीये यह ताल पंच तालोहै कोई एक द्रुतके अस्थान दोय द्रुत करहतिहै अथ रङ्गा नाम तालको स्वरूप लिख्य ते ०।००। अथ पाटा क्षर लिख्यते नग नग धिमि जग नग धिमिथों इति रङ्गावान ताल संपूर्णम् ॥

रङ्गावान पंच तालो ५			
इनमै परमल	इनमै अक्षर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमै चचकार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके पर मल १ धिमिनग घरि किण नधि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार ते १
दूसरी तालके परम ल २ किटिनगतग धिमिनगघरि तत झकुथोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	प्रथम लघुकी निशानी अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके पर मल ३ तगफग घरिनकधधि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार ते ३
चौथी तालके पर मल ४ धिमि नगनगदागण	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो मात्रा	चचकार ते ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८८

88

पांचमी तालके परमल। नगथों धिमिथोंधरिथोंकि णथोंथों	निशानी लघु ताल मात्रा १५।	प्रथम लघुकी निशानी अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो मात्राघे विश्राम विश्राम पेमान	चचकार थेई ५

अथ चतस्र तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीनै उन मारग तालनमे सों विचारि कै गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे वरतिवेको द्रुत लघु लेके देसी ताल उत्पन्न करि वाको चतश्र ताल नाम कीनो अथ चतश्र तालको लक्षण लिख्यते चौपई तीन बलै लघु अंत उदान चतश्र ताल या भाति बषान ०००। टीका जामें तीन द्रुत होइ और एक लघु होइ या रीतिसो गीतादिकमे सबे उपजावे सो ताल चतश्रताल जानीये यह चोदा तालोंहै १४ अथ चतश्र तालको स

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रूप लिख्यते ।०००।ः॥ अथ पाठाक्षर लिख्यते ।० क्रुक० थरि० नक० थरिधा० था० थरि० धिमि थरिधा ०२ धा० धधि० गण० धा १ इति चतुश ताल संपूर्णम् ॥

अथ चतुश ताल जंत्र चौताला ४			
इनमै परमलु	इनमै अक्षर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमै चचकार
प्रथम तालके परमलु क्रुक्रु	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो मात्रा	चचकारने १

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
८९

81

दूसरी तालके पर मल धरि २	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ताके आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार ने २
तीसरी तालके पर मल नक ३	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ताके आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार ने ३
चौथी तालके पर मल धरिधा ४	निशानी लघु ताल मात्रा ०४=	प्रथम लघुकी निशानी अंकहै सो तालहै ताके आगे लीकहै सो मात्राहै मात्रापै विश्राम विश्रामपैमान	चचकार थेई ४

अथ कुंभ तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन तालनमे विचारिकै गीत नृत्य वाद्य तालमै बरतिवेको अग्र द्रुत दविराम लघु लविरामनकी क्रम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उतक्रम सों आव्रतिते देसी ताल उतपत्ति करिवाको कुंभ ताल नाम कीनो
अथ कुंभ तालको लक्षण लिख्यते ।०। जामें पांच द्रुत होइ फेर एक अणु
होइ एक दविराम होइ एक लघु होइ फेर एक द्रुत होइ एक अणु होइ फेर
एक दविराम होइ एक लघु होइ एक द्रुत होइ और एक लविराम होइ यारी
तसों गीतादिकमे सुख उपजावे सो कुंभक ताल जानीये यह चौदह तालोहै
१४ अथ कुंभ तालको स्वरूप लिख्यते ००००० ऽ ०।० ऽ ०।ऽ : ॥ याकी प
रमल लिख्यते जग० नग० नग० जग० नग० थलो ऽ तकथों । जग ०
त ० थलांग ऽ कतथों । जग ० ततकथों ।ः यह चौदह तालोहै इति कुं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९०

90

भ ताल संपूर्णम् ॥

कुंभताल चौदा तालो १४			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल जग १	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल जग २	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ताके आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार ते २

९०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके परमल नग ३	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सोताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ने ३
चौथी तालके परमल नग ४	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सोताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ने ४
पांचमी ताल के परमल नग ५	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ने ५
छठी तालके परमल नग ६	निशानी अणु द्रुत ताल मात्रा ०६	अणुद्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार नत ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
५१

सातमी तालके परमल धलां ७	निशानी दविराम ताल मात्रा ०७ ३	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै मात्रा	चचकार नत ७
आठमी तालके परमल तकथों ८	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई ८
नवमी तालके परमल जग ९	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०९=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ते ९
दशमी तालके परमल त १०	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१०–	अणद्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ति १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ग्यारमी तालके परमल थलांग ११	निशानी दविराम ताल मात्रा ०॥ऽ	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार तत ११
बारमी तालके परमल कतथों १२	निशानी लघु ताल मात्रा ।१२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई १२
तेरमी तालके परमल जग १३	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार ते १३
चौदहीं तालके परमल ततकथों १४	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१४=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा मात्रापै विश्राम विश्रामपैमान	चचकार ततथेई १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९२

अथ लक्ष्मी तालकी उत्पति लिखते शिवजीने उन मारग तालनमे सो विचार करिकै गीत नृत्य वाद्यमे बरतिवेको और उत्सव सबे उपजायवेको देसी ताल को उत्पन्न करि वाको लक्ष्मी ताल नाम कीनो अथ लक्ष्मी तालको लक्षण लिखते दोहा छंद वलय जुगल इक बाण अर्ध विंदकको जुग रवि द्रुत दविराम रुघ लघु द्रुत द्वय दविरामहि साचि वलय विराम रु मेरु द्रूप द्वै करलविरामहि लक्ष्मी ताल प्रमाणहीं नामतिही सबे धामहि टीका जामे प्रथम दोइ वलय कहीये द्रुति होइ एक लघु होइ फेर दोइ अणु द्रुत होइ एक द्रुत होइ एक दविराम होइ अरु एक ख कहीये द्रुत होइ फेर एक लघु होइ फेर

९२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दोर द्रुत होर एक दविराम होर फेर द्रुत होर फेर एक दविराम होर फेर एक
लघु होर फेर दोर रूप कहीए द्रुत होर एक लविराम होर ००।ᑌᑌ००́
०।०००́०००́।००। ऐसे द्रुत लघु दविराम लविराम मिलके अठारह
१८ ताल जहां आवै सो देसी ताल लक्ष्मी ताल कहीये अथ लक्ष्मी तालके
पाठाक्षर लिखेते उदाहरण दं०दों ० तक्कधरि । त ᑌ त ᑌ धरि ०
धरिक्कु ०́ तग० दांधिमि । जग ० जग ० थला ०́ जग ० थलो ०́ तग
धिमि । धधि ० गण ० थो । इति लक्ष्मी ताल संपूर्णम् जा तालको
काढ़ने ऐसो लक्षण कहिऊहै दस ग्यारमो जो द्रुत तिनके अस्थान

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९३

होइ अथवा द्रुत होइ ।।

अथ लक्ष्मी ताल अढारह तालो १८			
इनमे परमल	इनमे अढार ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चचकार
प्रथम तालके परमल दां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल दां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके परमल तकुथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल ताके आगे लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई २
चोथी तालके परमल त	निशानी अणु ताल मात्रा ०४-	अणुद्रुतकी निशानी अंक है सो ताल ताके आगे आडी लीक है सो चोथाई मात्रा	चचकार ति ४
पंचमी तालके परमल त	निशानी अणु ताल मात्रा ०५-	अणुद्रुतकी निशानी अंक है सो ताल ताके आगे आडी लीक है सो चोथाई मात्रा	चचकार ति ५
छैमी तालके परमल थरि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल ताके आगे आडी लीक सो आधी मात्रा है	चचकार ते ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९४

सातमी तालके परमल थरिक	निशानी दविराम तालमात्रा ०।=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत ७
अठमी तालके परमल तग	निशानी द्रुत तालमात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ८
नवमी तालके परमल दांधिमि	निशानी लघु तालमात्रा १९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई ९
दसमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत तालमात्रा ०९=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ९

94

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०११=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ११
बारमी तालके परमल थलो	निशानी दविराम ताल मात्रा ७१२=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार तत १२
तेरमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १३
चौदमी तालके परमल थलो	निशानी दविराम ताल मात्रा ७१४=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार तत १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९५

पंद्रमी तालके पर मल तगधिमि	निशानी लघु ताल मात्रा ।१५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १५
सोलमी तालके परमल धधि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१६=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १६
सतारमी तालके परमल गण	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १७
अठारमी तालके परमल थों	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१८।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो मात्रा	चचकार तथेई १८

९५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ झुंड नाचका तालकी उत्पत्ती लिख्यते याहीकों झुडिनाची कहतिहै शिव
जीने उन मारगी तालनमै सो बिचारि करिके गीत नृत्य वाद्य नादमै बरतिवे
को द्रुत लघु लविरामके देसी ताल उत्पन करि याको झुडनाची नाम कीनो
याको लोकमै झुडनाची कहैहै अथ झुंडनाचीको लछण लिख्यते छंद व
लयभेद लविरामषसर बद्धरो लविरामहि व्यापक औरो बलय रचो अतिही
५८ अभिरामहि सरल बद्धर लविराम कृपा लविरामहि उनगत झुंडनारिकाता
श्री लकहै सवयों शुन जन भनि टीका जा तालमै एक द्रुत होय और एक लघु
गु होय फेर एक लविराम होय अरु एक द्रुत होय एक लघु होय फेर एक लवि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९

96

रामहोर एक लघु होर फेर एक द्रुत होर एक लघु होर फेर एक लविराम
होर और एक दविराम होर ऐसे द्रुत लघु लविराम मिल बारह ताल होई है
सो ताल कंडनाची जानीये अथ कंडनाची को सरूप लिखते धा। ०। ०।।
। ०। ०। तं० नथेया । धरिकुदरिक। किट० कंडथरि
। नग नथा । थलो। नग धिमि। नग० धिमितग। थाथ वि धधि। गण०
थो। इति कंडनाची ताल संपूर्णम् ।।

कंडनाची ताल बारह तालोहै १२			
इनमे तोपरमल	इनमे अन्तर ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चचका २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके परमल तं	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ताके आगे आडीलीकहै सो आधी मात्रा जानीये	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल नथेया	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो एक मात्रा जानीये	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल थरिकुदरीक	निशानी लविराम ताल मात्रा ।३।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो मात्रा जानीये	चचकार तथेई ३
चौथी तालके परमल किट	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ताके आगे आडी लीक सो आधी मात्राहै	चचकार ते ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९०

97

पंचमी तालके परमल क्रुंदथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ५
छैमी तालके परमल नमनगधलां	निशानी लविराम ताल मात्रा ऽ।९।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो मात्राहै	चचकार तथेई ९
सातमी तालके परमल नगधिमि	निशानी लघु ताल मात्रा ।७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे लीकहै सो मात्रा एकहै	चचकार थेई ७
आठमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२०=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै ताके आगे आडी लीकहै सो मात्रा आधीहै	चचकार ते ८

९०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नवमी तालके परमल धिमिनग	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो तालहै आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ९
दसमी तालके परमल धाधरिधधि	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१०।=	लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै आगे लीकहै सो डेढ मात्राहै	चचकार तथेई १०
यारमी तालके परमल गण	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।।=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ११
बारमी तालके परमल थों	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१२।=	लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै आगे लीकहै सो डेढमात्राहै	चचकार तथेई १२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
९८

अथ अर्जुन तालकी उत्पति लिष्यते शिवजीने उन मारगी तालनमें विचारिके
गीत नृत्य वाद्य नाट्यमें वरतिवेको द्रुत लघु लविराम लेके देसी ताल उत्पन्न क
रि वाको अर्ज्जुन ताल नाम कीनो अथ अर्जुन तालको लक्षण लिष्यते मूल दो
हरा बलय मेर बंजन सरल गमम तीन लघु एक विंदक अरु लविराम पुनि
अरजुन ताल विवेक टीका जा तालमें एक द्रुत होइ अरु एक लघु होइ फेर एक
द्रुत होइ एक लविराम होइ या रीतिसों गीतादिकमें ताल उपजावै सो अर्जुन
ताल जानीए यह ताल दस तालो है. अथ अर्जुन तालको स्वरूप लिष्यते
०।०।०००।०। अथ पाठाक्षर लिष्यते याहीको लोकमें परमल कहत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

है जग० तकथों। जग० तकथों। जग० जग० जग० तकथों। जग०
ततकथों।"॥ इति अर्जन ताल संपूर्णम् ॥

अर्जन तालको दस तालो १			
इनमें परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	यामें समस्या	यामें चचकार
प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ता ल मात्रा ०।=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै आगे ली कहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल आगे लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११

९९

तीसरी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३॥=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है आगे आधी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है आगे लीकहै सोई मात्रा	चचकार थेई ४
पांचमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ५
छेमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०६=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है तां आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा है	चचकार ते ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सातमी ताल के परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै तां आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी ताल के परमल तकथो	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल तां आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार थेई ८
नवमी ताल के परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ०९=	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ता लहै ता आगे लीकहै सो सवा मात्रा	चचकार ते ९
दसमी ताल के परमल ततकथों	निशानी लवि राम ताल मात्रा ।१०–	लविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै तां आगे लीकहै सो सवा मात्रा	चचकार तथेई १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ कुल तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन तालनमें सो विचारिकें गीत
नृत्य वाद्य तालमें वरतिवेको द्रुत लघुको उलटे सुधेरचि उनसों देसी ताल उ
त्पन्न करि वाको कुल ताल नाम कीनो अथ कुल तालको लक्षण लिख्यते
प्रथम एक द्रुत एक लघु होइ फेर एक द्रुत एक लघु होइ फेर एक द्रुत एक
लघु होइ और तीन द्रुत होइ फेर एक लघु होइ फेर चार द्रुत होइ एक लघु हो
इ या रीतिसों गीतादिकमें सुख उपजावे सो ताल कुल जानीये यह ताल
पंद्रह तालोंहे कुल तालको सरूप लिख्यते ०।०।०।०००।००००।
अथ पाठाक्षर लिख्यते जग० तकथों। जग० तकथों। तग० तकथों।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जग० नग० नग० नकथों । नग० जग० नग० जग० नकथों । इति कु

ल ताल संपूर्णम् ॥ कोई या तालको अडताल तालो कहत हैं मूल दोहरा

दल दल दल द्रुत जग सरल तीन वले सर एक चार बिंद लघु अंत लिखि कु

ल तालहि सुख टेक टीका इहां दकारते द्रुत लकारते लघु लीजीए द्रुत

लघु फेर द्रुत लघु फेर द्रुत लघु आगे दोइ द्रुत एक लघु फेर तीन द्रुत ए

क लघु आगे चार द्रुत एक लघु ऐसे अडतालहि तालको ताल है याको स

रूप लिख्यते ०।०।०।००।०००।००००। अथ याके पाठाक्षर लिख्यते

जग० नकथों । नग० नकथों । नग० नकथों । जग० नग० नकथों ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जग० तग० नग० तकथों । नग० जग० नग० जग० तकथों । इति अठारह
तालको कुल ताल संपूर्णम् ॥ यामें दोइ द्रुत एक लघु अधिक है याते अ
ठारह तालको ताल है जिनोने दोई द्रुत एक लघु नही लीयो तिनके मत:
में पंद्रह तालको ताल है याको जेन अठारहि तालको लिखनि है वारीमें पंद्र
हि तालको ज्ञान लीजीए ॥

कुल ताल पंद्रह तालको १५			
इनमें परमल	इनमें अठार ताल मात्रा	यामें समस्या	यामें चचकार

प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै तां आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै।	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२

102

पांचमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ५
छैमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा १४।	लघुकी निशानी ताके आगे अंक है सो तालहै ता आगे लीकहै सो १ एक मात्राहै	चचकार थेई ४
सातमी ताल केपरमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ७
आठमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नवमी तालके परमल नकथों	निशानी लघु ताल मात्रा १	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताके आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ९
दसमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१०=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते १०
ग्यारमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०११=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ११
बारमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१२=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१०३

103

तेरमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१३।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १३
चौदमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१४=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १४
पंद्रमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१५=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १५
सोलमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१६=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते १६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सतारमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१२३	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १७
अठारमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१८।	लघुकी निशानी ताके आगे अंक है सो तालहै ता आगे लीकहै सो एक मात्रा मात्रापे विश्राम विश्राम पेमान	चचकार थेई १८

अथ रच्या तालकी उत्पति लिख्यते याको रच्या तालभी कहतिहे शिवजीने उन मारगी तालनमे विचारिके गीत नृत्य वाद्यमे बरतिवेको लघु द विराम लेके देसी ताल उत्पन्न करि वाको रच्या ताल नाम कीनो अथ रच्या तालको लक्षण लिख्यते चौपई एक लघु एक द विराम रच्या ताल यहे अभि राम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

टीका जा तालमे एक लघु होइ अरु एक दविराम होइ या रीतिसों गीतादिक मे रूपक उपजावे सो रच्या ताल जानीये यह ताल डुतालोहै अथ रच्या तालको स्वरूप लिख्यते ।० अथ पाठाक्षर लिख्यते नकथों । धलों इति रच्या ताल संपूर्णम् ॥

रच्या ताल दोइ तालो २			
इनमे परमल	इनमै अक्षर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल नकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दूसरी तालके परमल पलं	निशानी दविराम ताल मात्रा ०२ऽ	दविरामकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताके आगे आडी लीकहै सो पै ए मात्रा पै विश्राम विश्राम पै मान	चचकार तत २

अथ संनि तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारगी तालनमे विचारि के गीत नृत्य वाद्य नादमैं वरतिवेकौं द्रुत लघु लेके देसी ताल उत्पन्न करि वा को संनिताल नाम कीनो अथ सनि तालको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा तीन विंदु शर एक रचि द्रुत है व्यापक सोइ ०००।००। सनि तालयों कहत है सकल गुनी जन लोइ टीका जा तालमे तीन द्रुत होइ अरु एक लघु होइ फेर दोइ द्रुत होइ अरु दोइ लघु होइ या रीतिसों गीतादिकमें रहवे उ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१०५

पजावे सो ताल सनि ताल जानीये यह ताल अष्टतालोहै कोई याके अंतमे एक लघुभी करतहै जिनके मतिमे सात तालोहै अथ सनि तालको सरूप लिखेते जग० नग० नग० तकथो । जग० नग० तकथों । तकथों पाद्दास रसंपूर्णम् ॥

105

सनि ताल अष्टतालो ८			
इनमै परमल	इनमै अक्षर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमै चचका २
प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	प्रथम द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकारते ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दूसरी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते २
तीसरी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी ता आगे अंकहै सो ताल है ताके आगे आडी लीकहै सो आधी मात्रा जानीये	चचकार ते ३
चोथी तालके परमल नकथों	निशानी लघु ताल मात्रा १४।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ता लहै ताके आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ४
पंचमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ता लहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९

106

छैमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ।६।	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ६
सातमी ताल के परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।७।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै तां आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ७
आठमी ताल के परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ताके आगे लीकहै सो एक मात्रा मात्रापे विश्राम विश्रामपे मान	चचकार थेई ८

अथ सिंघ विक्रम तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारगी तालन
मै विचारिकै गीत नृत्य वाद्य नाट्यमै बरतिवेको उधारि चंचत्पुटनसो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गुरु लघु प्लुत लेके देसी ताल उत्पन्न कवि वाको सिंघ विक्रम ताल नाम
कीनो अथ सिंघ विक्रम तालको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा तीन हारु स
र अंग सर बहुरों कंकन अंग ऽऽऽ।ऽ।ऽऽ तालसिंघ विक्रम यहै उपजावै
रस रंग जामें तीन गुरु होइ एक लघु होइ एक प्लुत होइ फेर एक लघु हो
इ और एक गुरु होइ फेर एक प्लुत होइ या रीतिसों गीतादिकमें स्रावे उप
जावै सो सिंघ विक्रम ताल जानीये यह अठ तालहै अथ सिंघ विक्रम
तालको स्वरूप लिख्यते ऽऽऽ।ऽ।ऽऽ अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीको
लोकमे परमल कहतहै ताताथोंकिट ऽ धिधिनकथोंकिट ऽ धिधिकट

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१०७

धिधिकट ऽ थोंगा । धिधिमिधिधिमिधिमिथोंगा ऽ ताथों । ततथरिताथुं ऽ ताकिताकिधिधि गनथो ऽ इति सिंघ विक्रम ताल संपूर्णम् ॥

अथ जंत्र लिख्यते ॥

107

सिंघ विक्रम ताल अठताली ८

इनमें परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	यामें समस्या	यामें चचकार
प्रथम ताल के परमल तताथों किट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।।ः	गुरकी निशानी अंकहै सोताल ताआगे लीक है सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतित तत १

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दूसरी तालके परमल धिधिनकथोंकिट	निशानी गुरताल मात्रा ऽ२॥	गुरकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ता आगे लीकहै सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत २
तीसरी तालके परमल धिधिकट धिधिकट	निशानी गुर ताल मात्रा ऽ३॥	गुरकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ता आगे लीकहै सो मात्रा जानीये बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ३
चौथी तालके परमल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ता आगे लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४
पांचमी तालकेपरमल धिधिमि धिधिमि धिमिथोंगा	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ५॥।०	लुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ताल है ता आगे लीकहै सो मात्राहै गोल कुंडालो सो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो फालोपे विश्राम विश्रामपेमान	चचकार थेईतिततत थेईथेई ५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९८

छेमी तालके पर मल ताथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ता लहै ता आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ६
सातमी तालके परमल ततथरि तांथुं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ७॥ ०	गुरुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो मात्राहै बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ७
आठमी तालके परमल । ताकि ताकिधिधिगनथों	निशानी लुत ता लमात्रा ऽ८॥। ०	लुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ता लहै लीकहै सो मात्राहै गोलकुंडालो सो एकिमा बिंदीहै सो हाथको फालो कालापै विश्राम विश्रामपैमान	चचकार थेईतितनत थेईथेई ८

108

अथ महा सानि तालको उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने इन मारगी तालनमें विचारिके गीत नृत्य नाट्यमें बरतिवेकों इन लघु लैके देसी ताल उत्पन्न क

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रि वाको महा सन्नितल नाम कीनो अथ महा संनि तालको लक्षण लिख्य
ते अल दोहरा तीन गगन सर जग बलय सर विंडक सर रूप तीन मेरु ब
डुरो रचे महासंनिको रूप टीका जामे प्रथम तीन द्रुत होइ ओर दोइ लघु
होइ फेर एक द्रुत होइ एक लघु होइ एक द्रुत होइ फेर एक लघु होइ ओर
दोइ द्रुत होइ फेर तीन लघु होइ या रीतिसों गीतादिकमे सुख उप जावे
सो महा संनि ताल जानीये यह ताल चोतालोहे अथ महा संनि तालको स्व
रूप लिख्यते ००० ।। ० । ० । ०० ।।। जग० नग० नग० तकथों । तकथों
। जग० तकथों । नग० तकथो । जग० नग० तकथों । तकथों । तक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१०५

थों । ।। इति महा सन्नि ताल संपूर्णम ।।

महा सन्नि ताल चौदा तालो १४			
इनमे परमल	यामे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चचकार
प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल तग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते २

१०५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ३
चोथी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ४
पंचमी तालके परमल तकथो	निशानी लघु ताल मात्रा ।५।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे लीकहै सो एक मात्राहै	चचकार थेई ५
छमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०९=	द्रुतकी निशानी ताके आगे अंकहै सो तालहै ता आगे आडी लीकहै सो आधी मात्राहै	चचकार ते ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११

110

सातमी तालके परमल नकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	लघुकी निशानी ताके आगे अंकहै सो ता लहै तो आगे लीकहै सो मात्रा है मात्रापे विश्राम विश्राम पैमान	चचकार थेई ७
आठमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।८	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ८
नवमी तालके परमल नकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ९
दसमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१०=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारमी तालके परमल तग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।।=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार थेई ११
बारमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १२
तेरमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १३
चौदमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१११

अथ यति शेखर तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारगी तालनमें वि
चारिके गीत नृत्य वाद्य नाट्यमें बरतिवेको द्रुत लघु लेके देसी ताल उत्पन्न
करि वाको यति शेखर नाम कीनो अथ यति शेखर तालको लक्षण लि
ख्यते मूल दोहरा बिंदु मेरु जुग बिंदु जुग लघु द्रुति अरु हेबान यति शेख
र यह तालहे कहे सबे परमान ०।।००।०।। टीका जामें प्रथम एक
द्रुत होइ फेर दोइ लघु होइ फेर दोइ द्रुत होइ फेर एक लघु होइ फेर एक
द्रुत होइ दोइ जामें लघु होइ या रीतिसों गीतादिकमें सबे उप जावे
सो यति शेखर ताल जानीये यह ताल नौ तालोहे अथ यति शेखरता

१११

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लके स्वरूप लिख्यते ०।। ००।०।। अथ पाठाक्षर लिख्यते याहीको
लोककमें परमल कहतहैं न० । नकथों । नकथों । जग० जग० न
कथों । दों० धिमिधिमि । गनथों । इति पाठाक्षर संपूर्णम् ॥
इति यति शेखर ताल संपूर्णम् ॥

यति शेखर ताल नो तालो १

इनमें परमल	यामें अक्षर ताल मात्रा	इनमें समस्या	यामें चचकार
प्रथम ताल के परमल नों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ने १

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११२

दूसरी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३
चौथी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ४
पांचमी ताल के परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

छठमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा १६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्राहै	चचकार धेई ६
सातमी तालके परमल दां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आ डीलीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी तालके परमल धिमि धिमि	निशानी लघु ताल मात्रा १८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार धेई ८
नवमी तालके परमल गनधों	निशानी लघु ताल मात्रा १९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार धेई ९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११३
113

अथ सिंघ विक्रीडत तालकी उत्पति लिख्यते मूल दोहरा लघु अंग नूपुर
मेरु अंग गुरु लघु गुरु प्लुत बान त्रिंगी लिखि पुनि अंतमे सिंघ विक्रीडि
त मान टीका अंग नाम प्लुत कोंहे जामे एक लघु होइ एक प्लुत होइ एक
गुरु होइ फेर एक लघु होइ एक प्लुत होइ एक गुरु होइ एक लघु होइ फेर
एक गुरु होइ एक प्लुत होइ एक लघु होइ फेर एक प्लुत होइ यारीतिसों
गीतादिकमें लावे उपजावे सो सिंघ विक्रीडित ताल जानीये यह ताल
यारो तालोंहे कोई ऐसे कहितहे जामे लघु प्लुत गुरु फेर दोई प्लुत आ
गे गुरु लघु गुरु प्लुत लघु प्लुत होइ सो सिंघ विक्रीडति ताल जानीए

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽ। अथ सिंघ विक्रीडित तालको स्वरूप लिख्यते ।ऽऽ
।ऽऽ।ऽऽ।ऽ अथ द्वितीय स्वरूप लिख्यते ।ऽऽऽऽऽ।ऽऽ।ऽ, प्रथम स्वरू
पके पाटाक्षर लिख्यते नाहं । तकिदां तकिदां ताहं ऽ तकि दिग गिनथो
ऽ ताहं । तां किट तां किट तकिथो ऽ धींधींधीं किट ऽ धिधि किट । धिम
धिमि तकिथो ऽ तक्कक्कनक्कक धींधींथो ऽ तकितां । तकि दिगिधिधिग
नथो ऽ द्वितीय स्वरूपके पाटाक्षर लिख्यते ताहं । तकिदां तकिदां ताहं
ऽ तकि दिगि गिनथो ऽ ताकिट ताकिट तकथो ऽ तताततततदिगदिगथो ऽ
धींधींधीं किट ऽ धिधि किट । धिमिधिमि तकथो ऽ तक्कक्कनक्कक्क धींधींथो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११४

३ तकता । तकिदिगथिथिगनथो ३ इति सिंह विक्रीडित संपूर्णम् ११

सिंह विक्रीडित ताल यारां तालो ११			
इनमें परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	यामें समस्या	यामें चचकार
प्रथम तालके परमल तां	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १
दूसरी तालके परमल तकिदां तकिदां तां	निशानी लुत ताल मात्रा ३२।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई २

114

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके परमल ताकिदिगिगिनथों	निशानी ग्रर ताल मात्रा ऽ२।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत २
चौथी तालके परमल ताहै	निशानी लघु ता ल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४
पंचमी तालके परमल तातातततदिगि दिगथों	निशानी ल्गत ता ल मात्रा ऽ५।।_०	ल्गतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा विंदी है सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत थेईथेई ५
छैमी तालके परमल धींधींधींकिटि	निशानी गुरु ता ल मात्रा ऽ६।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११५

सातमी तालके परमल धिधिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा । ।।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ७
आठमी तालके परमल धिमिधिमि तक थौं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ८॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेई तिततत ८
नौमी तालके परमल तकक्कनकङ्कांथी थी थो	निशानी स्रुत ताल मात्रा ऽ९।॥०	स्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेई तिततत थेईथेई ९
दसमी तालके परमल तकतो	निशानी लघु ताल मात्रा १९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई १०

115

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारमी तालके परमल तकदिगथिथिगि नथौं	निशानी लुत ना लमात्रा ऽ११।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो पतिक्रमा बिंदीहै सो हाथको झालो	वचकार थेईतितत्त थेईथेई ११

अथ कल्याण तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीनै उन मारग तालनमै विचारि
के गीत नृत्य वाद्य तालमै बरतिवेकौं द्रुत दविराम अणु लेके देसी ताल उत्प
न करि वाको कल्याण ताल नाम कीनो अथ कल्याण तालको लक्षण लिख्य
ते मूल दोहरा बलै जुगल दविराम धनु बिरति बलै अनुदान ००ऽ१०००ऽ
तीन बिंद दविराम उन ताल कल्याण बखान टीका जा तालमै दोइ द्रुत होइ
और एक दविराम होइ एक धनु करीए अणु होइ फेर एक बिरतिकिआ द

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

116

विराम होइ फेर एक बेर अंक कहीये अणु द्रुत होइ फेर तीन द्रुत होइ एक दवि
राम होइ या रीतिसों गीतादिकमें सुख उपजावे सो कल्याण ताल जानीये अथ
कल्याण तालको स्वरूप लिख्यते ००ऽ ᑌऽᑌ ००००ऽ अथ पाखावज लिख्य
ते याहीको लोकमे परमल कहतहै ऊऊ ० थरि ० थलां ऽ ऊ ᑌ थलां ऽ ऊ
ᑌ किणि ० ताकि ० किण ० थो ऽ इति कल्याण तालसंपूर्णम् ॥

कल्याण ताल दस तालो १०			
इनमें परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	इनमें समस्या	इनमें चचकार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके परमल कक	निशानी डुत ताल मात्रा ०१२	डुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल थरि	निशानी डुत ताल मात्रा ०२८	डुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
तीसरी तालके परमल पलां	निशानी दवि राम ताल मात्रा ०३६	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत ३
चौथी तालके परमल कु	निशानी अणु ताल मात्रा ५४-	अणुकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो चौथाई मात्रा	चचकार ति ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
प्या
११८

पांचमी ताल के परमल पलां॰	निशानी दविराम ताल मात्रा ७५≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार ततु ५
छेमी तालके परमल ऊ	निशानी अण ताल मात्रा ४६—	अणकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो चोथाई मात्रा	चचकार ते ६
सातमी ताल के परमल किणि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो तालहै आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी ताल के परमल ताकि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै आधी मात्रा	चचकार ते ८

११८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नवमी ताल के परमल किणि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१८=	द्रुत तालकी निशानी अंकहै सो ताल दोई आडी लीक सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दसमी ताल के परमल थो	निशानी दविराम ताल मात्रा ०१०=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो डेढ मात्रा मात्रापै विश्राम विश्रामपैमान	चचकार तत १

अथ चंद तालकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमै विचारिके
गीत नृत्य वाद्यमै बरतिबेको द्रुत दविराम लघुलेके देसी ताल उत्पन्न करि
वाको चंद कला ताल नाम कीनो अथ चंद्र कलाको लक्षण लिख्यते जा
मै एक द्रुत होइ अरु एक दविराम होइ तीन जामै द्रुत होइ अरु एक लघु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११८
118

होय फेर एक द्रुत होय अरु तीन जामें लघु होय अरु एक द्रुत होय एक दविराम हो
य ऐसी रीतिसों गीतादिकमें भाव उपजावै सो चंद्र ताल जानीये अथ चंद्र ता
लको स्वरूप लिख्यते ०ऽ००००।०।।।०ऽ अथ पाठाक्षर लिख्यते याहीकों
लोकिकमें परमल कहतहैं जग० थलां ऽ था० थो० थे० ताथोतां० ता
हं। ताहं। तकथो। जग० तथे ऽ इति चंद्र ताल संपूर्णम् ॥

चंद्र ताल बाको नाको १२			
इनमें परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	यामें समस्या	यामें चचका २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा आडी लीक दोइहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी ताल के परमल पर्लां	निशानी दविराम ताल मात्रा ०२३	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पौण मात्रा	चचकार तत २
तीसरी ताल के परमल था	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल थों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
११५

पांचमी तालके परमल थै	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ५
छेमी तालके परमल ताथै	निशानी लघु ताल मात्रा ।६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ६
सातमी ताल के परमल तां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी ताल के परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ८

११५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नौमी तालके परमल ताई	निशानी लघु ताल मात्रा १९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार थेई ९
दशमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ११।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १०
यारमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०११=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ११
बारमी तालके परमल तथे	निशानी दवि रामताल मात्रा ७१२≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत १२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२०

अथ संगीत दर्पणके मतिसों यहि चंद्र ताल चौदहि तालोंहै मूल दोहरा सरज्ञ
ग द्रुत दविराम द्रुत दल दल लघु त्रय जान द्रुत दविरामो बङ्गरिहं चंद्र ता
ल यो मान ठीका रहो दकारते द्रुत लकारते लघु लीजीए जामे सरजोहैं
लघुसो दोए होए एक द्रुत होए एक दविराम होए फेर एक द्रुत होए आगे
द्रुत लघु द्रुत लघु फेर तीन लघु फेर द्रुत एक । एक दविराम होए सो चंद्र
ताल जानीये अथचंद्र तालको स्वरूप लिख्यते ॥०ऽ००।०।।।।०ऽ॥
अथ पाठाक्षर लिख्यते ताहं । ताहं । जग० धलां ऽ घा० घो० ताहं । थै०
ताधे । ताहं । ताहं । नकथों । जग० तधे ऽ इति द्वितीय चंद्रताल संपूर्णम् ॥

120

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चंद ताल चौदह तालो १५			
इनमै परमल	इनमै अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चचकार
प्रथम तालके परमल ताहे	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १
दूसरी तालके परमल ताहे	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२१
121

तीसरी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी दोर लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
चौथी तालके परमल पलां	निशानी दविराम ताल मात्रा ०४≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पौण मात्रा	चचकार तत ४
पांचमी तालके परमल या	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ५
छेमी तालके परमल थों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०६=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सातमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा १७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ७
आठमी तालके परमल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ८
नवमी तालके परमल ताथे	निशानी लघु ताल मात्रा १९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ९
दशमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा १०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२२

122

यारमी तालके परमल तारे	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ११
बारमी तालके परमल नकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एकमात्रा	चचकार थेई १२
तेरमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १३
चौदमी तालके परमल तथै	निशानी दविराम ताल मात्रा ०१४३	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो पौण मात्रा	चचकार तत १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ लाउ तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे विचारिके
गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे बरतिवेको षट पिता पुत्र चंचत पुटसों लघु गुरु ले
के देसी ताल उत्पन्न करि वाको लाउ ताल नाम कीनो अथ लाउ तालको
लक्षण लिख्यते जा तालमे एक लघु होइ अरु दोइ गुरु होइ फेर एक ल
त होइ या रीतिसों गीतादिकमें सुख उपजावे सो लाउ ताल जानीए यह
ताल चौतालो है अथ लाउ तालको स्वरूप लिख्यते ऽऽऽऽ अथ पाटाक्ष
र लिख्यते याहीको लौकिकमे परमल कहतहे तथाततततततथों ऽ धिमि
धिमितथों ऽ धीकिटधीकिट ऽ ताकिततकितताततथों ऽ इति लाउ ताल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
ध्या
१२३

123

तेषामीम् ॥

लाउ ताल चौ तालो ४			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चच कार
प्रथम तालके परमल तथातततततथां	निशानी लघु ताल मात्रा डे।॥०	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो परि क्रमबिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतितत तथेईथेई १
दूसरी तालके धिमिधिमितथां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदीहै हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरे तालके परमल धीकिटधीकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२ ॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथ को फालो	चचकार थेईतितनन २
चोथी तालके परमल । तकि तनकिततानथा	निशानी लघु ता ल मात्रा ३४॥।०	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो फालो मात्राये विश्राम विश्रामपैमान	चचकार थेईतितनन थेईथेई ४

अथ यत तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमै विचारिके गीत नृत्य वाद्य नाटमै बरतिबेकों चंचत पुटादिकनमै सों गुरु लघु ले के देसी ताल उत्पन्न करि वाको यति ताल नाम कीनो अथ यति तालको लक्षण लिख्यते जा तालमै प्रथम गुरु होइ फेर दोइ लघु होइ अरु एक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२४

गर होइ या रीतिसों गीतादिकमें सबे उपजावे सो यति ताल जानीये यह ताल चौतालोहै अथ यति तालको स्वरूप लिखेते ऽऽऽऽ। अथ पाठाक्षर लिखेते याहीकों लौकिकमें परमल कहतेहै तथांथातक ऽ थिमि थिमिथिथिनकताथों ऽ धिधिकधिधिकधिकताथो ऽ थोंधिकताथो ऽ इति यति ताल संपूर्णम् ॥

यति ताल चौ तालो ४			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्वा	यामेचच कार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके परमल तधांधांतक	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनत १
दूसरी तालके परमल । थिमि थिमिथिथिनक ताथो	निशानी लुत ताल मात्रा ड२।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकंडालो हाथकी परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनत थेई थेई २
तीसरी तालके परमल । धिधिकधिधिकधिकताथो	निशानी गुरु ताल मात्रा ड३।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सोमात्रा कुंडालो सो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनत नथेईथेई ३
चौथी तालके परमल धींधिकताथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो दोइ मात्रा मात्रापे विश्राम विश्रामपेमात्र	चचकार थेईतितनत ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
१२५
125

अथ द्वितीय यति ताल संगीत दर्पनके मतसों लिख्यते मूल छंद मेरु ब लय है सरल बनाइ यति तालहि यहि भांति जनाइ टीका जामें एक लघु होइ एक द्रुत होइ दोइ लघु होइ या रीतिसों गीतादिकमें स्वरूप जावे सो यति ताल जानीये अथ यति तालको स्वरूप लिख्यते ।०।। अथ पाटाक्षर लिख्यते ताथै । जग० ताकिथो । ताकिथो । इति द्वितीय यति ताल संपूर्णम् ।।

यति ताल चौतालो ४			
इनमें परमत	इनमें अक्षर ताल मात्रा	यामें समस्या	इनमें चचकार

प्रथम तालके परमल नाथै	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १
दूसरी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा आधी लीक दोइहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
तीसरी तालके परमल ताकियो	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३
चौथी तालके परमल तकियो	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या॰
१२८

अथ शम तालको उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे सौं वि
चारिकै गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे बरतिवेकौं गुरु लघु लेके गुरु दोइ मात्रा
को लघु एक मात्राकोले देसी ताल उत्पन्न करि वाको शम ताल नाम
कीनो अथ शम तालको लक्षण लिख्यते जामे दोइ गुरु होइ और
एक लघु होइ या रीतिसों गीतादिकमे सुख उपजावे सो सम ताल
जानीये यह ताल तितालो है अथ सम तालको स्वरूप लिख्यते ऽऽ।
अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीकों लौकिकमे परमल कहतहे या कि
नाकिनाकिन ऽ हेकड्डदेहेकड्डदे ऽ किनक्कुकिनक्कु ऽ हेकड्डदे १२८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हेकक्कटे ऽ थाटे। थाटे इति शम ताल संपूर्णम् अथ शम तालको जं
त्र लिख्यते ॥

शम ताल तिताले २			
इनमे परमल	यामे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चचका २
प्रथम तालके पर मल। धकिनकि नकिनहे किक्कक्क टेहेकक्कटे	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१॥०	प्रथम गुरकी निशानी अंकहे सो ताल लीकहे सो मात्रा बिंदीहे सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत १
दुसरी तालके पर मल। किनक्कक्कनक्कक्क हे क्कक्कटे हेकक्कटे	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥०	गुरकी निशानी अंकहे सो ताल लीकहे सो मात्रा बिंदीहे सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना॰
ध्या
१२०

तीसरी तालके परमत थाठ थाठ	निशानी लघु ताल मात्रा । ३ ।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा मात्रापै विश्राम विश्राम पैमान	चचकार थेई २

अथ द्वितीय शम तालको लक्षण लिख्यते छंद हैमर एक विंड दवि राम करै गुनी याको सम नाम टीका जा तालमै दोइ लघु होइ फेर द्रुत होइ एक दविराम होइ या रीति सों गीतादिकमैं स्वाव उपजावै सो सम ताल जानी ये यहि ताल चौतालो है अथ याको स्वरूप लिख्यते ॥ ०७ अथ याके पाटाक्षर लिख्यते ताथे । ताहं । थे ० धलां ० इति द्वितीय सम ताल संपूर्णम् ॥

द्वितीय सम ताल चौतालो ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चचका ३
प्रथम तालके परमल ताथे	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १
दूसरी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता॰
ध्या॰
१२८

128

चौथी तालके परमल पलो	निशानी दविराम ताल मात्रा ०४३	दविरामकी निशानी अंककहे सो ताल आडौलीकहे सो पौण मात्रा	चचकार तत ४

अथ संचय तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे
सो विचारिकै गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे वरतिवेको द्रुत लघु लेके द्रुत
आधी मात्राको जानीये लघु एक मात्राको जानीये देसी ताल उत्पन्न
करि वाको संचय ताल नाम कीनो अथ संचय तालको लक्षण लिख्य
ते चौपई एक रूप सर तीनो होहि संच तालहे याही गोहि टीका जा
तालमे एक द्रुत होए द्रुतकी आधी मात्रा जानीये और तीन लघु हो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

२ लघुकी एक मात्रा जानीए यारीतिसों गीतादिकमे लय उपजावै सो संचय ताल जानीए यह ताल चौतालो है अथ संचय तालको स्वरूप लिखेते ०।।। अथ पाटाक्षर लिखेते याहीकों लौकिकमे परमल कहतहै । थें० थरिथो । तारे । तकथो । इति संचय ताल संपूर्णम् ।।

संचय तालो चौतालो ४			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	यामे चच कार
प्रथम तालके परमल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा आधी	चचकार ते १

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२९

दूसरी तालके परमल धरियो	निशानी लघु ताल मात्रा । २ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल नाहं	निशानी लघु ताल मात्रा । ३ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३
चौथी तालके परमल नकियो	निशानी लघु ताल मात्रा । ४ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४

अथ सिंघ नाद तालकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमैं सो विचारि करिकै गीत नृत्य वाद्य नाट्य एसंगीतके चारि अंग बरतिवेको

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वंचन पुटकी जातीसों देसी ताल उत्पन्न करके याको सिंघ नंदन नाम कीनो अथ सिंघ नंदनको लछण लिख्यते छंद हारजुगल लघु अंग बान नूपर छवि छाजे। जुगल वलय गुर जुगल बान श्रिंगी लघु राजे अंग हार द्वै वाम रचि पुनि निःशब्द बषान सिंघ नंदन यह ताल प्रगट सु ख सब जग जान टीका जाकी आदिमें दोय गुरु होय और तीसरो लघु होय चौथो लुत होय अरु लघु होय छठो गुरु होय और आगे द्रुत होय ता उपरांत दोय गुरु होय फेर एक लघु होय ता उपरांत बारहो लुत होय तेरा लघु होय चौदा लुत होय अरु पंद्रा गुरु होय फेर सोलो सत्र

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१३०

वो लघु होय और फेर चार गुरुनसों चार निःशब्द क्रिया होय तहां प्रथम आवा

पक बांई उरको हाथ हाथ चलावनो १ दूसरो विक्षेपक दाहिनी उरको हा

थ चलावनो २ तीसरो नित क्राम ऊपरको हाथ चलावनो ३ चौथो प्रवेश

क जो धरतीकी उर हाथ पटकनो ४ या रीतिसों एकीईस तालको २१

सिंघ नंदन ताल होतहै ऽऽ।ऽ।ऽ००ऽऽ।ऽ।ऽऽ।।ऽऽऽऽ ततथरि थरिकि

ट नगधिमिथोंग थोंग नग धिमि नग धिमि धिमितग तता कुकुथरिथरि

धिं ऽ दो ० दो० कुदकिटकुदरिगु ऽ थरिकुंथरिकुं तगधिम ऽ तांहं तांहं

ततथरि तांहंतगधिमितगनगफें ऽ थरिऽततकिऽमगतरि धिकिऽमत

१३०

किउननगननरि धकिडधकिड धिकिडधकिड धधिगणा । धो । १ नधरिकिटिर

गिडदां ऽ नक्कधरिदिरगिडदां डुगुडुडुगुडु । धक्कधरिधरिकिकडनक्कधो ऽ

क्डेदकिट किररदकिररट० किडद० किडद० धाडिक्कक्काकिररट ऽ नक

धरिकिररट ऽ दांकिट दांधिमि दांधिमि धिमिकिट ३ किडदगधों ऽ नाहें

धिमिकिट नगधों ३ उकक्कक्कउककिणा ऽ नक्कने । गिणधों धक्कधरि

नकदां ऽ धधिगणा ऽ धों ऽ २ जगजगजगजगनगनगधों ऽ नगनगनग

नगजगजगफें ऽ दांधिमि किट नगलगफगनगधों ऽ दांधिमि नगधल

धलांग ऽ धा० धिमि० किटनगफगधों ऽ नगनगफगधों ऽ दांधिमि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१३१

नगनगनगनगथरिकिटढिंढिं ऽ दांधिमि ऽ किटटिंटिंकुकुढिंढिं ऽ धाधि
मिकिणकिण ऽ धलांग गधलांग नदिंदां ऽ दांधरि ऽ धधिगण ऽ धो ऽ त्रत्र
इति सिंघ नाम ताल संपूर्णम् ॥

131

अथ यंत्र लिख्यते सिंघनादन ताल इकीस तालो २१			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल थेई तातती धीधे	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।।०	गुरकी निशानी अंकहे सो ताल लीकहे सो मात्रा विंदीहे सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतित तत १

१३१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दूसरी तालके परमल ईतिथे	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्राहै बिंदी सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतितत २
तीसरी तालके परमल ईजगजग	निशानी लघु ताल मात्रा । ३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३
चौथीतालके परमल तेतेरीथीतत धिधि	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ४॥।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा बिंदी है सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत थेईथेई ४
पांचमी तालके परमल ताकिडितकताकधिधि	निशानी लघु ताल मात्रा ।५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ५

[illegible]

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

छठमी तालके परमल किडितकतगदिगथी किडितकडाकेधिधि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ऽ९॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नी चेको	चचकार थेईतिततत ६
सातमी तालके परमल किटतक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा आधी	चचकार ते ७
आठमी तालके पर मल थों	निशानी गुरु ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक आडीहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ८
नोमीतालकेपरमल ताकिटतकताकेधिधि किडितकतगदिग	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ९॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्राबिंदीहै सो हाथको फालो नी चेको	चचकार थेईतिततत ९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दसमीतालके परमल धीकिडिमाकिताकधि धिकिटतकथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१०॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १०
यारमीतालके परमल धीकिडितक	निशानी लघु ताल मात्रा ।११।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ११
बारमी तालके परमल ताकधिधिकिडितक थों	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ१२॥।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई १२
तेरमी तालके परमल धीकिडिताकि	निशानी लघु ताल मात्रा ।१३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१३३

133

चौथमी तालके परमल ताकधिधिकिटतक थों	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ१४।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा विंदी है सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई १४
पंद्रमी तालके परमल तकथोंतकथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१५।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १५
सोलमी तालके परमल धिधिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।१६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १६
सतारमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अठारमी तालके परमल देंपिमितगतगतगतग घरिकिटढिढिं —।	आवापक १८	दाहणो हाथको बांई तरफ चला वणो	चचकार थेई तिततत १८
उनवीस तालके परमल दंपिमि किटिटिंकुकु टिंटि ।—	अवक्षेपक १९	दाहिणा हाथको दाहिणी उर चला वणो	चचकार थेईतिततत १९
वीसमी तालके परमल थांथिमि किणकिण धलांगनदिदां ।_	निःसामक २०	दाहणा हाथको उपरने चलावणो	चचकार थेईतिततत २०
एकीसमी तालके पर मल दांघरिरधिगणथों —।	प्रवेशक २१	दाहिणा हाथको नीचेकों चलावणे मान	चचकार थेईतिततत २१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता अथ द्वितीय सिंघ नंदको लक्षण लिख्यते छंद हारि जुगल दंड सरण के

ध्या कण जग ठानीए। नूपुर रुक हार जुगल बान षिंग आनीए। दंड शशिज

१२४ वक्र सरला और सरल जानीए पवनि शब्द चारि बहुर सिंघ नंदन मानीए

टीका जा तालमैं प्रथम दोइ गुर दोइ लघु फेर दोइ गुर होइ फेर एक गुरु

फेर द्रुत दोइ गुरु एक लघु एक प्लुत होइ आगे एक लघु एक प्लुत एक

गुरु दोइ लघु होए आगे चारि लविराम निःशब्द होइ यारीतिसों गीतादिकमैं

रसव उपजावै सो सिंघनंदन ताल जानीए अथ याको स्वरूप लिख्यते ऽऽ।।

ऽऽऽ।ऽऽ।ऽ।ऽ।ऽ।।०।०।०। अथ पाटाक्षर लिख्यते कुदकिदकुंदरिगु ऽ थरिं १२४

कुथरिङ्कुतगधिमि ऽ थधिगण। घो। तथरिकदिरगिड्दों ऽ तकुथरिदि

रगिड्दों ऽ घकुथरिथरिकुकतकुघो ऽ तकुनं। जगजगजगज्गगतगत

गघो ऽ तगतगतगतगजगजगफें ऽ थलांग। तांहे धिमिकिटनगघो

ऽ तांहे। दांधिमिदोंधिमिधिमिकिट ऽ किड्दगिघो ऽ तकिथो। तकि

घो। ताकितकिथो। ततकंथो। घरिकुदरिक। नगनगथलां। इति

द्वितीय सिंघ नंदन ताल संपूर्णम्॥

द्वितीय सिंघ नंद ताल एकीस तालो २१			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	इनमे चचका २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२५

135

प्रथम तालके पर मंत्र कुद्किटकुंदरीघु	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।।।०	गुरकी निशानी अंक है सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेई तिततत १
दूसरी तालके पर मत्र ईतेथे	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेई तिततत २
तीसरी तालके पर मत्र ईजगजग	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३
चौथी तालके परमत्र नाकिडितकताक धिधि	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पांचमी तालकेपरमल। किडितक तदहिगथीकिडित किताकथिथि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ५॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नी चेको	चचकार धेईतिततत ५
छेमी तालकेपरमल। ताकिडितकता कथिथिकिडितक तगदिग	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नी चेको	चचकार धेईतिततत ६
सातमी तालकेपरमल। थीकिडितकि ताकथिथिकिटत कथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ७॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नी चेको	चचकार धेईतिततत ७
अठमी तालकेपरमल थीकिडितकि	निशानी लघु ताल मात्रा।८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार धेई ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१३९

नवमी तालके परमल थेईतानातीथीथे	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१५॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ९
दशमी तालकेप रमल तकिथोतकिथो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१०॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताललीक है सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १०
यारमी तालके परमल धिधिकिटि [illegible]	निशानी [illegible]लघु ताल मात्रा [illegible]।११।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा [illegible] विंदीहै सो हाथको फालो।	चचकार थेई[illegible] थेईथेई ११
बारमी तालके परमल तेतेरीधीतत धिधि	निशानी सुत ताल मात्रा ३१२॥।०	सुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई १२

130

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तेरमी तालके परमल धीकिडितकि	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघु की निशानी अंकहै सो ता ल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १३
चौधमी तालके परमल धीकिडितकि	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ।४।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेई तितनत थेईथेई १४
पंद्रमी तालके परमल किडिद्गिधो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।५।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथ को फालो नीचेको	चचकार थेई तित नत १५
सोलमी तालके परमल धिधिकिट	निशानी लघु ता ल मात्रा ।।८।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

137

सतारमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१७।	लघुकी निशानी ऐकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १७।
अठारमी तालके परमल ततिकंथो	निशानी लवि राम ताल मात्रा ।१८।—	आवापक दाहिणो हाथको बांईतरफ चलावणो —।	चचकार तथेई १८
उनीस तालके परमल तकितकिथों	निशानी लवि राम ताल मात्रा ।१९।—	विक्षेपक दाहिणो हाथको दाहिणी उर चलावणो ।—	चचकार तंथेई १९
वीसमी तालके परमल थरिक्तदरिक	निशानी लवि राम ताल मात्रा ।२०।—	निष्क्रामक दाहिणो हाथको ऊपरको चलावणो ।_	चचकार तंथेई २०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

एकीसमो ताल के परमत्त नगनगथलों	निशानी लविराम ताल मात्रा ।२१।–	प्रवेशक ॽ दाहिणे हाथको नीचेको चलावणो मान	चचकार तंथेई २१

अथ अष्ट तालक तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे
विचारिके गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे बरतिबेको चंचतपुट आदिक पाचो
तालनसो साती अंग लेके देसी ताल उत्पन्न करि वाको अष्ट ताल नाम
कीनो अथ अष्ट तालिक तालको लक्षण लिख्यते अथ अष्ट तालिक ता
ल जामे एक प्लुत होर अरु एक द्रुत होर एक द्रविरामहोर एक लघु होर
और एक लविराम होर एक गुरु होर फेर एक प्लुत होर एक लघु होर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१३८

या रीतिसों गीतादिकमैं रहव उप जावै सो अष्ट तालिक ताल जानीये यह ताल अष्टतालिक आठ तालोहै अथ अष्ट तालिक तालको स्वरूप लिखेते ।।ऽ०ऽ।ऽऽ॥ अथ पाटाक्षर लिखेते याहीको लोकमैं परमल कहतहै ।।। धि ऽ किट ० धिकिट ऽ तकथो। तकतकथो। तातकतकथों ऽ ता धिमि ताधिमि धिमिथो ऽ धिमिथो। इति अष्टतालक ताल संपूर्णम् ॥

138

अष्टतालिक ताल अठतालो ८			
इनमैं परमल	इनमैं अक्षर ताल मात्रा	यामैं समस्या	इनमैं वच कार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालकी परमल धि	निशानी अणुद्रुत ताल मात्रा ᴗ।–	अणुद्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो चौथाई मात्रा	चचकार ति १
दूसरी तालके परमल किट	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
तीसरी तालके परमल धिकिट	निशानी दविराम ताल मात्रा ऽ२३	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत ३
चौथी तालके परमल तकथो	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१३९

पांचमी तालके परमल तकनकधो	निशानी लवि राम ताल मा त्रा १५।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तेथेई ५
छैमी तालके परमल तातकनकधो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचे को	चचकार थेईतिततत ६
सातमी तालके परमल ताधिमिताधिमि धिमिधो	निशानी लुत ताल मात्रा ३७।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल झंडालो परिक्रमा विंदीहै सो फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई ७
आठमी तालके परमल धिमिधो	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा मात्रापै विश्राम विश्रामपैमान	चचकार थेई ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कोई अष्ट तालकको ऐसे लक्षणभी कहतहैं छंद चोप जगल जग या
एक ताति अष्ट तालिका याको जान टीका ना तालमै दोइ अणु द्रुत
होइ दोइ लघु होइ यारीतिसों गीतादिकमैं सबे उपजावे सो अष्ट ता
लिक ताल जानीए कोई दोई अणुद्रुतके आगे एक और द्रुत कहतहैं
तिनके मतमै पंच तालोहै अथ याको स्वरूप लिख्यते ८८॥ अथ या
के पाटाक्षर लिख्यते ऋ० ८ ऋ० ८ ताहं । तकथो । इति द्वितीय अष्ट
तालिका ताल संपूर्णम् ॥

द्वितीय अष्ट तालिक चोतालो ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल ऊ	निशानी अणु ताल मात्रा ᐡ१	अणुकी निशानी लीकहै सो ताल आडी लीकहै सो चौथाई मात्रा	चचकार ति १
दूसरी तालके परमल ऊ	निशानी अणु ताल मात्रा ᐡ२ —	अणुकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो चौथाई मात्रा	चचकार ति २
तीसरी तालके परमल तारं	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चौथी तालके परमल नकथो	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४

अथ रुद्री कुंडली तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालन
मै विचारिके गीत नृत्य वाद्य नाट्यमै बरतिवेको चंचत पुट आदि पांच
मारग तालनके द्विकलादि भेदनसों द्वनी मात्राको मारग ताल ताहि
द्विकल कहीये चौगनी मात्राको मारग ताल ताहि चतुशकल कही
ये गुर दोइ मात्राको लघु एक मात्राको स्तन लेके देसी ताल उत्पन्न क
रि वाको रुद्री कुंडली नाम कीनो अथ रुद्री कुंडलीको लक्षण लि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता खेते मूल कुंडलीग्रा छेद कुंडल जुग व्यापक शशिज तीन हारि लघु ए
ख्या क सोम जिसरि गुर अंग गुरु कनिका चल रखे टेक कनिका चल रखे
१८। टेक चार निःशब्द जानउ वलय चारि जुग मेरु हारि जुग लघु अंग दान
।४। उ दंड वक्र सर शृंग शृंग लघु वेद समंडल कंकनि चारि अखवादिरचउ
यों श्रुषी कुंडल टीका जामे प्रथम दोइ गुर गुरकी दोइ मात्रा एक लघु
लघुकी एक मात्रा फेर प्लुत होइ प्लुतकी तीन मात्रा फेर तीन गुर होइ गु
रकी दोइ मात्रा और एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर प्लुत होइ
प्लुतकी तीन मात्रा एक लघु लघुकी एक मात्रा एक गुर होइ गुरकी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दोइ मात्रा ता आगे स्लुत होइ स्लुतकी तीन मात्रा फेर एक गुर होइ गुरकी
दोइ मात्रा और दोइ लघु होइ लघुकी एक मात्रा चार जामै प्रथमके ल
घु होइ लघुकी एक मात्रा तहां प्रथम आलापक दूसरो विलेपक तीसरो
निरकामक चौथो प्रवेशक फेर चार जामे द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा
और दोइ लघुहोइ लघुकी एक मात्रा और दोइ गुर होइ गुरकी दोइ मात्रा
फेर लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक स्लुत होइ स्लुतकी तीन मात्रा फेर
एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर गुर होइ गुरकी दोइ मात्रा फेर एक
लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर दोइ स्लुत होइ स्लुतकी तीन मात्रा चा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५२

142

र जामे लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा और शह्
के चार लघु होइ लघुकी एक मात्रा जहां प्रथम आवापक १ दूसरो विक्षेप
क २ तीसरो निष्क्रामक होइ ३ चोथो प्रवेशक होइ ऐसे जो ताल ताहि
शची कुंडली जानीए यह ताल त्रितालीस तालोहै अथ शची कुंडली
तालको स्वरूप लिख्यते ऽऽ।ऽऽऽऽऽ।ऽ।ऽऽऽ।।।।।।००००।।ऽऽ।ऽ।ऽ।ऽऽ
।।।।ऽ।।।। अथ पाटाक्षर लिख्यते याको लोकिकमे परमल कहतहै धा
धिमिधक्कुथरि ऽ १ नकदिधिगनधो ऽ २ ताहं । ३ थों थों थों गिणकिण
थों ऽ ४ नकधिमिथरिदां ऽ ५ दांधिमिथरिदां ऽ ६ थरिदांथरिदां ऽ ७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ताहे । ८ थाडुगुडुगुडुगुडुगुडुगुडुगुडुगु ३ ९ ताहे । १० डुगुडुगुदांदांकि
टथविनगर्के ३ ११ ननथलथलथलननथलो ३ १२ नककिणाकिरयट ३ १३
ताहे १४ ताहे १५ ननथा । १६ थिदिथि । १७ थोथों । १८ ननेन ।
१९ नग० २० जग० २१ नग० २२ नग० २३ ताहे । २४ ताहे । २५ नक
किणानगथों ३ २६ थिमिथिमिननगथो ३ २७ ताहे । २८ थरिकुथरिकु
थरिके ३ २९ माहे । ३० किटथरिननदिदों ३ ३१ ताहे । ३२ थाथाथलोगल
लोग ३ ३३ नगथलथलोगमलोग ३ ३४ ताहे । ३५ ताहे । ३६ ताहे
। ३७ ताहे । ३८ नथरिकुथरिथो ३ ३९ ताथिमि । ४० नगथिमि । ४१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१४३

143

थयिगता । थर थो । थत् इति इग्वी कुंडली ताल संपूर्णम् ॥ ।

२ थिवी कुंडली ताल तितालीस तालो थत्			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके पर मल थयिथोयिमियघड़	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो फालो नीचेको	चचकार थेईततनत १
दूसरी तालके परमल नकाड़ियिदगथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईततनत २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके परमल ताहे	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा	चचकार थेई २
चोथी तालके परमल थोंथोंथोंगिलागिला थों	निशानी लुत ताल मात्रा ३ ४।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा विंदी है सो हाथको फालो	चचकार थेईतिनन नथेईथेई ४
पांचमी तालकेपरमल नकधिमिधरिदां	निशानी गुरु ताल मात्रा ५५।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिनन न ५
छेमी तालके परमल दांधिमिधरिदां	निशानी गुरु ताल मात्रा ५६।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा विंदीहै सो फालो नीचेको	चचकार थेईतिन नत ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५५

144

सातमी तालके परमल थरिथरिदां	निशानी गुरु तालमात्रा ऽऽ।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीवेको	वचकार थेईतितत त ७
आठमी तालके पर मल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।ऽ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	वचकार थेई ८
नवमी तालके परमल थाउ गुड गुड गुड गुडु गुड गुगुडगु	निशानी सात ताल मात्रा ऽऽ।।।०	सातकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो	वचकार थेईतितत तथेईथेई ९
दसमी तालके पर मल ताहं	निशानी लघु तालमात्रा ।ऽ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	वचकार थेई १०

१५५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारमी तालके परमल डराडरा दांदां किदथ डि नगके	निशानी गुर ताल मात्रा ऽ११॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथ को फालो	चचकार थेईतिततत ११
बारमी तालके परमल ततथलथलथल तथ लां	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ१२॥।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालोपरि कमाविंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई १२
तीरमी तालके परमल तककिण किण	निशानी गुर ताल मात्रा ऽ१३॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथ को फालो	चचकार थेईतिततत १३
चौदमी तालके परमल ताहे	निशानी लघु ताल मात्रा ।१४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ता ल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५५

145

पंद्रमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।१५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १५
सोलमी तालके परमल तकथो	निशानी लघु ताल मात्रा ११९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ता ल लीकहै सो मात्रा	चचकार दाहिणोहाथ वाईतरफ थेई १९
सतारमी तालके परमल धिधिधि	निशानी लघु ताल मात्रा ११७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ता ल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार विक्षेपकदाहि णोहाथदाहिणी तरफ थेई १७
अठारमी तालके पर मल थोंथों	निशानी लघु ताल मात्रा ११८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ता ल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार निः क्रामकदाहिणो हाथऊपरको थेई १८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उनीसमी तालके परमल तकनन	निशानी लघु ताल मात्रा ।१९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार प्रवेशक रा हिएगहायनी वेको पई १९
वीसमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल ०२ः =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २०
इकीसमी तालके परमल जग	निशानी ०२१ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २१
बाईसमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२२ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५९

146

त्रयीसमी तालके परमल तग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा आधी	चचकार ते २३
चौवीसमी तालके परमल ताहे	निशानी लघु ताल मात्रा १२४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २४
पचीसमी तालके प रमल ताहे	निशानी लघु ताल मात्रा १२५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई २५
छवीसमी तालके पर मल नककिणतगथो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२६॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितततत २९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सताईसमी तालके परमल धिमिधिमितगथो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२७।।०	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल ली कहै सो मात्रा विंदी हाथको फालो नीचेको	चचकार थेई तिततत २७
अठाईसमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।२८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ता ल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई २८
उनतीसमी तालके परमल धरिकुधरिकुटकु	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ२९।।।०	प्लुतकी निशानी अंक है सो ताल ली कहै सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा विंदी है सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेई तिततत थेईथेई २९
तीसमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।३०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई ३०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

147

इकतीसमी तालके पर मल किट्थरितददां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३१ ।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३१
बतीसमी तालके पर मल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।३२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३२
तेतीसमी तालके परम ल थाथांथलांगथलांग	निशानी स्तुत ताल मात्रा ऽ३३।।।०	स्तुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा बिंद हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई ३३
चोतीसमी तालके पर मल तगथगथलांगथलांग	निशानी स्तुत ताल मात्रा ऽ३४।।।०	स्तुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतितत त थेईथेई ३४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पैंतीसमी तालके पर मल ताहै	निशानी लघु ताल मात्रा ।३५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३५
छतीसमी तालके पर मल ताहै	निशानी लघु ताल मात्रा ।३६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३६
सैंतीसमी तालके पर मल ताहै	निशानी लघु ताल मात्रा ।३७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३७
अठतीसमी तालके परमल तथरिकधरिथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

148

उनतालीसमी तालके परमल तथरिकुथरिथो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३९॥०	गुरुकी निशानी ऐकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो ।	चचकार घेईतितनत ३९
चालीसमी तालके परमल ताधिमि	निशानी लघु ताल मात्रा ।४०।	लघुकी निशानी ऐकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार आवाप्रक घेईतिनन न दाहिणोहाथ बाईतरफ ४०
एकतालीसमी तालके परमल तगाधिमि	निशानी लघु ताल मात्रा ।४१।	लघुकी निशानी ऐकहै सो ताल लीकहै एक मात्रा	चचकार विक्षेपक घेईतिननत दाहिणोहाथदाहिणीतरफ ४१
बतालीसमी तालके परमल धधिगण	निशानी लघु ताल मात्रा ।४२।	लघुकी निशानी ऐकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार निःशंकि मक घेईतितनत दाहिणोहाथ वेपरवै ४२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तितालीसमी तालके परमल थों	निशानी लघु ताल मात्रा ।४१।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीकरै सो मात्रा मात्रापै विश्राम विश्रामपै मान दाहिणे हाथ नीचेको चलावणे	चचकार अवेशक थेईतितत दा हिणे हाथ नी चेको ४१

अथ दूसरी पृथ्वी कुंडलीकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे
विचारिकें गीत नृत्य वाद्य नादमें वरतिवेको चंचत पुटादिक पांचो तालन
की दूनी मात्रा होइ तब द्विकल भेद जानीये और उन मानसें चौगुनी मात्र
होइ तब चतुशकल जानीए इन द्विकल चतुशकल भेदते गुरु दोइ मात्रा
को और लघु एक मात्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करिवाको पृथ्वी कुंड
ली नाम कीनो यह लघु पृथिवी कुंडली है अथ पृथ्वी कुंडलीको लक्षण

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
था
१५९

लिखेते प्रथम जामें तीन गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा जानीये अरु तीन लघु होइ
लघुकी एक मात्रा जानीए फेर एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा जानीए एक लघु
होइ लघुकी एक मात्रा जानीए और एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा जानीए आ
गे दोइ लघु होइ लघुकी एक मात्रा जानीए फेर तीन गुरु होइ गुरुकी दोइ मा
त्रा जानीए अरु दोइ लघु होइ लघुकी एक मात्रा जानीए फेर तीन गुरु होइ गुरु
की दोइ मात्रा जानीए एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा जानीए फेर चारि
गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा जानीए एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा जानीये
और एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा जानीए फेर एक लघु होइ लघुकी एक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मात्रा जानीए और तीन गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा जानीये फेर एक लघु
होए लघुकी एक मात्रा जानीए और पांच गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा जानी
ए ऐसे जो ताल ताहि रुद्री कुंडली जानीए यह पिंगलकीकरी रुद्री कुं
डलीहै यह ताल उनतालीस तालोहै अथ रुद्री कुंडलीको स्वरूप लिखि
ते ऽऽऽ।।।ऽ।।ऽ।ऽ।।ऽऽऽ।।ऽऽऽ।ऽऽऽऽ।ऽ।ऽऽऽ।ऽऽऽऽऽ अथ पाटा
क्षर लिखिते याहीकों लौकिकमै परमल कहतहै घरिकिटघरिकिट ऽ
ततघरिघरिकिट ऽ किटघरिततथरि ऽ ताकिट। ताकिट। ताकिट।
ततकिटथों ऽ ताहं। ताहं। ताकिटकिट ऽ ताकिट। ततकिटथों ऽ ताहं।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५०

ताहं। ताकिटकिट ऽ ताकिट। ततकिटथों ऽ ताहं। थोंमा। थोंकिटथों ऽ ताकि
टततकिट ऽ ततकिटताकिटतथों ऽ ताहं। त ।ततततत ऽ धुगुधुगु
धुगुकिट ऽ तगधिमिधिमिधिमि ऽ धिधिकिट। धुगुडदोधुगुडदो ऽ धुगुडदोधु
गुडदो ऽ धधिगणथों ऽ धधिगिणथों ऽ ताहं। जजगजजगजगज ऽ मटकिट।
मटकिटकिटकिट ऽ किटकिटतकिट ऽ धिधिकिटथों ऽ थोंगा। तकधिमि
धिमिधिमि ऽ गतगतधिमिधिमि ऽ ताधिमितगधिमि ऽ तकथोंथोंग ऽ धधि
गितथो ऽ॥१॥ इति ष्टष्टी कुंडलीताल संपूर्णम् ॥ ॥

पिंगलकृत	दूसरी ष्टष्टी कुंडली ताल उनतालीस तालो ३९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पृथिवी कुंडली ताल उनतालीस ३९			
इनमें परमल	इनमें अन्तर ताल मात्रा	इनमें समस्या	यामें चचकार
प्रथम तालके परमल थरिकिटथरिकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतितत त १
दूसरी तालके परमल तथरिथरिकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
।५।

तीसरी तालके पर मल किटथरितथेरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ३
चौथी तालके पर मल ताकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई ४
पंचमी तालके पर मल ताकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ५
छैमी तालके परमल ताकिन	निशानी लघु ताल मात्रा ।६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सातमी तालके पर मल ततकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ ० ।। ०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ७
आठमी तालके पर मल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा । ८ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ८
नवमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा । ९ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ९
दसमी तालके पर मल ताकिटकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ १० ।। ०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो फालो नीचेको	चचकार थेईतित तत १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५२

यारमी तालके पर मल ताकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।११।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ११
बारमी तालके पर मल ततकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।२।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फा लो नीचेको	चचकार थेईतितततत १२
तीरमी तालके पर मल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।१३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई १३
चौदमी तालके पर मल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा ।१४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पंद्रमी तालके परमल थोंकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१५॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत्तत १५
सोलमी तालके परमल तकिटततकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१६॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतितत्तत १६
सतारमी तालके परमल ततकिटताकिटत थो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१७॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत्तत १७
अठारमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।१८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या॰
१५३

उनीसमी तालके परमल नम्रे ततथा	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १९
वीसमी तालके परमल ततथा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॰।।०	प्रथम गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २०
इकीसमी तालके परमल । धुमधुम धुमकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२।।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २१
वाईसमी तालके परमल । तगधि धिधिधिथिधि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२२।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत २२

१५३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तेईसमी तालके पर मल धिधिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा १२३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २३
चौबीसमी तालके पर मल। धुंगुडदांधुंगुडदां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२४॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो फालो नीचेको	चचकार थेईतिततन २४
पचीसमी तालके पर मल धुगुडदांधुगुडदां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२५॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततन २५
छबीसमी तालके प रमल धधिगिनधों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२६॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततन २६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
था
१५८

सताईसमी तालके परमल पपिगिनथो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२७ ॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत २७
अठाईसमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।२८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई २८
उनतीसमी ताल के परमल जगजगजगजग	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२९॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत २९
तीसमी तालके परमल मटकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।३०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इकतीसमी तालके परमल मटकिटकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३१॥०	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ३१
बतीसमी तालके परमल किटकिटतटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३२॥०	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी है सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ३२
तेतीसमी तालके परमल धिधिकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३३॥०	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी है सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ३३
चौतीसमी तालके परमल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा ।३४।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ३४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५५

155

पैंतीसमी तालके परमल तकधिमिधिमिधिमि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३५॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३५
छतीसमी तालके परमल तगतगधिमिधिमि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३६॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३६
सैंतीसमी तालके परमल ताधिमितगधिमि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३७॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचे को	चचकार थेईतिततत ३७
अठतीसमी तालके परमल तकथों थोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३८॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उनतालीसमी ताल के परमल पधिगिनथौं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३९॥०	गुरकी निशानी अंक है सो तालीक है सो मात्रा बिंदी है सो हाथको खाली मात्रापै विश्राम विश्रामपै मान	चचकार थेईतिततत ३९

अथ पाताल कुंडलीकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे बिचारिकै गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे बरतिवेको चंचतपुट आदिक पांच तालनसों लघु एक मात्राको प्लुत तीन मात्राको गुरु दोय मात्राको लेके और द्रुत आधी मात्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करिवाको पाताल कुंडली नाम कीनो अथ पाताल कुंडलीको लक्षण लिख्यते मूल कवित ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कंचनिको गिरि शशिरुत गुरु मेरु शृंग हरि दंड नूपर दीपति अति आनीए
व्यापक त्रिमात्रके जुगल रचि कंकनन तीन ढोरि एक शृंग मगनहि ठानी
ए सोमजनिराचिकरु सिली सुरव सोम जाति कुंडल सरल जुग तीन गुरु जा
नीए लघु शृंग वलय जुगलघु और प्रसहू धरि चारयों पनाल कुंडली बखानी
ए टीका यहां ककारते कंकन नाते गुरु लीजीए जामै एक लघु होइ लघु
की एक मात्रा और एक स्रुत होइ स्रुतकी तीन मात्रा फेर एक गुरु होइ
गुरकी दोइ मात्रा और एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर एक स्रुत हो
इ स्रुतकी तीन मात्रा जाके आगे एक गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा और

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा और
एक प्लुत होइ प्लुतकी तीन मात्रा एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर दो
इ प्लुत होइ प्लुतकी तीन मात्रा और तीन गुरु होइ गुरुकी दोई मात्रा फेर प्लु
त होइ प्लुतकी तीन मात्रा आगे तीन गुरु होइ गुरुकी दोई मात्रा फेर प्लुत
होइ प्लुतकी तीन मात्रा एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा अर एक गुरु होइ
गुरुकी दोइ मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा अर एक गुरु होइ
गुरुकी दोइ मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक प्लुत होइ प्लुत
की तीन मात्रा और एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा अर एक लघु होइ ल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५७

घुकी एक मात्रा फेर तीन गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा अर एक लघु होइ लघुकी ए

क मात्रा एक प्लुत होइ प्लुतकी तीन मात्रा औार दोइ द्रुत होइ द्रुतकी आधी मा

त्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा जानीए औार चार लघु असबद होइ

तहां प्रथम आवापक १ दूसरो विक्षेपक २ तीसरो नितक्रामक ३ चौथो प्रवेशा

क होइ ४ ऐसो जो ताल ताहि पाताल कुंडली जानीये यह ताल उनतालीस

मात्रा तालीहै अथ पाताल कुंडलीको स्वरूप लिख्यते ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ

ऽ।ऽ।ऽऽ।।ऽऽऽ।ऽ००।।।।। अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीको लौकिकमे परम

ल कहतेहै ताथे।।। ततधेततततथैंथै ऽ२ धाधाकिटकिट ऽ३ किटकिट

१५७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

।४ किटथोंनाथोंततथों ३५ नननतथो ३६ नाहें ।७ नेथो नाहें ३८ ना
किनकिनकिननकेंद ३९ ककथो ।१० घुंघुंगाघुंगाघुंगा ३११ घुंगानाधि
मिननाधिमि ३१२ नननधिमिधिमि ३१३ धिमिधिमिननननन ३१४ मदाकि
टमिदाकिट ३१५ मदाकिटनाताथोंगा ३१६ नननतथोंगा ३१७ घोघोथों
गा ३१८ घाघाघुमाकिट ३१९ धनुकिटथडिथरिकथरि ३२० ककथरि ।२१
ककथाथेथा ३२२ थाथे ।२३ थाथेथाधलधलधल ३२४ धलधलधलधल
३२५ धलधल ।२६ धलधल ।२७ धलधलगिनधाधि ३२८ गनधधिगनथों
३२९ नननतथेता ३३० किटकिट ।३१ किटननाकिटननाकिटथों ३३२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता ततत० ३३ धे० ३४ ततथै । ३५ क्रुक्कथरि । ३६ थोंधरि । ३७ ततदिगि । ३८

ध्या गणथों । ३९ इतिपातालकुंडली संपूर्णम् ॥

१५८

158

पाताल कुंडली ताल उनतालीस तालो ३९			
इनमे परमल	इनमै स्वर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमै चचकार
प्रथम तालकी परमल ताथै	निशानी लघु ताल मात्रा । । ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई १
दुसरी तालके परमल ततथैततततथैं थै	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ२।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो पत्रिकमा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके पर मल धाधाकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो फालो	चचकार थेईततनन ३
चौथी तालके पर मल किटकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ४
पांचमी तालके पर मल किटथोंताथोंततथों	निशानी स्नुत ताल मात्रा ऽ५॥०	स्नुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडलो परिक्रमा बिंदीहै सो फालो	चचकार थेईततनन थेईथेई ५
छेमी तालके परमल तेततनतथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततनन ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१५५

सातमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा	चचकार थेई ७
आठमी तालके परमल हंथो ताहं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ८॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत ८
नवमी तालके परमल ताकिनकिनकिन नकुंद	निशानी लुत ताल मात्रा ३९॥।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परि कमा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत थेईथेई ९
दसमी तालके परमल कुकुथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा एक	चचकार थेई १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारमी तालके परमल घुंघुंगाघुंगाघुंगा	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ११।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडलो परिक्रमा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईततततत थेईथेई ११
बारमी तालके परमल धोंगानाधिमिततधि मि	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ१२।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडलो परिक्रमा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईततततत थेईथेई १२
तेरमी तालके परमल तततधिमिधिमिधिमि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१३।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततततत १३
चौदमी तालके परमल धिमिधिमितततत	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१४।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताललीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततत त १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९०

160

पंद्रमी तालके परमल मटकिटकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१५॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततत्त १५
सोलमी तालके परमल मटकिटताताथोंगा	निशानी लन ताल मात्रा ३१९॥०	लनकी निशानी अंकहै सो ताललीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथकोफालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई १९
सतारमी तालके परमल ततततथोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१७॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत १७
अठारमी तालके परमल थोंथोंथोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१८॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी है सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत १८

१९०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उनीसमी तालके परमल यायाघुमकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१९॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १९
वीसमी तालके परमल घुमकिटथडिथरिकु थरि	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ२०।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोल कुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत थेईथेई २०
इकीसमी तालके परम ल कुकुथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।२१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई २१
बाईसमी तालके पर मल कुकथाथे	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२२॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
(६)

161

तेईसमी तालके परमल याथै	निशानी लघु ताल मात्रा ।२३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई २३
चोवीसमी तालके परम ल याथैयापलपलपल	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ२४॥।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा बिंदीहै सो हाथको फालो .	चचकार थेईतिततत थेईथेई २४
पचीसमी तालके पर मल पलपलपलपल	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२५॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २५
छवीसमी तालके पर मल पलपल	निशानी लघु ताल मात्रा ।२६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा एक	चचकार थेई २६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सताईसमी तालके परमल थलथल	निशानी लघु ताल मात्रा ।२७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेईतितत २७
अठाईसमी तालके परमल थलथलगिनथथि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२८॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतितत २८
उनतीसमी तालके परमल गनथथिगनथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२९॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत २९
तीसमी तालके परमल ततततथेता	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३॰॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत ३०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९२

इकतीसमी तालके परमल किटकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।३१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३१
बतीसमी तालके परमल किटततकिटततकिटथों	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ३२।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा गोलकुंडालो परिक्रमा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईततततथेईथेई ३२
तेतीसमी तालके परमल तत	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३३
चोतीसमी तालके परमल थों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३४	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो मात्रा आधी	चचकार ते ३४

1.62

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पैंतीसमी तालके पर मल ततथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ३५
छतीसमी तालके पर मल झझथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।३६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार आवापक थेईतिततत ३६
सैंतीसमी तालके पर मल थोंथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।३७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार विक्षेपक थेईतिततत ३७
अठतीसमी तालके परमल ततधिधि	निशानी लघु ताल मात्रा ।३८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार निष्क्रामक थेईतिततत ३८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१६३

उनतालीसमांतालके परमल गणयों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताललीक है सो एकमात्रा	चचकार थेईतितनन प्रवेशक ३९

अथ इंद्र लोक कुंडलीकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे विचारिके गीत नृत्य वाद्य नादमैं बरतिवेको वंचन प्रदादिसवाचो तालनसों लघु एक मात्राको गुरु दोइ मात्राको लुत तीन मात्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करिवाको इंद्र लोक कुंडली नाम कीनो अथ इंद्र लोक कुंडलीको लछण लिख्यते जामे दोइ लघु होइ लघु एक मात्राको जानीए ओर एक गुरहोइ गुरकी दोइ मात्रा जानीए फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा जानीए एक

१६३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्तुत होइ स्तुतकी तीन मात्राको श्रोर तीन गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा जा
नीए फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक स्तुत होइ स्तुतकी तीन
मात्रा श्रागे एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक गुरु होइ गुरकी दोइ मा
त्रा एक स्तुत होइ स्तुतकी तीन मात्रा श्रर तीन गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा
फेर तीन स्तुत होइ स्तुतकी तीन मात्रा एक लघु होइ लघुकी एक मा
त्रा श्रागे दोइ स्तुत होइ स्तुतकी तीन मात्रा दोइ गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा
फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा दोइ गुरु गुरकी दोइ मात्रा फेर दोइ
लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक स्तुत होइ स्तुतकी तीन मात्रा श्रोर दोइ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
१९४

गुरु गुरुकी दोइ मात्रा फेर एक लघु लघुकी एक मात्रा एक प्लुत प्लुतकी तीन मा
त्रा आगे एक लघु लघुकी एक मात्रा एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा तीन लघु
होइ लघुकी एक मात्रा फेर एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा और चार जामे लघु

असइ होए तहां पहलो आवा

एक होइ १ और दूसरो विलेपक

तीसरो निष्क्रामक ३ चौथो प्रवेशक होइ

ऐसो ताल ताहि इंद्रलोक कुंडली जानीए यह ताल चौतालीस ता
लोहै अथ इंद्रलोक कुंडलीको स्वरूप लिख्यते ॥ऽ।ऽ ऽऽऽ। ऽ।ऽऽ ऽऽऽ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ऽऽऽ।ऽऽऽऽऽ।ऽऽ॥ऽऽऽ।ऽऽऽऽ।ऽ।ऽ॥।ऽ॥॥ अथ पादान्तर लिख्यते याही
कोलौकिकमेपरमेल कहतहे घरिकिट। घरिकिट। तथंरिथरिकिट
ऽ किटथरि। तथंरिता किदता किट ऽ किदतत किटथों ऽ ताहेंताहें ऽ
ताकिटकिटकिट ऽ तता। किदततततत किटथों ऽ ताहें। थोंगाथों कि
ट ऽ थोता किदततकिदतत ऽ किटता किटता ऽ तथों ताहें ऽ तथोंततत
त ऽ तथोंधुमधुमधुमधुमकिट ऽ तगाधिमिधिमिधिमिथाकिट ऽ धुगुडदांधु
गुडदांधुगुडदां ऽ धुगुडदां। धुगुडदांधिधिगनथों ऽ तकिधिमिधिधिगन
थों ऽ ताहेंताहें ऽ ब्रजगजगजगज ऽ गजमट। मटाकिटमटाकिट ऽ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१६५

किटकिटकिटकिट ऽ किटथों । थोंगा । तगाथिमितगाथिमितगतग ऽ थिमि
थिमिताथिमि ऽ तगाथिमितगतग ऽ थिमिथिमि । ताथिमिथिमितगताथों ऽ
थोंगा । तकथोंथोंगा ऽ ताहंतकथों । थिमिथिमिथोंगा ऽ ताहे । ताहे ।
थिथिगनथों । इति इंद्रलोक कुंडली संपूर्णम् ॥

165

इंद्रलोक कुंडली ताल चोतालीस तालो ४४			
इनमे परमल	इनमे अंतर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल थरिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताललीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १

१६५

द्वितीय तालके परमल धरिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल तथरियेंरिकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतितत ३
चौथी तालके परमल किटधरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४
पांचमी तालके परमल तथरिताकिटतकिट	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ५॥।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गो लकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतितत थेईथेई ५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९९

166

छठेमी तालके परमल किटततकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईततितत ६
सातमी तालके परमल ताहं ताहं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ७॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ७
आठमी तालके परमल ताकिटकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ८॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ८
नवमी तालके परमल तंता	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दसमी तालके परमल किटततततकिटथों	निशानी लुत ताल माञा ऽ१०॥।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो माञा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा.	चचकार थेईतित तत थेईथेई १०
यारमी तालके परमल तारं	निशानी लघु ताल माञा ।१११	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक माञा,	चचकार थेई ११
बारमी तालके परमल थोंगा थोंकिट	निशानी गुरु ताल माञा ऽ१२॥।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो माञा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १२
तेरमी तालके परमल थोंगाकिटततकिटतत	निशानी लुत ताल माञा ऽ१३॥।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो माञा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८७

चौदमी तालके परमल किटतांकिटतां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१४॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो तालली कहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १४
पंद्रमी तालके परमल तथांताहं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१५॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १५
सोलमी तालके परमल तथांततततत	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१८॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १८
सतारमी तालके परमल तथांधुधुमुधुमुकिट	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ१७।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १७

167

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अठारमी तालके परमल तगपिमिपिमिपिमि धींकिट	निशानी लुत ताल मात्रा ३।१८।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताललीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोलकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईततितत थेईथेई १८
उनीसमी तालकेपरम ल धुगुडदांधु गुडदांधुगुडदां	निशानी लुत ताल मात्रा ३।१९।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गो ल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईततितत थेईथेई १९
वीसमी तालके परमल धुगुडदां	निशानी लघु ताल मात्रा ।२०।	लघुकी निशानी अंकहै सो लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई २०
इकीसमी तालके परमल धुगुडदांपिपिगनथों	निशानी लुत ताल मात्रा ३।२१।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताललीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गो लकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईततितत थेईथेई २१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता ध्या १९८

168

बाईसमी तालके पर मल तकिधिमिधिमिगन थों	निशानी सुत ताल मात्रा ऽ२२।।।०	सुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २२
तेईसमी तालके पर मल ताहंताहं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२३।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २३
चौबीसमी तालके पर मल गजगजगजगज	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२४।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २४
पचीसमी तालके पर मल गजमट	निशानी लघु ताल मात्रा ।२५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २५

१९८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

छवीसमी तालके पर मल मदाकिटमदाकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२६॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २६
सताईसमी तालके पर मल किटकिटकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२७॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २७
अठाईसमी तालके पर मल किटथों	निशानी लघु ताल मात्रा १२८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई २८
उनतीसमी तालके परमल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा १२९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९९

तीसमी तालके परमल धिगधिमितगधिमितग तग	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ३०॥०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फा लो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतितत थेईथेई ३०
इकतीसमी तालके परमल धिमिधिमितधिमि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३१॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताललीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत ३१
बतीसमी तालके पर मल तगधिमितगतग	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३२॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतितत ३२
तेतीसमी तालके परम ल धिमिधिमि	निशानी लघु ताल मात्रा ।३३।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३३

161

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चौतीसमी तालके परमल तापिमिधिमिधिगन थों	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ ३४।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडा लो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ३४
पैंतीसमी तालके परमल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा । ३५ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३५
छतीसमी तालके परमल तकथोंथोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ ३६।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ३६
सैतीसमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा । ३७ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा	चचकार थेई ३७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१०.

अठतीसमी तालके परमल नकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ३८
उनतालीसमी ताल के परमल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा ।३९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ३९
चालीसमी तालके परमल धिमिधिमिथोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४'।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतततत ४०
एकतालीसमी ताल के परमल ताहें	निशानी लघु ताल मात्रा ।४१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई ४१

170

१०.

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

बैतालीसमी तालके परमल तार्हं	निशानी लघु ताल मात्रा ।४२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई ४२
तितालीसमी तालके परमल धिधिगन	निशानी लघु ताल मात्रा ।४३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई ४३
चौतालीसमी तालके परमल थों	निशानी लघु ताल मात्रा ।४४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४४

अथ संगीत दर्पणके मतिसों इंद्रलोक कुंडलीको लक्षण लिख्यते । मूल

कवित । सरज्ञग हारि सरसोमजम गन सर सोमज सरल गुरु श्रृंगी गुर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता रामज्ञ तीन अंग बानअंग मगन तगन आंनदीपति ज्ञगल रचि बंक अति राम
ध्या ज्ञ तगन बनाइ तीन अरु लघु हार तीन मेर अंग सर चारि बंक सघप अंज्ञ बे
१२१ द लघु अशाह्न औरें धरि अंतहीमैं ताल होइ इंद्रलोक केइली सन अंज्ञ ।

17)

टीका जा तालमैं दोइ लघु एक गुरु एक लघु एक द्रुत तीन गुरु एक ल
घु एक द्रुत एक लघु एक गुरु एक द्रुत तीन गुर होइ ताके आगे तीन
द्रुत एक लघु एक द्रुत एक मगन एक तगन दोइ द्रुत एक गुर होइ फेर
तीन तगन एक लघु तीन गुर एक लघु एक द्रुत चारि लघु एक गुर होइ
आगे चारि अशाह्नके लघु अंतमै एक द्रुत होइ ऐसो जो ताल ताहि इंद्रलो

१२१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इंद्रलोककुंडली
का
क कुंडली जानीई अथ यातालको स्वरूप लिख्यते ।।ऽ।ऽऽऽऽ।ऽ।
ऽऽऽऽऽऽऽऽऽ।ऽऽऽऽऽऽ।ऽऽऽ ऽऽ ।ऽऽ।ऽऽ।। ऽऽऽ।ऽ।।।।ऽ।।।।
ऽ अथ याके पाटाक्षर लिख्यते थरिकिट। थरिकिट। तंथरिथरिकिट
ऽ किटथरि। तंथरितांकिटताकिट ऽ किटततकिटथों ऽ ताहेताहे ऽ ता
किटकिटाकिट ऽ तेता। किटततततकिटथों ऽ ताहे। थोंगाथोंकिट ऽ
थोताकिटततकिटतत ऽ किटतां किटतां ऽ तंथाताहे ऽ तंथाततततऽ
तेथाथुगथुगथुमाकिट ऽ तगधिमिधिमिधिमिथाकिट ऽ धुगुडदांधुगुउ
दांधुगुउदां ऽ धुगुउदां। धुगुउदांधिधिगनथो ऽ ताहेताहे ऽ विजगजगज

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१२२

गज ऽ मटकिटमटकिट ऽ किटकिटकिटकिट ऽ थिमिथिमिताथिमि ऽ गजम
ट। तकिथिमिथिथिगनथो ऽ तगथिमितगथिमितगतग ऽ तगथिमितगत
ग ऽ थिमिथिमिथोंगा ऽ थिमिथिमिथोंगा ऽ थोंगा। जगजगजगजग ऽ त
तततथा ऽ किटथो। किटघरितघरि ऽ किटततकिटथो ऽ किटघरि। कि
टघरि। थोंगाथोकिट ऽ किटताकिटता ऽ ताहंतथा ऽ ताहं। ताथिमिथिमि
तगताथों ऽ तकिथों। तकिथों। ताहं। ताहं। तकिथोंथोंगा ऽ ताहं। ताहं
। थिथिगन। थों। तघरिताकिटताकिट ऽ इति इंद्रलोक कुंडली
समाप्तम् ॥

१२२

इंद्रलोक कुंडली ताल चौतालीस तालो ४४

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल थरिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १
दूसरी तालके परमल थरिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१७३

173

तीसरी तालके परमल तथरिथरिकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो मोहो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ३
चौथी तालके परमल किटथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४
पांचमी तालके परमल तथरि ताकिट ताकि ट	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ५।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो तालकीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कंडासो परिक्रमा	चचकार थेईतितत तथेईथेई ५
छैमी तालके परमल किटततकिट थों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सातमी तालके परमत ताहं ताहं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ७।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फासो नीचेको	चचकार थेईतिततत ७
आठमी तालके परमत ताकिटकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ८।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ८
नवमी तालके परमत ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ९
दसमी तालके परमत किटततततकिटथों	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ९।।।०	लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सोमात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल ऊंजालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।११।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ११
बारमी तालके परमल थोंगाथोंकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१२॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १२
तीरमीतालके परमल थोता किटततकिट तत	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ।१३॥०	लुतकी निशा नीअंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १३
चौदमी तालके परमल किटतां किटतां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१४॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पंद्रमी तालके परमल तथाताहं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१५॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १५
सोलमी तालके परमल तथाततनत	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१६॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत १६
सतारमी तालके परमल तथाधुम धुमधुमाकिट	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३१७॥०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल झंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १७
अठारमी तालके परमल तगधिमिधिमि धिमिधींकिट	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३१८॥०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल झंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

1715

उनीसमी तालके परमत्त धुगुडदांधुगुडदांधुगुड दां	निशानी स्रुत ताल माात्रा ऽ १९।।।०	स्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गो लकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई १९
वीसमी तालके परमत्त धुगुडदां	निशानी लघु ताल मात्रा ।२०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २०
एकीसमी तालके परम त्त धुगुडदांधिधिगनथों	निशानी स्रुत ताल मात्रा ऽ २१।।।०	स्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २१
बाईसमी तालके परम त्त ताहंताहं	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२२।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

त्रयीसमी तालके पर मल गजगजगजगज	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२३॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २३
चौवीसमी तालके परमल मटाकिटमटाकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२४॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २४
पचीसमी तालके पर मल किटाकिटाकिटाकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२५॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २५
छवीसमी तालके परमल ॥ धिमि धिमिनाधिमि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२६॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

170

सताईसमी तालके परमल गजमट	निशानी लघु ताल मात्रा १२७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २७
अठाईसमी तालके परमल तकिधिमिधिमि गनथो	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३२८ ॥।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडा लो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २८
उनतीसमी तालके परमल तगधिमितगधिमि तगतग	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३२९ ॥।०	प्लुतकी निशामी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडा लो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २९
तीसमी तालके परमल तगधिमितगतग	निशानी गुरु ताल मात्रा ५३०॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इकतीसमी तालके परमल धिमिधिमिथोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३१	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३१
बतीसमी तालके परमल धिमिधिमिथोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३२	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३२
तेतीसमी तालके परमल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा ।३३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३३
चौतीसमी तालके परमल जगजगजगज्जग	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३४॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ३४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१७७

177

पैंतीसमी तालके परमल तंतंतंतंतंथा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३५॥०	गुरुकी निशानी ऐकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिननत ३५
छत्तीसमी तालके परमल किटथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३६।	लघुकी निशानी ऐकहै सो ताल लीक है सो मात्रा एक	चचकार थेई ३६
सैंतीसमी तालके परमल किटथातिंथरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३७॥०	गुरुकी निशानी ऐकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नी चेको	चचकार थेईतिननत ३७
अठतीसमी तालके परमल किटतत किटथो	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ३८॥०	गुरुकी निशानी ऐकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नी चेको	चचकार थेईतिननत ३८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उनतालीसमी तालके परमल किटथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।३९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३९
चालीसमी तालके परमल किटथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।४०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४०
इकतालीसमी तालके परमल थोंगाथोंकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४१॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ४१
बतालीसमी तालके परमल किटतांकिटतां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४२॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ४२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८

178

तितालीसमी तालके परमल ताहंतंथा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४३॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताललीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो नीचेको	चचकार थेईतिततत ४३
चौतालीसमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।४४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४४
पैतालीसमी तालके परमल ताधिमिधिमिधिमता थों	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ४५।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ४५
छतालीसमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।४६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सैतालीसमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।४७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ४७
अठतालीसमी तालके परमल तारं	निशानी लघु ताल मात्रा ।४८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४८
उनंजमी तालके परमल तारं	निशानी लघु ताल मात्रा ।४९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४९
पचासमी तालके परमल नाकिघोथोंगा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ५:॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ५०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
(२९

171

एकवंजमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।५१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई ५१
बवंजमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा ।५२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ५२
त्रवंजमी तालके परमल पिपिगन	निशानी लघु ताल मात्रा ५३	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई ५३
चरवंजमी तालके परमल थों	निशानी लघु ताल मात्रा ।५४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ५४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पचवंजमी तालके परमल तंथरि ताकिदताकिट	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३ ५५ ।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथकी फालो गोल कुंड लो परिक्रमा	चचकार थेईतितनत थेईथेई

५२

अथ ब्रह्मोंड कुंडली तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने इन मारग तालन
मै विचारिकै गीत नृत्य वाद्य नादमै बरतिवेको चंचत पुट आदिक पांचो
तालनमें अणु चौथाई मात्राको द्रुत आधी मात्राको दविराम पौण मात्राको
लघु एक मात्राको लविराम डेढ मात्राको गुरु दोय मात्राको प्लुत तीन मात्रा
को लेके देसी ताल उत्पन्न करि वाको ब्रह्मोंड ताल नाम कीनो अथ ब्रह्मोंड
तालको लक्षण लिख्यते जामे एक अणु होय अणुकी चौथाई मात्रा फेर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दोइ द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा तीन जामै दविराम होइ दविरामकी पोण मात्रा औ
र चार लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर द्वे लविराम होइ लविरामकी डेढ मात्रा
और जामै आठ गुरु होइ गुरकी दोइ मात्रा फेर बारह प्लुत होइ प्लुतकी तीन मात्रा
ऐसो जो ताल ताहि ब्रह्मोड ताल जानीये यह ताल छतीस तालोहै ॥ अथ ब्रह्मं
डतालको स्वरूप लिख्यते ॥ ० ० ० ० ० ० ० ।।।।ं।ं।ं।ं।ऽऽऽऽऽऽऽऽऽ३३३३३३३३३
३३३ अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीको लौकिकमै परमल कहतहै त ० तक्क
० धिमि ० तक्कक्क ० थलां ० थलां ० थाथों । ततथों । ततधिमि । थरि
थों । तक्कक्कथलां । नगतथलां । धिमिथरिक्कक । क्कक्कथरिक्कक । थरि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नगगणा । दांधिमिथों । नगदांनगतग ऽ धरिक्कुक्कुनणागिणा ऽ दांदां
नकधिमि ऽ धिमिधिमिथोंगिणा ऽ क्रुदरिकिकिकिटिथों ऽ किररदकिटथों
ऽ नकधरिकिटथों ऽ दांदांकिटथों ऽ धाधिमिकिटनगादिगिदिगिदां ३
नक्काकिटनक्कादिगादिगिदां ३ फेंफेथोंगिणादिंदिकिट ३ नगतगतगत
गतगधिधिकथों ३ नधिनधिनगधिकधिकथों ३ नगतगतगधिगिनगथों
३ ननहननाहननहाकिट ३ नहक्कुनहक्कुक्कुक्कुनहथों ३ टक्कुटक्कुटहक्कु
क्कुक्कुनहथों ३ टक्कुटक्कुटकक्कुक्कुटक्कुफे ३ फंफकेफकफकफेंफेंफें
नक्कुधिमिधिमिफेंफेंधरि ३ ननक्कुक्कुधिधिगणाथों ऽ इतिसंहरणम् ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८१

१८१

ब्रह्मांड ताल छत्तीस तालो ३९

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल त	निशानी अणु ताल मात्रा ०।–	अणुद्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो चौथाई मात्रा	चचकार ति २८
दूसरी तालके परमल तक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २

१८१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीसरी तालके परमल धिमि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
चोथी तालके परमल तक्कक	निशानी दविराम ताल मात्रा ०४=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडीलीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत ४
पांचमी तालके परमल पलां	निशानी दविराम ताल मात्रा ०५=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत ५
छैमी तालके परमल पलां	निशानी दविराम ताल मात्रा ०६=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८२

सातमी तालके परमल थाथैं	निशानी लघु ताल मात्रा ।७।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीके है सो एक मात्रा	चचकार थेई ७
आठमी तालके परमल ततथैं	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीके है सो एक मात्रा	चचकार थेई ८
नवमी तालके परमल ततधिमि	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीके है सो एक मात्रा	चचकार थेई ९
दसमी तालके परमल थरीथैं	निशानी लघु ताल मात्रा ।१०।	लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीके है सो एक मात्रा	चचकार थेई १०

१८२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारमी तालके परमल तक्कक्कधत्तां	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१११=	लविरामकी निशानी अंकहै सो तालीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तंथेई ११
बारमी तालके परमल तगतधत्तां	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१२।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो तालीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तंथेई १२
तेरमी तालके परमल थिमिथिरिक्कक्क	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१३।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो तालीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तंथेई १३
चौदमी तालके परमल क्कक्कथरिक्कक्क	निशानी लविराम ताल मात्रा ।१४।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो तालीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तंथेई १४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८३

पंद्रमी तालके परमल थरिनगगगा	निशानी लवि राम ताल मात्रा ।१५।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तंथेई १५
सोलमी तालके परमल दांधिमिथों	निशानी लवि राम ताल मा त्रा ।१९।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तंथेई १९
सत्रारमी तालके पर मल कदरिककिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१७॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतितत १७
अठारमी तालके पर मल तगदांतगतग	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१८॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतितत १८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उनवीसमी तालके परमल धरिकुकननागिन	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१९॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनत १९
वीसमी तालके परमल दांदांतकधिमि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२०॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनत २०
इकीसमीतालके परमल धिमिधिमिधोगिन	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२१॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतितनत २१
वाईसमीतालके परमल किररटकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२२॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतितनत २२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
प्रा
१८४

184

तेईसमी तालके परमल नकथरिकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२३॥।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २३
चौवीसमी तालके परमल दांदाकिटथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२४॥।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत २४
पचीसमी तालके परमल ॥ धाधिमिकिट नगदिगदां	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३२५॥।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोलकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २५
छवीसमी तालके परमल टककिटकिटतंदिं दिंकिट	निशानी प्लुत ताल मात्रा ३२६॥।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सताईसमी तालके परमल फौंफौं थोंगिणटिंटिं किट	निशानी सूत तालमात्रा ३२७।।।०	सूतकी निशानी अंकहै सो तालली कहै सोमात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोलकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २७
अठाईसमी तालके परमल तगतगतगतगधिधि कथों	निशानी सूत तालमात्रा ३२८।।।०	सूतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सोमात्रा बिंदी हाथको फालो गोलकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २८
उनतीसमी तालके परमल तधितधितगधिकधि कथों	निशानी सूत तालमात्रा ३२९।।।०	सूतकी निशानी अंकहै सो ताललीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोलकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई २९
तीसमी तालके परमल तगतगतगधितगन थों	निशानी सूत तालमात्रा ३३०।।।०	सूतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोलकुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ३०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८५

185

एकतीसमी तालके परमल ततहततताहततहकिट	निशानी सूत ताल मात्रा ३३१॥।०	सूतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सोमात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ३१
बतीसमी तालके परमल तहक्रतहक्र क्रक्रत हथों	निशानी सूत ताल मात्रा ३३२॥।०	सूतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी है सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रामा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ३२
तेतीसमी तालके परमल टक्रटक्रटहक्रक्रक्र तहथों	निशानी सूत ताल मात्रा ३३३॥।०	सूतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गो ल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ३३
चौतीसमी तालके परमल फंफकफकफकफिं फिंफों	निशानी सूत ताल मात्रा ३३४॥।०	सूतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई ३४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पैंतीसमी तालके परमलु तक्कुधिमिधिमिकेंकेंथि ति	निशानी लत ताल मात्रा ऽ३५।।।०	लतकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडलो परिक्रमा	चचकार थेईतिततन थेईथेई ३५
छत्तीसमी तालके परमलु ततक्कुक्कुधिधिगणथों	निशानी लत ताल मात्रा ऽ३६।।।०	लतकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडलो परिक्रमा	चचकार थेईतिततन थेईथेई ३६

अथ अहिमेषकी उत्पत्ति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमै विचारिके गीत नृत्य वाद्य नादमै बरतवेको द्रुत आधी मात्राको गुरु दोइ मात्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करि याको अहिमेष नाम कीनो अथ अहिमेष तालको लछण लिख्यते जामैं एक द्रुत होइ एक गुरु होइ फेर एक द्रुत होइ फेर एक गुरु होइ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८९

एक द्रुत होइ एक गुरु होइ और एक द्रुत होइ फेर एक गुरु होइ याकीतिसों गी
तादिकमे स्वर उपजावे सो अहिमेष ताल जानीए यहिताल अठतालोहै अथ
अहिमेषतालको स्वरूप लिख्यते ० ऽ ० ऽ ० ऽ ० ऽ अथ पाटाक्षर लिख्यते
याको लोककमे परमल कहतहै त ० धिमिधिमितंथा ऽ तक ० थातक
धिमि किटि ऽ थे ० थौकिटिथौ किटि ऽ तक ० धिधिगनथो ऽ इति अहिमेष
ताल संपूर्णम् ॥

18६

अहिमेष ताल आठ तालो ८			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चमत्कार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके परमल ता	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल धिमिधिमितंथा	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनत २
तीसरी तालके परमल तक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२३	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा आधी	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल थांतकधिमिकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनत ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८७

187

पांचमी तालके परमल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी ली कहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ५
छैमी तालके परमल धीकिटिधीकिटि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततत ६
सातमी तालके परमल तक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी तालके परमल धिधिगनथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ८॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततत ८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ अहिगति तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमें वि
चारिके गीत नृत्य वाद्य तालमें बरतिवेको चंचत पुटादिक पांचो तालन
सों सातो अंग लेके देसी ताल उत्पन्न करिवाको अहिगति ताल नाम की
नो अथ अहिगति तालको लक्षण लिख्यते यामे एक प्लुत होइ ओर एक
गुरु होइ एक लविराम होइ अर एक लघु होइ एक दविराम होइ ओर एक
द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा एक अणु होइ अणुकी चौथाई मात्रा या उल
टी रीतिसों गीतादिकमें स्वत्व उपजावै सो अहिगति ताल जानीए अहिगति
तालको स्वरूप लिख्यते ऽ̐ऽ।।ठ००ʋ अथ पाडाक्षर लिख्यते धिमिताधि

मितातायिमि ३ किटकिकिटकिकिट ३ ताकिटकिट १ थोंगा। तिते ६ ते ०
ति ८ पीछे शरब तालमैभी साती अंग आवहै पर नहीं क्रमसोंहै यामै उ
लटी रीत सोंहै इति अहिगति ताल संपूर्णम् ॥

अहिगति ताल सात तालो ७			
इनमै परमल	इनमै अक्षर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमै चचकार
प्रथम तालके परमल धिमिता धिमिता तायिम	निशानी खत ताल मात्रा ३१।।।०	खतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतिततत थेईथेई

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दूसरी तालके परमल किटकिकिटकिकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततनन २
तीसरी तालके परमल ताकिटकिट	निशानी लवि राम तालमात्रा ीेऱ।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तंथेई ३
चौथी तालके परमल थोंगा	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ४
पांचमी तालके परमल तिते	निशानी दवि राम तालमात्रा ीे५=	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार तत ५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१८९

छैमी तालके परमल ते	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०९=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आठी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ६
189 सातमी तालके पर मल ति	निशानी अणु ताल मात्रा ∪७-	अणुद्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा मात्रापै विश्राम विश्रा मपै मान	चचकार ति ७

अथ हिमाचल तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमै विचारि
के गीत नृत्य वाद्य नाट्यमै बरतिवेको द्रुत आधी मात्राको दविराम पौण मा
त्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करि याको हिमाचल नाम कीनो अथ हिमाच
लको लक्षण लिख्यते जामै एक द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा एक दविराम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

होइ दविरामकी पौणा मात्रा फेर एक द्रुत होए फेर एक दविरामहोइ एक द्रु
त होइ एक और दविराम होइ फेर एक द्रुत होइ फेर एक दविराम होइ एक
द्रुत होइ एक और दविराम होइ फेर एक द्रुत होइ फेर एक दविराम होइ
यारीतिसों गीतादिकमें स्वव उपजावे सो हिमाचल ताल जानीये यह ता
ल अब तालोंहै अथ हिमाचलको स्वरूप लिख्यते ० ऽ ० ऽ ० ऽ ० ऽ ० ऽ
अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीको लौकिकमें परमल कहतहै थे ० तथै
ऽ धु ० तथै ऽ जक ० जक्कक ऽ पि ० तथा ऽ इति हिमाचल ता
ल संपूर्णम् ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९.

हिमाचल ताल अठ तालो ८			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल तथे	निशानी दविराम तालमात्रा ०२≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत २
तीसरी तालके परमल थु	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३

१९.

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चौथीतालके परमल नथै	निशामी दविराम ताल मात्रा ०४≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार नत ४
पांचमी तालके परमल नक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ५
छेमी तालके परमल नक्क	निशानी दविराम ताल मात्रा ०६≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार नत ६
सातमी तालके परमल पि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९१

आठमी तालके पर मल नेष्यां	निशानी दवि राम ताल मा त्रा ०८ ≡	दविरामकी निशानी अंक है सो ताल आठी लीक है सो पौण मात्रा	वचकार तत ८

अथ विषम तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमै विचा
रिके गीत नृत्य वाद्य नाट्यमे बरतिवेकों चंचत्पुटादि पांच तालनमैं
सों लघु एक मात्राको गुरु दोइ मात्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करि वाको
विषम ताल नाम कीनो अथ विषम तालको लक्षण लिख्यते जामैं तीन ल
घु होइ लघुकी एक मात्रा एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा और दोइ लघु हो
इ लघुकी एक मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक गुरु होइ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गुरकी दोइ मात्रा एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा दोइ गुर होइ गुरकी दोइ
मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा और एक लघु होइ लघुकी दो
इ मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा एक गुर होइ गुरकी दोइ मात्रा
आगे एक गुर होइ गुरकी दोइ मात्रा और एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा
दोइ गुर होइ गुरकी दोइ मात्रा फेर तीन गुर होइ या रीतिसों गीतादिकमें
सुख उपजावै सो विषम ताल जानीये यह ताल चौबीस तालोहै अथ वि
षम तालको स्वरूप लिख्यते ।।।ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।।ऽऽ।ऽ।ऽऽऽऽऽ अथ पाद
तार लिख्यते याहीको लोकमे परमल कहतहै तकथरि। तकधिमि ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

धिमिगण। कुकुदांकुकुदां ऽ धिमिकिट। धिमिकिट। तकथों। दोंकिटदोंकि
ट ऽ तंथो। किटकिटथोंकिट ऽ धधिगततनथोंकिट ऽ धधगित। तकथो।
तकथो। धिधिगततकथो ऽ धिधिकिटथोंकिट ऽ धधिगण। कुकुथरिकुकु
थरि ऽ कुकुदां। धिधिकिटथोंकिट ऽ धिधिकीटथोंकिट ऽ धिधिकिटथोंकि
ट ऽ धिधिकिटथोंकीट ऽ धिधिकटगणथों ऽ इति विषम ताल संपूर्णम ॥

विषम ताल चौबीस तालो २४

इनमे परमल	इनमे अन्तर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रथम तालके पर मल तक थरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १
दूसरी तालके पर मल ततधिमि	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके पर मल धिधिगण	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३
चौथी तालके पर मल झकदांझझदां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ४।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको झालो	चचकार थेईतततत ४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९३

पांचमी तालके पर मल धिमिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ५
छेमी तालके पर मल धिमिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ६
सातमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ७
आठमी तालके परमल तंथो	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईततनन ८

193

१९३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नवमी तालके परमल तंथो	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ९
दसमी तालके परमल किटकिटथाकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१०॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतित १०
यारमी तालके पर मल धधिगतधींकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।।॥०.	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ११
बारमी तालके पर मल धधिगन	निशानी लघु ताल मात्रा ।१२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा एक	चचकार थेई १२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९४

तेरमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई १३
चौदमी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई १४
पंद्मी तालके परमल धिधिगनतकथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१५॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततत १५
सोलमी तालके परमल धिधिकिटथांकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१६॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततत १६

194

१९४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सतारमी तालके परमल पधिगण	निशानी लघु ताल मात्रा ।१७।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई १७
अठारमी तालके परमल ककथरिककथरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१८॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनन १८
उनीसमी तालके परमल ककदां	निशानी लघु ताल मात्रा ।१९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई १९
वीसमी तालके परमल धिधिकिटधांकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२०॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितनन न २०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९५

195

इकीसमी तालके पर मल पिपिकिटथांकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२१॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २१
वाईसमी तालके पर मल पिपिकिटथांकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२२॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २२
तेईसमी तालके पर मल पिपिकिटथांकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२३॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २३
चौवीसमी तालके परमल पिपिकिटगिनथों	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२४॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिननत २४

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri.

अथ संगीत दर्पनके मतिसों विषम तालको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा नग
नन गन अरु जगन पुनि नगन सगन मतिवान यगन मगन रचि बद्धरहूं
विषम ताल परमान टीका जामै प्रथम नगन आगे भगन अरु जगन फेर
नगन अरु सगन आगे एक लघु होइ आगे यगन अरु मगन होइ सो विषम
ताल जानीए अथ याको सरूप लिख्यते ।।।ऽ।।।ऽ।ऽऽ। ।।ऽ। ।ऽऽ ऽऽऽ
याके मतिमें यहि ताल बाईस तालो है याके पादाक्षर औ याको जंत्र पिछ
लेही पादाक्षरमें अरु जंत्रमें समझीये पिछले जंत्रको सोलवों कोठो गुर
को औ अठारवों कोठो गुरको छोडीए और जंत्र सगरो याही तालको जानौ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९८

190

५ इति विषम ताल संपूर्णम् ॥ अथ पंहि राज तालकी उत्पत्ति लिख्यते
शिवजीने उन मारग तालनमै विचारिकै गीत नृत्य वाद्य नाट्यमैं बरतिवे
को द्रुतकी आधी मात्रा लघु लेके देसी ताल उत्पन्न करि याको पंहि राज ता
ल नाम कीनो अथ पंहि राज तालको लक्षण लिख्यते यामै द्रुत होइ द्रुतकी
आधी मात्रा एक लघु होए लघुकी एक मात्रा फेर एक द्रुत होइ द्रुतकी आधी
मात्रा फेर एक लघु होए लघुकी एक मात्रा फेर द्रुत होइ और एक लघु होइ
एक द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा यारी
तिसौं गीतादिकमै सुख उपजावै सो पंहि राज ताल जानीये यह ताल अठ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तालोहै अथ पंक्तिराज तालको सरूप लिख्यते ०।०।०।०। अथ पारदाल रलिख्यते जग० नकथो। नग० नाहं। कुकु० कुकुथरि। नग० गणथों। अथ चचकार लिख्यते ने० थेई। ने० थेई। ने० थेई। ने० थेई। इति पंक्तिराज ताल संपूर्णम् ॥

अथ पंक्तिराज ताल आठ तालो ८			
इनमै परमल	इनमै अक्षर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमै चचकार
प्रथम तालके परमल जग	निशानी डुत ताल मात्रा ०१=	डुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी दोर लीक सो आधी मात्रा	चचकार ने १

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
ध्या
१९०

दूसरी तालके परमल तकथों	निशानी लघु ताल मात्रा । २ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल तग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल ताई	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ४
पांचमी तालके परमल झुकु	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ५

197

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

छैमी तालके परमल ककथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताली लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ६
सातमी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी तालके परमल गणथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।८।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ८

अथ गारुगी तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीनें उन मारगी तालनमें विचारि के गीत नृत्य वाद्य नाट्यमें बरतिवेको द्रुत आधी मात्राको दविराम पोण मा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
१९८

198

याको लेके देसी ताल उत्पन्न करि वाको गारुगी ताल नाम कीनो अथ गारुगी ता
लको लक्षण लिख्यते छंद तीन बले एकै दविराम गारुग ताल अतिही अभि
राम टीका यामें तीन द्रुत होय द्रुतकी आधी मात्रा और एक दविराम होय दवि
रामकी पौन मात्रा यारीतिसों गीतादिकमें सुख उपजावे सो गारुगी ताल
जानीए यह ताल चौतालोहै कोई लक्षणमे पांच द्रुत एक दविराम कहत
है तिउ टंकभी नामहै अथ गारुगी तालको स्वरूप लिख्यते ० ० ० ०̑
अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीको लोककमै परमल कहतहै जग० जग० न
ग० नकुकु ०̑ अथ चचकार लिख्यते ते० ते० ते० तिते ०̑ इति गारुगी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ताल संग्रह ॥

गारुगी ताल चौतालो ४			
इनमै परमल	इनमै अक्षर ताल मात्रा	इनमै समस्या	यामै चचकार
प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आजी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल तग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आजी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
१९९

199

तीसरी तालके परमल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
चौथी तालके परमल्ल नङ्कङ्क	निशानी दविराम ताल मामा ०४३	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तिते ४

अथ फोबड तालको उतपति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे विचारिके गीत नृत्य वाद्य नाटमै बरतिवेको लघु एक मात्राको दविराम डे ७ मात्राको लेके देसी ताल उतपन्न करि याको फोबड ताल नाम कीनो

अथ फोबड तालको लक्षण लिख्यते छंद लघु जग अरु एकै लवि राम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

झमर ताल अतहि सुखधाम टीका जामै दोइ लघु होइ लघुकी एक मात्रा
और एक लविराम होइ लविरामकी डेढ मात्रा यारीतिसों गीतादिकमें
सबे उपजावे सो फोबड ताल नाम जानीए यह ताल तितालो है कोई ती
न लघु एक लविराम कहत है अथ फोबड तालको स्वरूप लिख्यते ॥
याको लोककमै परमल कहत है ताहं । कथों । ननकथों । अथ च
चकार लिख्यते थेई । थेई । तिथेई । इति फोबड ताल संपूर्णम् ॥

फोबड ताल तितालो ३			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	यामे समस्या	इनमे चचकार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या॰
२००

प्रथम तालके परमल ताहै	निशानी लघु ताल मात्रा ।१।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १
दूसरी तालके परमल कथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल ननकथों	निशानी लविराम ताल मात्रा ।३।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो डेढमात्रा मात्रापै विस्राम विस्रामपै मान	चचकार तिथेई ३

अथ नील फोबड तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमें
विचारिकै गीत नृत्य वाद्य नाट्यमै बरतिवेको गुर दोय मात्राको लघु एक

२००

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

माञाको लैके देसी ताल उत्पन्न करि याको नील फोंबड ताल नाम कीनो अ

थ नील फोबड तालको लक्षण लिख्यते जा तालमै एक गुरु होइ गुरुकी दो

इ माञा और दोइ लघु होइ लघुकी एक माञा यारीतसों गीतादिकमै सबे उ

पजावै सो नील फोबड ताल जानीए अथ नीलफोंबड तालको स्वरूप लि

ख्यते ऽ।। अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीको लोकमै परमल कहतहै दों

दोंथरिथरि ऽ झेंझेंथरि । गनथों । अथ वाद्यकार लिख्यते थेईतितत्तन

ऽ थेई । थेई । यह ताल तितालोहै इति नील फोंबड ताल संपूर्णम् ॥

नील फोबड तितालो ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२०१

70

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल दोंदों थरिथरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ।।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो	चचकार थेईतिततत १
दूसरी तालके परमल झक्कथरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई २
तीसरी तालके परमल गणथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ संगीत दर्पणके मतिसों झमर तालको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा
नगन एक निःशब्द लघु द्वै द्वै गुरु द्रुत बांन अरु जग नभ दविरामयों झ
मर ताल बखान टीका जा तालमें एक नगन होइ एक निह शब्द लघु होइ
आगे दोइ गुरु दोइ द्रुत दोइ लघु फेर दोइ द्रुत एक दविराम होइ सो झमर
ताल जानीए यहि ताल तेरह तालकोहै अथ याको स्वरूप लिख्यते ऽऽ।।
ऽऽ००।।००७ अथ पाटाक्षर लिख्यते दोंदोंथरिथरि ऽ दोंदोंथरिथरि ऽ
झझथरि। झझथरि। दोंदोंथरिथरि ऽ दोंदोंथरिथरि ऽ जग० तग० ताहे
। कंथो। जग० तग० नझझ ७ इति झमर ताल संपूर्णम् ।।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२०२

झुमर ताल तेरह तालो १३			
इनमे परमल	इनमे ग्रक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल दांदां धरिधरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिनतत १
दूसरी तालके परमल दांदां धरिधरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिनतत २
तीसरी तालके परमल ककधरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।३।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ३

२०२

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चौथी तालके परमल ऊऊघरि	निशानी लघु ताल मात्रा ।४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार घेई ४
पांचमी तालके परमल दांदांघरिघरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ५।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार घेईतिततत ५
छैमी तालके परमल दांदांघरिघरि	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ६।।०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा विंदीहै सो हाथको फालो	चचकार घेईतिततत ६
सातमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२:३

आठमी तालके परमल तग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ८
नवमी तालके परमल ताहं	निशानी लघु ताल मात्रा १९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ९
दसमी तालके परमल कंथो	निशानी लघु ताल मात्रा १०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १०
यारमी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०११=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो आधी मात्रा	चचकार ते ११

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

बारमी तालके परम ल नग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १२
तेरमी तालके पर मल नकक	निशानी दवि राम ताल मात्रा ७।२३	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत १३

अथ चंक्रतालकी उत्पतिलिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमै विचारिके गीत नृत्य वाद्य नाटमै बरतिवेको द्रुत आधी मात्राको लघु एक मात्राको लैके देसी ताल उत्पन्न करि याको चंक्रताल नाम कीनो अथ चंक्रतालको लक्षण लिख्यते यामै चार द्रुत होर द्रुतकी आधी मात्रा अरु एक लघु होर लघुकी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२०५

एक मात्रा फेर तीन द्रुत होइ द्रुतकी आधीमात्रा और एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर दोइ द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा यारीतिसों गीतादिकमे रुख उपजावे सो चंक्रताल जानीये यह ताल चौदह तालो है ॥ अथ चंक्रतालको स्वरूप लिखेते ००००।०००।००।०। अथ पाटाक्षर लिखेते याहीको लौकिकमे परमल कहतहै जग० जग० नक० धे० ताधे। धरि० क्रक० धिमि० दाधे। दां० द्रां० धिधिकिट। धिधि० गनथो।

इति चंक्रताल संपूर्णम् ॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चक्र ताल चौदह तालो १४

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडीलीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरीतालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडीलीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२०५

205

तीसरी तालके परमल नक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आ डी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
चौथी तालके परम ल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ४
पांचमी तालके पर मल ताथे	निशानी लघु ताल मात्रा ।५।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ५
छैमो तालके परमल थरि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०६ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी ताल	चचकार ते ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सातमी तालके पर मल झक्क	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी तालके पर मल धिमि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ८
नवमी तालके पर मल दांथे	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई ९
दसमी तालके पर मल दां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०९=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या॰
२०९

बारमी तालके पर मल दां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०॥=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ११
बारमी तालके पर मल धिधिकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ११२।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १२
तीरमी तालके पर मल धिधि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १२
चौदमी तालके परमल गनथों	निशानी लघु ताल मात्रा ११४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १४

206

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अथ संगीत दर्पनके मतिसों चंक्रतालको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा

वेद बिंड अरु लघु जुगल तीन बिंड लघु एक बले जुगल लघु रूप लघु

चंक्रताल सबे टेक टीका जामे प्रथम वेद कहीए चारि बिंड होइ आगे दो

इ लघु फेर तीन बिंड एक लघु फेर दोए बिंद एक लघु फेर एक बिंद एक

लघु होइ सो चंक्रताल जानीए अथ याको सरूप लिख्यते ००००।।०००

।००।०। याके मतिमे यह ताल चौदह तालोहे याके पादाक्षर औयाको

जंत्र पिछले जंत्रको छेवो कोठो लघुको एक और कीजीए तो यही जंत्र

या तालको होइ ॥ अथ त्रिकुट तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२०७
207

रग तालनमें विचारिके गीत नृत्य वाद्य तालमें वरतिवेकों द्रुतकी एक मात्रा द
विरामकी पौण मात्रा लेके देसी ताल उत्पन्न करि याको त्रिकुटंब ताल कीनो
अथ त्रिकुटंब तालको लक्षण लिख्यते जामैं चार द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा
अरु एक दविराम होइ दविरामकी पौंनमात्रा तीन द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा
एक दविराम होइ दविरामकी पौन मात्रा फेर दोइ द्रुत होइ द्रुतकी आधी मा
त्रा एक दविराम होइ दविरामकी पौन मात्रा फेर एक द्रुत होइ द्रुतकी आ
धी मात्रा फेर एक दविराम होइ दविरामकी पौन मात्रा यारीतिसों गीतादिक
मे सुख उपजावै सो त्रिकुटुंब ताल जानीये यह ताल चौदह तालोंहे अथ त्रिकु

२०७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

टंब तालको स्वरूप लिख्यते ००००ऽ।००ऽ००ऽ००ऽ अथ पाटान्तर लिख्यते

याहीको लौकिकमै परमल कहतहै दां० दां० तक० तकि० तक्कक ऽ ता०

घे० घरि० धलां ऽ न्ना० घों० तघो ऽ धी० तघो ऽ इतिविक्रटंबतालसंपूर्णम्

विक्रटंब ताल चौदह तालो १४			
इनमै परमल	इनमै अन्तर ताल मात्रा	इनमै समस्या	इनमै चचकार
प्रथम तालके परमल दां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आठी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२.८

दूसरी तालके परमल दों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २
तीसरी तालके परमल तकि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल तकि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ४
पांचमी तालके पर मल तक्कक	निशानी दवि राम ताल मात्रा ॅ५≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोणा मात्रा	चचकार ते ५

२.८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

छेमी तालके परमत्त ता	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०६=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ६
सातमी तालके पर मत्त थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आ डी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ७
आठमी तालकेपर मत्त थरि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आ डी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ८
नवमी तालके परम त्त पलां	निशानी दवि राम तालमात्रा ऽ९३	दविरामकी निशानी अंकहै सो ता ल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकार तत ९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
थ्या
२·९

201

दसमी तालके परमल ता	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१०=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीक सो आधी मात्रा	चचकारते ९
यारमी तालके परमल थो	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०११=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकारते ११
बारमी तालके परमल नथों	निशानी दविराम ताल मात्रा ७१२≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पोण मात्रा	चचकारतत १२
तेरमी तालके परमल थी	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकारते १३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चौदमी तालके परमल नथों	निशानी दविराम ताल मात्रा ७१४≡	दविरामकी निशानी अंक है सो ताल आडी लीक है सो पौण मात्रा	चचकार तत १४

अथ स्वर्ण मेरु तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमे विचा
रिकै गीत न्रत्य वाद्य नाट्यमैं बरतिवेको चंचत्पुटादिक पांचो तालनमैं सों
लघु एक मात्राको गुर दोइ मात्राको द्रुत आधी मात्राको प्लुत तीन मात्राको
दविराम पौन मात्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करि याको स्वर्ण मेरु ताल ना
म कीनो अथ स्वर्ण मेरु तालको लक्षण लिख्यते यामै एक लघु होइ लघुकी
एक मात्रा अरु एक गुर होइ गुरकी दोइ मात्रा फेर तीन द्रुत होइ द्रुतकी आधी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२९

मात्रा आगे एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा अरु एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा फे
र तीन द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा फेर एक गु
रु होइ गुरुकी दोइ मात्रा फेर तीन द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा फेर एक लघु होइ
लघुकी एक मात्रा फेर दोइ द्रुत होइ एक लघु होइ अरु एक जामे प्लुत होइ प्लुतकी
तीन मात्रा जानीये फेर एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा आगे दोइ द्रुत होइ द्रुतकी
आधी मात्रा फेर एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा और एक प्लुत होइ प्लुतकी
तीन मात्रा फेर एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मात्रा जानीये अरु तीन द्रुत होइ द्रुत
की आधी मात्रा एक दविराम होइ दविरामकी पौण मात्रा फेर दोइ द्रुत होइ द्रु

210

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तकी आधी मात्रा और एक दविराम होइ दविरामकी पोण मात्रा एक द्रुत होइ
द्रुतकी आधी मात्रा फेर दोई लघुहोइ लघुकी आधी मात्रा आगे एक गुरु होइ
गुरुकी दोइ मात्रा जानीये यारीतिसों गीतादिकमें स्वर उपजावे सो स्वर्णमे
रु ताल जानीये यह ताल तेंतीस तालोहै अथ स्वर्णमेरु तालको स्वरूप लि
खेते ।ऽ०००।ऽ०००।ऽ०००।००।ऽऽ००।ऽऽ००००ꣳ००ꣳ०॥ऽ
अथ पाटाक्षर लिखेते याहीको लौकिकमें परमल कहतहै तथो। तेथात
तथां ऽ थरि० क्रुद० क्रुक० दथा। थातकतकतक ऽ तक० तक० था०
किटाकिट। किटकिटकिट ऽ था० था० थो० थोथो। थों० गा० ताथो। अ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२११

धुमुधुमुधुमुथा ऽ ततङंतानक ऽ तक ० धिकि ० तकथा । धिकितकधिकतक
था ३ तेतेतेथे ऽ ते ० ते ० थे ० तथे ० धिधि ० गन ० धलां ० धिमि । थोंगा ।
थोंगा । धिधिगितथो ऽ इति स्वर्ण मेरु ताल संपूर्णम् ॥

स्वर्ण मेरु ताल सैतीस तालो है ३७			
इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल तेथा	निशानी लघु ताल मात्रा १।१	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १

२११

दूसरी तालके परमत तंथा ततथां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२॥०	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी है सो हाथको फालो	चचकार थेईततततत २
तीसरी तालके परम ल थरि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३=	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी लीक है सो आधी मात्रा	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल कुदं	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी लीक है सो आधी मात्रा	चचकार ते ४
पांचमी तालके परम ल कुकु	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी लीक है सो आधी मात्रा	चचकार ते ५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२१२

212

छेमी तालके परमल दंथा	निशानी लघु ताल मात्रा ।९।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ६
सातमी तालके परमल घातकतकतक	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ७॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ७
आठमी तालके पर मल तक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०८=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ८
नवमी तालके परमल तक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०९=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आ डीलीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दसमी तालके परमल धा	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१०=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ९
यारमी तालके परमल किटकिट	निशानी लघु ताल मात्रा ।११।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो एक मात्रा	चचकार थेई ११
बारमी तालके परमल किटकिटकिटकिट	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ१२॥०	गुरकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईततनन १२
तीरमी तालके परमल धा	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२१२

213

चौदमी तालके परमल था	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १४
पंद्रमी तालके परमल था	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १५
सोलमी तालके परमल थों थों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१६।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १६
सतारमी तालके परमल थों	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१७=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अठारमी तालके परमल गा	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०।८ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १८
उनीसमी तालके परमल ताथो	निशानी लघु ताल मात्रा । १९ ।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो एक मात्रा	चचकार थेई १९
वीसमी तालके परमल धुमुधुमुधुमुधुमुधा	निशानी लुत ताल मात्रा ऽ२०।।।०	लुतकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेईतितत्त थेईथेई २०
इकीसमी तालके परम ल ततडां तातक	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ२१।।०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतितत त २१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२१४

बाईसमी तालके परमत्त नक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२२=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २२
तेईसमी तालके परमत्त थिक	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२३=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते २३
चौवीसमी ताल के पर मत्त तकथा	निशानी लघु ताल मात्रा ।२४।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल ली कहै सो मात्रा एक	चचकार थेई २४
पचीसमी तालके परम त्त थिकितकथिकतकथा	निशानी प्लुत ताल मात्रा ऽ२५।।।०	प्लुतकी निशानी अंकहै सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी हाथको फालो गोल कुंडालो परिक्रमा	चचकार थेई तितनन थेईथेई २५

214

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

छबीसमी तालके परमल तेतेतेथे	निशानी गुरु ताल मात्रा ३२६॥०	गुरुकी निशानी अंक है सो ताल लीक है सो मात्रा बिंदी है सो हाथ को फालो	चचकार थेईतिततत २६
सत्ताईसमी तालके परमल ते	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२७=	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी लीक है सो आधी मात्रा	चचकार ते २७
अट्ठाईसमी तालके परमल ते	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२८=	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी लीक है सो आधी मात्रा	चचकार ते २८
उनतीसमी तालके परमल [illegible] थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२९=	द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी लीक है सो आधी मात्रा	चचकार ते २९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना
ध्या
२१५
215

तीसमी तालके परमल नषे	निशानी दविराम ताल मात्रा ऽ३०·≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पौणा मात्रा	चचकार तत ३०
एकतीसमी तालके पर मल धिधि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३१ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीक सो आधी मात्रा	चचकार ते ३१
बतीसमी तालके परमल गत	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०३२ =	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३२
तेतीसमी तालके परमल पलं	निशानी दवि रामताल मात्रा ऽ३३ ≡	दविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो पौणा मात्रा	चचकार तत ३३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चौतीसमी ताल के परमल थिमि	निशानी द्रुत द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी ताल मात्रा लीक है सो आधी मात्रा ०२४=	चचकार ते २४
पैतीसमी ताल के परमल थोंगा थिमि	निशानी [लघु लघु] द्रुत द्रुतकी निशानी अंक है सो ताल आडी ताल मात्रा लीक है सो आधी मात्रा एक [illegible] २५=	चचकार थेई २५
छतीसमी ताल के परमल थोंगा	निशानी ल लघुकी निशानी अंक है सो ताल लीक द्रु ताल मात्रा है सो एक मात्रा ।२६।	चचकार थेई २६
सैतीसमी ताल के परमल धिधिगिनथों	निशानी गुरु गुरुकी निशानी अंक है सो ताल लीक ताल मात्रा है सो मात्रा बिंदी है सो हाथको फालो ऽ२७॥	चचकार थेईतिननत २७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
२१९
216

अथ संगीत दर्पनके मतिसों स्वर्णमेरुको लक्षण लिख्यते मूल दोहरा ख्या
एक गुरु द्रुत तीनिए तीन बार लै ठान लघु द्वै व्यंजन मेरु प्लुत गुरु जुग द्रुत यों
जान दोहरा दंड शृंग नूपुर बज्र बलय जुगल लघु शृंग गुरु गारुगरु व्रजी
य पुनि द्रुत लघु जुग गुरु रंग टीका या तालमे एक लघु एक गुरु तीन द्रुत
ऐसे तीन बार कीजीए आगे लघु दोइ द्रुत एक लघु एक प्लुत एक गुरु
दोइ द्रुत एक लघु एक प्लुत एक गुरु होइ आगे गारुग होइ क्या तीन द्रुत
चोथो दविराम कीजे फेर दोइ द्रुत करि तीजो दविराम कीजे फेर एक द्रुत
दोइ लघु एक गुरु होइ सो स्वर्ण मेरु ताल जानीए अथ याको स्वरू लिख्यते

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

।ऽ०००।ऽ०००।ऽ०००।००।ऽऽ००।ऽऽ००।ऽऽ०००ऽ०००ऽ०॥ ५ याके पा
छातर ओयाको जंत्र पिछलेही पाछासतरनमें सो अरु जंत्रनमें सों समझीए
पिछले जंत्रमे अठाईस कोठो द्रुतको नहो नोई दोऊ लक्षण मिलतिहै आगे
लघु प्लुत गुरु द्रुत दविराम जितने अधिक होइ तितने वाही जंत्रमे सो ब
धाइके याको जंत्र समझ लीजीए ॥ अथ शंख तालकी उत्पति लिख्यते
शिवजीने उन मारग तालनमे विचारिके गीत नृत्य वाद्य नाट्यमै बरति
वेको चंचत पुट आदि पांच तालनमें सों द्रुत आधी मात्राको लविराम डेढ
मात्राको गुरु दोइ मात्राको अणु पाउ मात्राको लघु एक मात्राको लेके दे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ध्या
२१७
२१७

सो ताल उत्पन्न करि याको शंख ताल नाम कीनो अथ शंख तालको लक्षण लि
ख्यते जा तालमे एक द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा अरु एक लविराम होइ लवि
रामकी डेढमात्रा तीन द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा एक गुरु होइ गुरुकी दोइ मा
त्रा अरु दोइ अणुहोइ अणुकी पाउ मात्रा फेर एक द्रुत होइ द्रुतकी आधी मात्रा
और एक लघु होइ लघुकी एक मात्रा या रीतिसों गीतादिकमे शंख उपजावे
सो शंख ताल जानीई यह ताल देस तालोहे अथ शंख तालको स्वरूप लिख्यते
०।०००ऽ७७७०। अथ पाटाक्षर लिख्यते याहीको लौकिकमे परमल कह
तहे तां० तकतकथो। जग० जग० थे तकदां तकदां ऽ धि ७ धि ७ धिमि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

० नगथो । इति शंखताल संपूर्णम् ॥

शंख ताल दश तालो १०			
इनमें परमल	इनमें अक्षर ताल मात्रा	इनमें समस्या	इनमें चचकार
प्रथम तालके परमल तां	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आजी ली कहै सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल तकतकथो	निशानी लवि राम ताल मात्रा ।२।=	लविरामकी निशानी अंकहै सो ताल आ डी लीकहै सो डेढ मात्रा	चचकार तथेई २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
प्या
२१८

218

तीसरी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ३
चौथी तालके परमल जग	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०४=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ४
पांचमी तालके परमल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०५=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ५
छैमी तालके परमल तकदांतकदां	निशानी गुरु ताल मात्रा ऽ९॥०	गुरुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो मात्रा बिंदीहै सो हाथको फालो	चचकार थेईतिततत ६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सातमी तालके परमल थि	निशानी अणु ताल मात्रा ᑌ७—	अणुकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो चौथाई मात्रा	चचकार ति ७
आठमी तालके परमल थि	निशानी अणु ताल मात्रा ᑌ८—	अणुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो चौथाई मात्रा	चचकार ति ८
नवमी तालके परमल थिमि	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०९=	द्रुतकी निशानी अंकहै सो ताल आडी लीकहै सो आधी मात्रा	चचकार ते ९
दसमी तालके परमल गनथों	निशानी लघु ताल मात्रा ।१०।	लघुकी निशानी अंकहै सो ताल लीकहै सो एक मात्रा	चचकार थेई १०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ता
ख्या
२१९

अथ दूसरे शंख तालकी उत्पति लिख्यते शिवजीने उन मारग तालनमें विचा
रिके गीत नृत्य वाद्य नादमें बरतिवेको चंचतपुट आदिक तालमै द्रुत आ
धी मात्राको दविराम पौन मात्राको गुरु दोइ मात्राको प्लुत तीन मात्राको लवि
राम डेढ मात्राको अरु पाउ मात्राको लेके देसी ताल उत्पन्न करि याको शंख
ताल नाम कीनो अथ शंख तालको लक्षण लिख्यते जामै दोइ द्रुत होइ द्रु
तकी आधी मात्रा अरु एक दविराम होइ दविरामकी पौण मात्रा एक गुरु
होइ गुरुकी दोइ मात्रा फेर एक प्लुत होइ प्लुतकी तीन मात्रा एक गुरु होइ गु
रुकी दोइ मात्रा अरु एक लविराम होइ लविरामकी डेढ मात्रा फेर एक ल

२१९

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

घु होय लघुकी एक मात्रा और एक दविराम होय दविरामकी पौण मात्रा एक
द्रुत होय द्रुतकी आधी मात्रा अरु एक अणु होय अणुकी पाउमात्रा यारीतिसों
गीतादिकमैं स्वर उपजावै सोशंख ताल जानीये यहि ताल यारह तालोंहै
अथ शंख तालको स्वरूप लिख्यते ००७ऽऽ३ऽ।७०८ अथ पाटाक्षर लि
ख्यते याहीको लौकिकमैं परमल कहतहैं थां० थें० तथे ७ तकधिकत
कधिकि ऽ थौंधिमिथाधिमिथोंधिमि ऽ तकिटतकिटतक ऽ तकतकथो।
थोंगा। धलां ७ जग० ति ८ इति दूसरे शंख ताल संपूर्ण
म् ॥

ता
ध्या
२२

दूसरे शंख ताल यारह तालो ॥

इनमे परमल	इनमे अक्षर ताल मात्रा	इनमे समस्या	इनमे चचकार
प्रथम तालके परमल था	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०१=	द्रुतकी निशानी अंकरे सो ताल आडी लीकरे सो आधी मात्रा	चचकार ते १
दूसरी तालके परमल थे	निशानी द्रुत ताल मात्रा ०२=	द्रुतकी निशानी अंकरे सो ताल आडी लीकरे सो आधी मात्रा	चचकार ते २

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जोवाबों हे सो आपरा एकसीस

वंधीन हैं पकर आपरा नावी

टुरआ उमा देदी जरा नहीं का

री होर जीनु सा लिखेआसी जो

रखमत नमहीने १ ई कदी होर

लै मी जनीनां जी रगरुदन

हीमिल सकदी पर नदूसरी

रगरुद वी च आप दे रुपै ए

व होनकरे जां नगे सा हवां

मेहरबानी करसी जलदी टुर

आउमा होद जी दोसती दाह

क ई नसा हे जे रुसां देदीन

ही करसी व होन अरजे नहीं लि

खी सुम संवत १९५० फालगुण

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्र. २५ लिखी सुम स